E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -149 | प्रयागराज, शुक्रवार 22अगस्त, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

भारत-चीन लिपुलेख दर्रे से फिर व्यापार करेंगे,नेपाल ने सीमा विवाद को लेकर विरोध जताया बोला- यहां से 1954 से ट्रेड हो रहा

नयी दिल्ली। भारत और चीन ने उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे से फिर व्यापार शुरू करने पर सहमति जताई है। यह फैसला 18-19 अगस्त को चीनी विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा के दौरान हुआ। बातचीत में लिपुलेख के साथ शिपकी ला और नाथु ला दर्रों से भी कारोबार बहाल करने का फैसला लिया गया। नेपाल ने इस समझौते पर आपत्ति जताई है। उसका कहना है कि लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी उसके क्षेत्र का हिस्सा हैं। उसने भारत और चीन से इस इलाके में कोई एक्टिविटी न करने की अपील की है। इस पर भारत ने बुधवार को लिखित जवाब में कहा कि लिपुलेख के रास्ते 1954 से व्यापार हो रहा है, जो हाल के सालों में कोरोना और अन्य वजहों से रुका था। अब दोनों देशों ने इसे फिर शुरू करने का फैसला किया है। भारत का कहना है कि नेपाल के क्षेत्रीय दावे ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। ये एकतरफा दावे मान्य नहीं हैं। भारत ने नेपाल के साथ सीमा विवाद को बातचीत और डिप्लोमेसी से हल करने की इच्छा जताई है।नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सितंबर में भारत दौरे पर आएंगे। वे 31 अगस्त से 1 सितंबर तक चीन में शंघाई सहयोग संगठन समिट में हिस्सा लेने के बाद 16 सितंबर को भारत पहुंचेंगे। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री रविवार, 17 अगस्त को काठमांडू पहुंचे और प्रधानमंत्री ओली,विदेश मंत्री अर्जु राणा देउबा और विदेश सचिव अमृत बहादुर राय से मुलाकात की। बैठक में भारत-नेपाल संबंधों को मजबूत करने, कनेक्टिविटी, व्यापार और विकास सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। ओली के भारत दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच कुछ अहम समझौते होने की संभावना है। पिछले साल जुलाई में ओली के प्रधानमंत्री बनने के बाद से उनका भारत दौरा लगातार टलता रहा है।भारत और चीन ने 10 साल में पहली बार लिपुलेख के रास्ते व्यापार पर चर्चा की है। इससे पहले 2015 में पीएम मोदी की चीन यात्रा के दौरान उन्होंने और तत्कालीन चीनी प्रधानमंत्री ली केकियांग ने लिपुलेख के रास्ते व्यापार बढ़ाने का समझौता किया था। नेपाल ने उस समय भी इसका विरोध किया था, क्योंकि यह फैसला नेपाल से बिना सलाह के लिया गया था। नेपाल ने तब भारत और चीन को डिप्लोमेटिक नोट भेजे थे।

दिल्ली सीएम अटैक केस- आरोपी 5 दिन की पुलिस रिमांड पर,सिक्योरिटी में तैनात होंगे सीआरपीएफ जवान

नयी दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर 20 अगस्त की सुबह करीब 8.15 बजे जनसुनवाई के दौरान एक शख्स ने हमला कर दिया। आरोपी गुजरात के राजकोट का रहने वाला राजेशभाई खीमजी है, जिसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया था। आरोपी को बुधवार रात दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के द्वारका में एक मजिस्ट्रेट के घर पर पेश किया गया। इसके बाद उसे 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। राजेश पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया गया है।गुजरात में भी राजेश पर चाकूबाजी समेत 5 केस पहले से दर्ज हैं। हालांकि गिरफ्तारी के दौरान उसके पास कोई हथियार नहीं मिला। इंटेलिजेंस ब्यूरो और दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल उससे पूछताछ कर रही है। जन सुनवाई में शिकायतकर्ता बनकर पहुंचे राजेश ने सीएम को कागज देते समय उसने हमला किया। हमले में चोटिल सीएम रेखा फिलहाल अस्पताल में भर्ती हैं। उनके हाथ, कंधे और सिर पर चोटें आईं हैं। सीएम रेखा को जेड कैटेगरी सिक्योरिटी मिली हुई थी, अब इसमें सीआरपीएफ जवान भी शामिल होंगे। जेड कैटेगरी में 22 से 25 सुरक्षाकर्मी तक होते हैं। इनमें पीएसओ, एस्कॉर्ट और आठ हथियारबंद गार्ड रहते हैं।आरोपी राजेशभाई ने हमले के पहले सीएम रेखा गुप्ता के शालीमार बाग स्थित आवास की रेकी की थी। 19 अगस्त को सीएम के आवास में लगे सीसीटीवीकैमरों में आरोपी दिखा था। सीसीटीवी फुटेज में, वह किसी से फोन पर बात करते हुए दिखाई दे रहा था। फिर फोन से लगातार सीएम आवास के बाहर रिकॉर्डिंग करता दिखा। एक और सीसीटीवी फुटेज में वह मुख्यमंत्री के निजी आवास स्थित ऑफिस के अंदर बैठकर वीडियो रिकॉर्ड करता हुआ दिखाई दिया।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

फिर सक्रिय होने लगा मॉनसून,22 से 25 अगस्त तक होगी भारी बारिश

लखनऊ। यूपी का मौसम 21 अगस?त 2025ः उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच मौसम फिर से बदलने जा रहा है। प्रदेश में 24 घंटे के बाद से झमाझम बारिश दस्तक दे सकती है। हालांकि राजधानी लखनऊ में बुधवार को दोपहर के समय थोड़ी तेज बारिश हुई थी, जिसके बाद से लखनऊ का मौसम बदल गया है। रात में भी ठीकठाक हवा चलने से मौसम सुहाना हो गया है। आम जनता को बड़ी राहत मिली है। वहीं मौसम विभाग की ओर से 23, 24 और 25 अगस्त को प्रदेश में भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है। लेकिन 22 अगस्त से 26 अगस्त के बीच प्रदेश में भारी बारिश का सिलसिला जारी रहेगा।

राहुल बोले- देश को मध्यकाल में धकेला जा रहा,तब राजा का मूड ही कानून था, वे नापसंद लोगों को गिरफ्तार करवा देते थे

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों या मंत्रियों को गंभीर केस में गिरफ्तारी पर पद से हटाने से जुड़े तीन बिलों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि देश को मध्ययुगीन काल में वापस धकेला जा रहा है, जब राजा किसी को भी गिरफ्तार करवा देते थे, जो उन्हें पसंद नहीं होता था। राहुल संविधान सदन (पुरानी संसद) के सेंट्रल हॉल में विपक्ष के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के सम्मान समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, 'निर्वाचित प्रतिनिधि की अब कोई अवधारणा ही नहीं बची। उन्हें आपका चेहरा पसंद नहीं तो ईडी से केस करा दिया, 30 दिन में लोकतांत्रिक तरीके से चुना व्यक्ति खत्म।' राहुल ने कहा, 'भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति (जगदीप धनखड़) आखिर छुपे हुए क्यों हैं? क्यों ऐसी नौबत आ गई कि वो बाहर आ कर एक शब्द भी नहीं बोल सकते? जो राज्यसभा में जोरदार बोलते थे, चुप हो गए। वे इस्तीफा देने के बाद गायब हो गए। इसके पीछे बड़ी कहानी है। वे छुपे क्यों हैं? सोचिए हम ऐसे दौर में हैं, जहां पूर्व उपराष्ट्रपति एक शब्द नहीं बोल सकते।' 20 अगस्त को गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार और लगातार 30 दिन हिरासत में रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने के प्रावधान वाले बिल पेश हुए। गृहमंत्री अमित शाह ने विपक्ष के भारी विरोध और हंगामे के बीच तीनों बिल लोकसभा में पेश किए। ये तीनों बिल अलग-अलग इसलिए लाए गए हैं, क्योंकि केंद्र सरकार, राज्य सरकार और केंद्र शासित राज्यों के लीडर्स के लिए अलग-अलग प्रावधान हैं। पहला बिलः 130वां संविधान संशोधन बिल 2025 है, जो केंद्र और राज्य सरकारों पर लागू होगा। दूसरा बिलः गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज (संशोधन) बिल 2025 है, जो केंद्र शासित राज्यों के लिए है। तीसरा बिलः जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) बिल 2025 है, जिसे जम्मू-कश्मीर पर लागू किया जाएगा। शाह ने बिलों को विस्तृत अध्ययन के लिए संयुक्त संसदीय समिति को भेजने का प्रस्ताव दिया, जिसे मंजूरी मिल गई। बिल पेश होने के दौरान विपक्षी सांसद नारेबाजी करते हुए वेल में आ गए। कुछ सदस्यों ने बिल की कॉपियां फाड़ दीं। कांग्रेस, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और सपा ने बिलों को न्याय विरोधी, संविधान विरोधी बताया। हंगामे के बीच मार्शलों की सुरक्षा घेरा बनाना पड़ा।

विधायक पूजा पाल की दूसरी शादी का सच,पूर्व एमएलए बृजेश वर्मा से की कोर्ट मैरिज पर बोलीं- भाई की साजिश थी

प्रयागराज। इस विषय पर पूजा पाल बतातीं हैं की '2017 में मैं विधानसभा का चुनाव हारी, तो अतीक और मेरे मायके के रिश्तेदार इस चक्कर में लग गए गए कि मैं एकदम पीछे चली जाऊं। मेरा राजनीतिक करियर खत्म हो जाए। इन लोगों ने कहा कि आप शादी कर लीजिए, हम आपके साथ हैं। शादी हो गई और मुझे इसके कुछ दिनों बाद सच्चाई का पता चला। मैं राजू पाल का मुकदमा न लड़ पाऊं, इसलिए ये सब षडयंत्र अतीक अहमद ने किया था। मेरे खुद के परिवार के लोग भी इसमें शामिल थे। सच्चाई पता चलते ही मैंने कोर्ट में शादी से अलगाव के लिए अर्जी दे दी।' 2022 के विधानसभा चुनाव में पूजा पाल कौशांबी की चायल सीट से सपा के टिकट पर चुनाव लड़ने उतरीं। उस वक्त उन्होंने नामांकन में जो हलफनामा दिया, उसमें उन्होंने खुद को शादीशुदा बताया। पति का नाम बृजेश वर्मा लिखा। पूजा ने अपना पता हरदोई

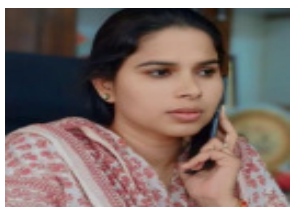

जिले के मल्लावां ब्लॉक का मेहंदी खेड़ा गांव बताया। यह पहला मौका था, जब तमाम लोगों को पता चला कि पूजा पाल ने दूसरी शादी कर ली है। मेहंदी खेड़ा गांव हरदोई जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर है।पूजा पाल ने जिन बृजेश वर्मा से शादी की थी, वह 2012 में हरदोई की बिलग्राम-मल्लावां विधानसभा सीट से बसपा के टिकट पर चुनाव जीते थे। बृजेश ने 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव में भी टिकट की दावेदारी की थी। लेकिन, टिकट नहीं मिलने की वजह से उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा था। 2018 में पूजा पाल और उनकी शादी हो गई। यह शादी कोर्ट मैरिज थी और बेहद गुपचुप तरीके से हुई थी। किसी को भी इसकी खबर नहीं लगी थी। जो करीब के लोग थे, उन्हें ही इस शादी के बारे में पता था।बृजेश वर्मा ने 2017 के चुनाव में भाजपा से टिकट की दावेदारी की थी। हालांकि, उस वक्त उन्हें टिकट नहीं दिया गया था। इसके वह भाजपा छोड़कर सपा में शामिल हो गए थे। 2022 में टिकट की उम्मीद लगाकर प्रचार में जुट गए। जब टिकट की बारी आई, तो उन्हें प्रत्याशी नहीं बनाया गया। सपा के ही एक नेता कहते हैं- उस वक्त पति-पत्नी दोनों टिकट के दावेदार थे। तय किया गया कि किसी एक को ही टिकट मिलेगा। इसके बाद पूजा पाल का टिकट पास हुआ और बृजेश वर्मा को इंतजार करने को कहा गया।

युपीपीएससी -एई एग्जाम 28-29 सितंबर को प्रस्तावितःविभिन्न विभागों में सहायक अभियंता के 609 पदों पर होनी है भर्ती

प्रयागराज। युपीपीएससी की सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेवा की मुख्य परीक्षा-2024 अगले महीने

28 और 29 सितंबर को 2 दिन प्रस्तावित है। इसके जरिए विभिन्न विभागों में सहायक अभियंता के 609 पदों पर भर्ती की जाएगी। दरअसल, आयोग के कैलेंडर में मुख्य परीक्षा 28 सितंबर को प्रस्तावित थी।लेकिन बुधवार को आयोग के उप सचिव वीरेंद्र मणि त्रिपाठी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के जरिए बताया गया कि यह परीक्षा अब 28 और 29 यानी 2 दिनों में आयोजित होगी। यह परीक्षा 2 सत्रों में होनी है। सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक व दोपहर 2.30 बजे से शाम 5 बजे तक।इस परीक्षा में इस बार कई बदलाव किए गए हैं। पहले एक लिखित परीक्षा और इंटरव्यू के जरिए अभ्यर्थियों का चयन होता था लेकिन आयोग ने पहली बार प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और इंटरव्यू के माध्यम से चयन प्रक्रिया पूरी करने की तैयारी है। 20 अप्रैल 2025 को 173 केंद्रों पर परीक्षा कराई गई थी जिसमें 31639 अभ्यर्थी शामिल हुए थे जिसमें महज 40फीसदी अभ्यर्थियों की उपस्थिति थी।

जन्म के बाद मां-बाप को देती हैं यादगार गिफ्ट,प्रयागराज की डॉ. कीर्तिका अग्रवाल

प्रयागराज। हर मां-बाप का पैरेंट बनना जीवन भर की याद

बनता हैं अपने बच्चों के बचपन की यादें हमेशा संजो कर रखना चाहते हैं। उनकी हर फोटो को अपने मोबाइल में कैद करते हैं। इसी उद्देश्य से प्रयागराज के वात्सल्य हॉस्पिटल में बच्चों के मां-बाप को गिफ्ट के तौर में अनूठा गिफ्ट दिया जा रहा है। इस अस्पताल में जन्म लेने वाले प्रत्येक नवजात का पहला पदचिह्न जन्म के तुरंत बाद लिया लिया जाता है। इस पदचिह्न की फ्रेमिंग कराके मां-बाप का दिया जाता है।इसमें बीच में बच्चे के दोनों पैरों के निशान होते हैं और दोनों किनारे पर एक चिह्न मां के हाथ को और दूसरे छोर पर पिता के एक हाथ का चिह्न भी प्रिंट कराया जाता है।प्रसव के बाद जब जच्चा और बच्चा डिस्चार्ज किए जाते हैं तो अस्पताल की डायरेक्टर डॉ. कीर्तिका अग्रवाल उन्हें यह उपहारस्वरूप भेंट करती हैं।धनूपुर के रघुनाथपुर निवासी अनुपम शुक्ला की पत्नी रितिका शुक्ला का 2 दिन पहले ही इस अस्पताल में प्रसव हुआ था। डिस्चार्ज होते समय डॉ. कीर्तिका अपनी टीम के साथ वार्ड में पहुंचीं और यह अनूठा गिफ्ट देती हैं। अनुपम कहते हैं कि यहां मेरी बेटी का जन्म हुआ है। पहली निशानी के रूप में उसका पदचिह्न हमें प्रदान किया गया। यह हमेशा के लिए यादगार रहेगा। इसी तरह प्रतिदिन यहां 5 से 6 प्रसव कराए जाते हैं। सभी बच्चों के पदचिह्न ओटी में ही लिए जाते हैं और उसकी फ्रेमिंग कराई जाती है।

प्रयागराज में 'ऐसी लागी लगन मीरा हो गई मगन..' अनूप जलोटा के सुरों में झूमा शहर

प्रयागराज। कीडगंज में श्री कृष्ण जन्माष्टमी कमेटी की ओर से कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया।

बुधवार को एक भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें भजन सम्राट अनूप जलोटा ने अपने सुरों से श्रद्धालुओं को जमकर झुमाया। साथ ही सुप्रसिद्ध भजन गायक सूर्य प्रकाश दुबे ने भी अपनी भक्ति संगीतमय प्रस्तुति दी। शुभारंभ स्वामी बटुक महाराज और महापौर गणेश केसरवानी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत में गणेश वंदना और मां दुर्गा की भक्ति वंदना प्रस्तुत की गई, जिसने संपूर्ण वातावरण को आध्यात्मिक आभा से आलोकित कर दिया। इस अवसर पर भजन सम्राट पद्मश्री अनूप जलोटा ने जब मंच संभाला तो उनकी मधुर स्वर लहरियों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। उन्होंने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत प्रसिद्ध भजन 'मैया मोरी मैं नहीं माखन खायो' से की। इसे सुनते ही मौजूद श्रद्धालु झूम उठे। उन्होंने 'ऐसी लागी लगन मीरा हो गई मगन', 'जग में सुन्दर हैं दो नाम चाहे कृष्ण कहो या राम', 'अच्युतम केशवम कृष्ण दामोदरम', 'वो काला एक बांसुरी वाला', 'श्याम पिया मोहे रंग दे चुनरिया', और 'नंद के आनंद भयो जय हो नंदलाल की' जैसे दर्जनों लोकप्रिय भजन प्रस्तुत कर वातावरण को कृष्णमय कर दिया। अनूप जलोटा ने मंच से घोषणा की कि वे भजनों के माध्यम से सनातन धर्म की सेवा का संकल्प लेकर कार्य कर रहे हैं। अब तक 500 भजन गायकों को तैयार कर चुके हैं।

डीएम के निरीक्षण में कई दिनों से नहीं आ रहे डॉक्टरों पर गिरी गाच,वेतन रोका गया

प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा ने बुधवार को बेली अस्पताल का औचक निरीक्षण किया।सबसे पहले

उपस्थिति रजिस्टर चेक किया। निरीक्षण में कई डॉक्टर अनुपस्थित मिले। यहां सर्जन डॉ. आरसी त्रिपाठी, एनेस्थेटिक डॉ. अभिषेक मिश्रा, डेंटिस्ट डॉ. मनीषा अग्रवाल, डॉ. सैनी तिवारी, डॉ. आरएस ठाकुर, डॉ. विमलेन्दु शेखर, डॉ. सुरेश सिंह, डॉ. मनीष कुमार मिश्रा अनुपस्थित पाए गए। उन्होंने अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. भावना शर्मा को निर्देशित किया किया अनुपस्थित डॉक्टरों का वेतन रोकने और एक सप्ताह में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

ख़बरे ज़रा हटके

मोटे व्यक्ति को मरने पर टैक्स क्यों देना होगा?

ब्रिटेन के डैनेस्कॉर्ट कब्रिस्तान ने मोटे लोगों पर मरने के बाद चौड़ी कब्र देने के लिए एक्स्ट्रा टैक्स लगाने का फैसला किया है। इस फैसले की कड़ी आलोचना हो रही है। लोग इसे 'फैट टैक्स' कह रहे हैं। कब्रिस्तान ने कहा- एक स्टैंडर्ड कब्र की कीमत करीब रु1.37 लाख होती है। लेकिन चौड़े ताबूतों के लिए 4 फीट की चौड़ी कब्रों की जरूरत होती है। अब इसके लिए करीब रु2.21 लाख देना होगा। काउंसिल ने कहा- मोटे लोगों की कब्र खोदने में ज्यादा मेहनत लगती है इस मामले पर काउंसिल का कहना है कि शहर में मोटापा बढ़ रहा है। इसलिए बड़े ताबूतों की मांग बढ़ी है। ऐसी कब्रें खोदने में ज्यादा समय और मेहनत लगती है। इसलिए ये शुल्क लिया जा रहा है। लेकिन आलोचकों का कहना है कि यह भेदभावपूर्ण है। यह मोटापे से पीड़ित लोगों को अपमानित करता है। सोशल मीडिया पर भी यह मुद्दा गरमा गया है। लोग इस नीति को 'शर्मनाक' बता रहे हैं।

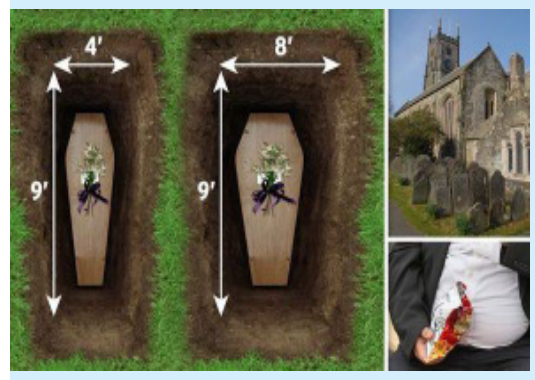

चप्पल पहनकर गाड़ी चलाया तो जुर्माना क्यों?

इस साल यूरोप के कई बड़े शहरों में टूरिस्ट पर सख्ती बढ़ गई है। यहां मामूली गलतियों के लिए भी भारी-भरकम जुर्माना लगाया जा रहा है। इसका मकसद 'ओवर-टूरिज्म' से निपटना और स्थानीय लोगों की जिंदगी को आसान बनाना है। ये हैं कुछ कड़े नियम और जुर्माने- चप्पल पहनकर गाड़ी चलाने पर रु26,000 तक का जुर्माना। समुद्र तट से दूर स्विमसूट पहनने पर रु1.30 लाख तक का जुर्माना। सार्वजनिक रूप से शराब पीने पर रु2.60 लाख तक का जुर्माना। ग्रीस में समुद्र तट से शंख या कंकड़ लेने पर रु87,000 का जुर्माना। वेनिस की नहर में तैरने पर रु30,000 का जुर्माना। टूरिज्म एक्सपर्ट के मुताबिक, बड़ी संख्या में टूरिस्ट आने से स्थानीय लोग तंग आ चुके हैं। इस नियम से लोकल लोगों को सुरक्षित रखकर और सम्मानजनक व्यवहार को बढ़ावा मिलेगा। यह जुर्माना एक कम्युनिटी पीस को बढ़ाने का सिम्बल है।

अमेरिका में खरगोश के सींग कैसे निकले?

अमेरिका में खरगोशों के चेहरे पर सींग निकल रहे हैं। लोग इसे 'ज़ोंबी वायरस' की कह रहे हैं। लेकिन अमेरिकी एक्सपर्ट्स ने अब इसकी सच्चाई बताई है। यह एक 'शोपे पैपिलोमा वायरस' है। इस वायरस की वजह से खरगोशों के चेहरे और सिर पर बड़े मस्से हो जाते हैं। ये मस्से की बार सींग जैसे हो जाते हैं। दरअसल यह वायरस जंगलों में पाए जाने वाले कीड़ों के काटने से फैलता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक यह वायरस इंसान या पालतू जानवरों के लिए खतरनाक नहीं है। लेकिन सावधानी के तौर पर लोगों को इन खरगोशों से दूर रहने की सलाह दी गई है। कुछ समय बाद यह संक्रमण खुद ब खुद खत्म हो जाएगा।

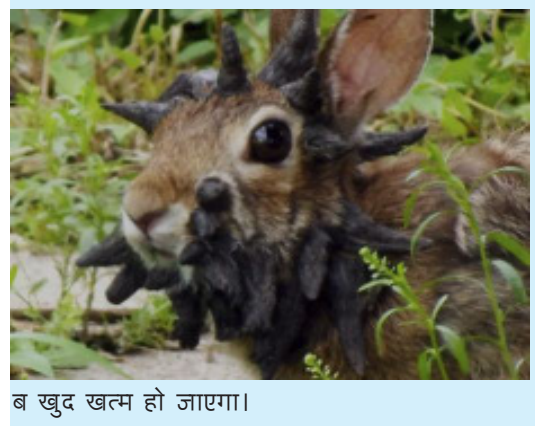

सिर्फ सोकर लाखों कैसे कमा रही महिला?

डिजिटल युग में पैसे कमाने के कई अनोखे तरीके हैं। ब्राजील की एक महिला ने एक ऐसा तरीका निकाला है। वह सिर्फ सोते हुए लाखों रुपए कमा रही है। डेबोरा पिक्सोटो नाम की 32 साल की महिला एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर है। वह रात में अपने सोने का लाइव वीडियो स्ट्रीम करती हैं। इसे उन्होंने अपना 'नाइट टाइम रियलिटी शो' नाम दिया है। लोग उन्हें सोते हुए देखने के लिए एक रात का रु9,500 तक देते हैं। हर रात करीब 40 लोग उन्हें लाइव देखते भी हैं।यह सुनने में अजीब लगता है। लेकिन डेबोरा बताती हैं कि उनके दर्शकों को इसमें शांति और अपनापन महसूस होता है। कई लोग कहते थे कि उन्हें सिर्फ उनकी मौजूदगी चाहिए। उन्हें कुछ करने की जरूरत नहीं है। डेबोरा ने अब इसे अपना फुलटाइम पेशा बना लिया।

बालों से कैसे बनेंगे टूथपेस्ट, कितना सेफ?

दांतों को मजबूत बनाने के लिए फ्लोराइड वाली टूथपेस्ट का इस्तेमाल होता है। लेकिन अब वैज्ञानिकों ने एक ऐसा पदार्थ खोजा है, जो फ्लोराइड से भी ज्यादा असरदार है। यह पदार्थ आपके सिर के बाल में पाया जाता है। किंग्स कॉलेज लंदन के रिसर्चर ने यह खोज की है। उन्होंने पाया कि 'केराटिन' नाम का एक प्रोटीन यह काम कर सकता है। केराटिन इंसान के बाल, त्वचा और नाखून में होता है। यह दांतों पर एक मजबूत परत बनाता है। यह नैचुरल इनेमल जैसा होता है।

इससे दांतों की सड़न रुकती है। यह दांतों की सेंस्टेविटी को भी ठीक कर सकता है। यह टूथपेस्ट 2-3 सालों में मार्केट में आ सकता है वैज्ञानिकों ने इस केराटिन को टूथपेस्ट या एक खास जेल में इस्तेमाल करने की योजना बनाई है। उनका अनुमान है कि यह प्रोडक्ट दो से तीन साल में बाजार में आ सकता है। इसकी खास बात यह है कि इसे बॉयो वेस्ट (जैसे बाल और ऊन) से बनाया जा सकता है। यह पर्यावरण के लिए भी अच्छा है।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा अवैध प्लाटिंग/निर्माण के विरूद्ध ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी

प्रयागराज। बीते बुधवार को

जोनल अधिकारी के नेतृत्व में जोन-04, उपजोन-4ए, क्षेत्र के अन्तर्गत अवैध प्लाटिंग/निर्माण के विरूद्ध ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी। जिनमे 1.अजय मिश्रा उर्फ पीलू मिश्रा, श्री अभिनव गिरी व अन्य द्वारा स्थल अरैल पुलिस चौकी के सामने व आस पास देवरख रोड नैनी, प्रयागराज लगभग 10 बीघा में की गयी प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। 2.संजय पाण्डेय व अन्य द्वारा स्थल अरैल पुलिस चौकी के सामने देवरख रोड नैनी, प्रयागराज लगभग 05 बीघा में की गयी प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। 3.उमाशंकर तिवारी पुत्र स्व0 राम तिवारी व अन्य द्वारा स्थल आराजी संख्या-449 देवरख नैनी, प्रयागराज लगभग 03 बीघा में की गयी प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। 4.पुनीत सिंह व अन्य द्वारा स्थल देवरख उपरहार नैनी, प्रयागराज लगभग 03 बीघा में की गयी प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। 5. श्रीमती मधुरिमा दूबे व अन्य द्वारा स्थल मुखिया नगर अरैल नैनी, प्रयागराज लगभग 03 बीघा में की गयी प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। जोनल अधिकारी ने बताया उपरोक्त व्यक्तियों के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने हेतु सम्बन्धित थाने में तहरीर दी जायेगी। उक्त कार्यवाही में जोनल अधिकारी के अतिरिक्त अवर अभियन्ता, सुपरवाईजर एवं पी0डी0ए0 प्रवर्तन टीम व थाना नैनी की उपस्थिति में कार्यवाही सम्पादित करायी गयी।

आहार नाली में फंसा नकली दांत,एंडोस्कोपी से एक घंटे में निकाला, 60 वर्षीय महिला की जान बची

प्रयागराज। जानसेनगंज की 60 वर्षीय पुष्पा देवी को भोजन

करते समय नकली दांत खाने की नली में फंस गया। इससे उन्हें सांस लेने में दिक्कत, तेज दर्द और उल्टी की शिकायत हुई। स्थानीय इलाज से राहत नहीं मिलने पर उन्हें नारायण स्वरूप हॉस्पिटल लाया गया। अस्पताल में एक्स-रे और एंडोस्कोपी से पता चला कि दांत इसोफेगस में फंसा है। यह स्थिति सांस की नली को भी प्रभावित कर सकती थी। एडवांस्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. राजीव सिंह के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने तुरंत एंडोस्कोपिक प्रक्रिया शुरू की। डॉ. आकाश शाह, डॉ. अवनीश तिवारी और शिवांशु की टीम ने एक घंटे के जटिल ऑपरेशन में मुंह के रास्ते दांत को सफलतापूर्वक निकाला। मरीज अब पूरी तरह स्वस्थ हैं। दरअसल, पुष्पा देवी के प्राकृतिक दांत टूटने के बाद उन्हें नकली दांत लगवाए गए थे। कुछ समय बाद ये दांत ढीले पड़ने लगे। भोजन के दौरान एक दांत अचानक निकलकर खाने की नली में चला गया। डॉक्टरों के अनुसार, थोड़ी देर की भी देरी जानलेवा साबित हो सकती थी। डॉ. राजीव सिंह ने बताया, मरीज को गंभीर हालत में लाया गया था। खाना खाते समय नकली दांत गलती से एसोफैगस में फंस गया, जिससे सीने में दर्द, सांस लेने में दिक्कत और खून की उल्टी होने लगी। एक्स-रे में डेंचर फंसा मिला। कंसेंट लेकर एंडोस्कोपी द्वारा करीब आधे घंटे में सफलतापूर्वक निकाला गया। मरीज अब बिल्कुल स्वस्थ है।

सिविल लाइन प्रयागराज में अतिक्रमण हटाने पर हंगामा,दुकानदारों ने जताया विरोध,सेल टैक्स कमिश्नर की गाड़ी समेत 100 वाहनों का चालान

प्रयागराज। सिविल लाइंस क्षेत्र के सुभाष चौराहे से लेकर नवाब यूसुफ रोड तक नगर निगम ने बड़े

पैमाने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस दौरान मौके पर जमकर हंगामा हुआ। इस अभियान में नगर निगम की पूरी टीम के साथ ट्रैफिक पुलिस बल भी मौजूद रहा। अभियान के दौरान 100 से अधिक वाहनों का चालान किया गया। वहीं, कई गाड़ियां नो पार्किंग जोन में खड़ी होने के कारण मौके से टोचन करके उठवा दी गईं। मौके पर सेल टैक्स कमिश्नर की गाड़ी बीच सड़क पर खड़ी मिली जिसका चालान किया गया।कार्यवाही के दौरान पूरे क्षेत्र में अफरातफरी मच गई। व्यापारियों और दुकानदारों ने नगर निगम की टीम का विरोध करते हुए हंगामा किया और बहस बाजी की। कई दुकानदारों ने आरोप लगाया कि बिना पूर्व सूचना के कार्रवाई की गई, जिससे व्यापार प्रभावित हुआ। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि पहले ही कई बार चेतावनी दी जा चुकी थी, बावजूद इसके अतिक्रमण हटाया नहीं गया। पीडीए और ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान उस वक्त चर्चा का विषय बन गया जब सेल टैक्स कमिश्नर की गाड़ी बीच सड़क पर खड़ी मिली। गाड़ी करीब एक घंटे से अधिक समय तक नो पार्किंग क्षेत्र में खड़ी रही, जिससे यातायात बाधित हुआ। ट्रैफिक पुलिस ने नियमों का पालन करते हुए कमिश्नर की गाड़ी का चालान किया। हालांकि, टोचन की कोशिश की गई लेकिन बड़ी गाड़ी की वजह से नहीं टो हो सकी।पीडीए के अनुसार, यह अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा। लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण और यातायात अव्यवस्था को देखते हुए अब सख्ती से नियमों का पालन कराया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि आगे भी कोई दुकानदार या वाहन स्वामी नियमों की अवहेलना करता पाया गया, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

यूपी बोर्ड ने बढ़ाई कक्षा 9-11 की रजिस्ट्रेशन डेट,10 सितंबर तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, 40 रुपए प्रति छात्र शुल्क

प्रयागराज। माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने शैक्षणिक सत्र

2025-26 में कक्षा 9, 10 और 11 के विद्यार्थियों के पंजीकरण के लिए नई तिथियां घोषित कर दी हैं। परिषद ने स्पष्ट किया है कि विद्यार्थियों का पंजीकरण अब पूरी तरह ऑनलाइन होगा और इसके लिए विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को समयबद्ध ढंग से सभी प्रक्रिया पूरी करनी होगी। जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कक्षा 9 से 11 के विद्यार्थियों का पंजीकरण शुल्क जमा करने और ऑनलाइन अपलोड करने की अंतिम तिथि 10 सितम्बर 2025 (मध्यरात्रि 12 बजे तक) निर्धारित की गई है। प्रत्येक छात्र-छात्रा से 40 रुपये पंजीकरण शुल्क लिया जाएगा, जिसे विद्यालय प्रधानाचार्य चालान के माध्यम से जमा कराएंगे।विद्यालयों द्वारा ऑनलाइन अपलोड किए गए विद्यार्थियों की जानकारी का मिलान करने के लिए 11 सितम्बर से 13 सितम्बर 2025 तक का समय दिया गया है। यदि अपलोड किए गए विवरणों में कोई त्रुटि मिलती है तो विद्यालय प्रधानाचार्य उसे संशोधित कर 14 सितम्बर से 20 सितम्बर 2025 (रात्रि 12 बजे तक) सुधार सकते हैं। इस अवधि के बाद किसी भी प्रकार का संशोधन स्वीकार नहीं होगा। इसके अलावा प्रधानाचार्यों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि सभी विद्यार्थियों की फोटोग्राफ और हस्ताक्षरित नामावली तैयार कर 30 सितम्बर 2025 तक जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में जमा करानी होगी। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने सभी विद्यालयों को सख्त निर्देश दिया है कि पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ की जाए। साथ ही, जिला विद्यालय निरीक्षक को आदेश दिया गया है कि वे अपने-अपने जनपद में व्यापक स्तर पर इस सूचना का प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। परिषद सचिव ने यह भी स्पष्ट किया है कि विद्यालयों को विद्यार्थियों के नामावली और शुल्क का कोषागार चालान की प्रतियां सुरक्षित रखनी होंगी। कोषागार की तीन प्रतियां जमा करानी होंगी, जिनमें से एक प्रति जिला विद्यालय निरीक्षक को, एक प्रति विद्यालय प्रधानाचार्य को और एक प्रति संबंधित विद्यालय में सुरक्षित रखी जाएगी। यूपी बोर्ड ने चेतावनी दी है कि यदि किसी विद्यालय द्वारा समय पर पंजीकरण कार्यवाही पूरी नहीं की जाती है तो उसकी जिम्मेदारी सीधे प्रधानाचार्य की होगी।

प्रदेश में गर्मी ने बढ़ाया बिजली का बोझ,डिमांड 30,251 मेगावाट, जून का 31,486 मेगावाट रिकॉर्ड कायम

लखनऊ। बारिश की कमी और तेज उमस ने बिजली की मांग को फिर से आसमान छूने पर

मजबूर कर दिया है। मंगलवार रात बिजली की मांग 30,251 मेगावाट तक पहुंच गई, जो जून में बने 31,486 मेगावाट के सर्वकालिक रिकॉर्ड के बाद दूसरा बड़ा आंकड़ा है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने बिजली कर्मियों से अपील की है कि निजीकरण के खिलाफ चल रहे आंदोलन के बावजूद उपभोक्ताओं को किसी भी तरह की परेशानी न हो।प्रदेश में 5 अगस्त को बिजली की मांग 23,000 मेगावाट थी, लेकिन इसके बाद से पूर्वांचल और मध्य यूपी में बारिश का अभाव और बढ़ती उमस ने बिजली की खपत को बढ़ा दिया। 19 अगस्त को रात 10:21 बजे मांग 30,251 मेगावाट तक पहुंची। विशेषज्ञों का अनुमान है कि सितंबर तक बिजली की मांग इसी तरह बनी रहेगी।उधर, पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण के खिलाफ विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति का आंदोलन 266वें दिन भी जारी रहा। प्रदेश भर में लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ, कानपुर, गोरखपुर, झांसी, बरेली, नोएडा, गाजियाबाद समेत तमाम शहरों में कर्मियों ने विरोध प्रदर्शन किए। समिति ने कहा कि कर्मी आंदोलन के साथ-साथ उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान भी कर रहे हैं। संघर्ष समिति ने पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन पर कर्मियों का उत्पीड़न करने का आरोप लगाया। समिति का दावा है कि जून और जुलाई का वेतन हजारों कर्मियों को काम करने के बावजूद नहीं दिया गया। समिति ने चेतावनी दी कि जब तक निजीकरण की प्रक्रिया रद्द नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा।संघर्ष समिति ने कर्मियों से कहा कि आंदोलन के दौरान बिजली आपूर्ति में कोई बाधा न आए। समिति ने दावा किया कि 266 दिन के आंदोलन में कर्मियों ने महाकुंभ और गर्मी के दौरान रिकॉर्ड बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की। समिति ने ऐलान किया कि निजीकरण के टेंडर होने पर अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार और सामूहिक 'जेल भरो' आंदोलन शुरू होगा।

दोषी सुरेश को 5 वर्ष की कठोर कैद,5 हजार रूपये अर्थदंड, न देने पर 15 दिन की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। अर्थदंड की धनराशि में से 3 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी,करीब सवा सात वर्ष पूर्व नाबालिग लड़की के अपहरण का मामला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। करीब सवा सात वर्ष पूर्व नाबालिग लड़की के अपहरण के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट अमित वीर सिंह की अदालत ने वृहस्पतिवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी सुरेश को 5 वर्ष की कठोर कैद एवं 5 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड अदा न करने पर 15 दिन की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 3 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक दुद्धी थाना क्षेत्र स्थित एक गांव निवासी पीड़िता के पिता ने 16 मई 2018 को दुद्धी थाने में दी तहरीर में आरोप लगाया था कि 12 मई 2018 को रात 9 बजे उसकी 17 वर्षीय नाबालिग बेटी शौच के लिए गई थी, लेकिन वह वापस नहीं आई। जब उसका पता लगाया तो पता चला कि दुद्धी थाना क्षेत्र के सरडिहा गांव निवासी सुरेश पुत्र भगवान दास बहला फुसलाकर उसकी नाबालिग बेटी को भगाकर ले गया है। जब सुरेश के घर जाकर पता किया तो उसकी पत्नी ने बताया कि घर पर नही है।सुरेश को कई बार घर के आसपास मंडराते हुए देखा गया है, लेकिन उसकी घटिया हरकत से वाकिफ नहीं था। आवश्यक कर्रवाई करें। इस तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दिया और पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में सुरेश के विरूद्ध चार्जशीट विवेचक ने दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, 10 गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर अपहरण के दोषी सुरेश को 5 वर्ष की कठोर कैद एवं 5 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 15 दिन की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वही अर्थदंड की धनराशि में से 3 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की ओर ले सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि, सत्यप्रकाश त्रिपाठी और नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

राना बेनी माधव सिंह की 221वीं जयंती पर शंकरपुर समिति ने आयोजित किया भाव समर्पण एवं सम्मान समारोह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। 24 अगस्त को जगतपुर खेल मैदान में होगा ऐतिहासिक आयोजन। राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह होंगे मुख्य अतिथि। पूर्व न्यायमूर्ति डी.पी. सिंह करेंगे अध्यक्षता। बैसवारे की 100 विभूतियों संग प्रख्यात हस्तियों को किया जाएगा सम्मानित। पद्मश्री सुधा सिंह अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त खिलाड़ी को मिलेगा राना स्मृति सम्मान। प्रेसवार्ता में बड़ी संख्या में पत्रकारों की रही उपस्थिति।। राना बेनी माधव सिंह स्मारक समिति शंकरपुर, (जगतपुर) के प्रथम स्वाधीनता संग्राम के अमर नायक राना बेनी माधव सिंह की 221वीं जयंती के पावन अवसर पर आगामी 24 अगस्त, को खेल का मैदान निकट स्टेट बैंक जगतपुर रायबरेली में प्रातः 11 बजे से भाव समर्पण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम के बारे में बुधवार दोपहर को सिविल लाइंस स्थित रायबरेली क्लब में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपस्थित समिति के संस्थापक हरिचंद्र बहादुर सिह ने पत्रकारों को बताया कि इस ऐतिहासिक कार्यक्रम की अध्यक्षता न्यायमूर्ति डी पीसिंह (पूर्व न्यायाधीश (उच्च न्यायालय, लखनऊ) करेंगे। समिति के अध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया कि जिले की माटी में जन्मे

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित रहेंगे। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राम अकबाल बहादुर सिह ने बताया कि विशिष्ट अतिथि के रूप में गोसाईगंज,(अयोध्या) से विधायक अभय सिंह की गरिमामई उपस्थिति रहेगी। वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशापाल सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सरेनी के पूर्व विधायक इंद्रेश विक्रम सिंह उपस्थित रहेंगे। वरिष्ठ पदाधिकारी दिलीप द्विवेदी ने बताया कि बैसवारे की 100 विभूतियों को सम्मानित किया जायेगा। समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी अरुण त्रिपाठी ने बताया कि समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में ऊंचाहार के पूर्व विधायक अजयपाल सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। संयोजक डॉ. आजेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि राना बेनी माधव सिंह स्मारक समिति शंकरपुर द्वारा राना बेनी माधव सिंह स्मृति सम्मान से पद्मश्री सुधा सिंह, अमर बहादुर सिंह स्मृति साहित्य सम्मान से प्रो शिव वरन शुक्ला पूर्व कुलपति छत्तीसगढ़ व प्रोफेसर शिवराज सिंह, प्रो। के एन आई सुल्तानपुर सम्मानित किये जायेगे। समारोह में दल बहादूर सिंह स्मृति सेवा सम्मान से वरिष्ठ अधिवक्त रवीन्द सिंह चंदेल व एडवोकेट वृजेन्द्र बहादर सम्मानित किये जायेंगे। इस अवसर पर जे पी सिंह, अजय पाल सिंह , डॉ. अमिता खुबेले, अशोक ठाकर, सुनील सिंह, अजय चन्देल, रतन, भूपेंद्र सिंह विभाग संगठन मंत्री, राकेश गुप्ता,इं. राजकुमार सिंह, प्रो प्रवेश नारायण सिंह, राजा भदोरिया, गोरख सिंह, पूर्णेन्द्र सिंह चौहान, अतेंद्र सिंह, अरविंद सिंह चौहान, श्याम सिंह, चुन्नूसिंह, छोटे सिंह, शिव कमल सिंह, पत्रकारों में रोहित मिश्रा,वीरेंद्र साहू, इंद्रेश कुमार, धीरज श्रीवास्तव, केशवानंद शुक्ला, राहुल मिश्रा, ओम द्विवेदी, मोहित मोदनवाल, अनमोल मोदनवाल,पिंकू शुक्ला, आदित्य बाजपेई, संजय सिंह, सुशील सिंह, बृजेश त्रिपाठी, अखिलेश मिश्रा, मदन सिंह परिहार, भानु प्रताप, शिवम त्रिवेदी, आलोक पांडेय,संपादक अनुज अवस्थी, शिव प्रसाद यादव,अकमल खान, मेंहताब खान, असद खान, संजय मौर्य, विवेक श्रीवास्तव, हिमांशु श्रीवास्तव, अजीत सिंह, राजपाल सिंह, नरेंद्र सिंह, नागेंद्र प्रताप सिंह, मोहन कृष्ण, सैयद हुसैन अख्तर, राकेश गुप्ता, इंद्रजीत राजपूत, संतोष पांडेय, प्रेम द्विवेदी, शिव मनोहर पांडय राजेश पांडेय, राजेश मिश्रा राजन, महेश त्रिवेदी आदि इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के पत्रकार बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पीएम विश्वकर्मा लाभार्थियों के लिए 'मार्केटिंग सहयोग पर एक दिवसीय कार्यशाला' का सफल आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार, एमएसएमई विकास एवं सुविधा कार्यालय, प्रयागराज एवं मीशो द्वारा पीएम विश्वकर्मा लाभार्थियों के लिए 'मार्केटिंग सहयोग पर एक दिवसीय कार्यशाला' का सफल आयोजन हुआ।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास कार्यालय, प्रयागराज द्वारा पीएम विश्वकर्मा लाभार्थियों के लिए मार्केटिंग सहयोग विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक

21.08.2025 को प्रयागराज में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रीति से दीप प्रज्ज्वलन द्वारा किया गया तथा अतिथियों का स्वागत शॉल व पौधे देकर किया गया । श्री एल. बी. एस. यादव, संयुक्त निदेशक, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास कार्यालय, प्रयागराज ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों तथा पीएम विश्वकर्मा लाभार्थियों का स्वागत किया तथा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना (PM Vishwakarma Yojana) के अंतर्गत पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को आर्थिक, तकनीकी और विपणन सहायता देने के लिए इस योजना के अंतर्गत 18 पारंपरिक ट्रेड/कारीगरी आदि के बारे में तथा योजना के अंतर्गत रू. 15,000/- तक टूलकिट प्रोत्साहन, कौशल प्रशिक्षण और प्रतिदिन रु. 500/- भत्ता, रू. 1 लाख का बिना गारंटी ऋण आदि के बारे में जानकारी प्रदान की । श्रीमती शिखा ग्रोवर, सहायक निदेशक, विकास आयुक्त का कार्यालय (एमएसएमई), नई दिल्ली ने बताया कि कुल 29 लाख 99 हजार पीएम विश्वकर्मा पोर्टल पर रजिस्टर्ड है, लगभग 22 लाख लोग योजना से संबंधित अलग-अलग ट्रेडों में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं, लगभग 6 लाख से अधिक लोगों को टूल किट वितरित किया जा चुका है और जिन लोगों को टूल किट प्राप्त नहीं हुए हैं उन्हें आश्वस्त किया कि जल्द ही उन्हें टूल किट वितरित किया जाएगा । श्री उदित अग्रवाल, वरिष्ठ सलाहकार, विकास आयुक्त का कार्यालय (एमएसएमई), नई दिल्ली ने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला। तकनीकी सत्र में श्री अभिषेक राणा, प्रतिनिधि मीशो ने बताया कि 16 लाख से अधिक सेलर मीशो से जुड़े हुए हैं। उनके द्वारा मार्केटिंग सहयोग एवं मीशो प्लेटफॉर्म पर सामान बेचने हेतु रजिस्ट्रेशन/ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया को पीपीटी के माध्यम से पीएम विश्वकर्मा लाभार्थियों को जानकारी प्रदान की गई तथा कार्यक्रम में लगभग 06 लोगों को ऑनबोर्ड किया गया। अंतिम चरण में प्रतिभागियों एवं अतिथियों ने समूह चर्चा एवं फीडबैक सत्र में भाग लिया गया तथा कार्यक्रम समन्वयक श्री सुशील कुमार गंगल, सहायक निदेशक ने पुनः कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों तथा लाभार्थियों का आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम का संचालन श्री संजय कुमार, सहायक निदेशक,सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम विकास कार्यालय, प्रयागराज ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री वैभव खरे,सहायक निदेशक, एमएसएमई-विकास कार्यालय, प्रयागराज ने किया।यह कार्यशाला पीएम विश्वकर्मा लाभार्थियों को विपणन सहयोग एवं ई-कॉमर्स प्लेटफार्म से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुई।कार्यक्रम में कुल 105 लोग उपस्थित थे।

पगिया रोड पर यूरिया खाद की हो रही कालाबाजारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र/करमा। स्थानीय क्षेत्र के प्राइवेट दुकानदारों द्वारा यूरिया खाद का विक्रय बड़े ही ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है ।धान में छिड़काव करने के लिए किसान यूरिया के लिए परेशान है। किसानों से जो भी मूल्य दुकानदारों द्वारा बढ़ा चढ़ा कर मांगा जा रहा है खरीदने के लिए मजबूर है। आसपास किसानों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार पगिया रोड पर स्थित एक प्राइवेट दुकानदार द्वारा यूरिया खाद का विक्रय बड़े ही ऊंचे मूल्य यानी रु400 प्रति बोरी किसानों को दिया जा रहा है।जबकि सरकार द्वारा एक बोरी यूरिया खाद का मूल्य 267रुपए निर्धारित है। किसानों ने जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए प्राइवेट दुकानदारों को इस ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं मूल्य को रोकने तथा कार्रवाई करने कि किसानों ने की अपील।

पांच बार के विधायक स्वर्गीय अखिलेश सिंह की मूर्ति का अनावरण किया गया।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। दिनांक 20.05.2025 को पांच बार रहे सदर विधायक

स्वर्गीय अखिलेश सिंह की मूर्ति की स्थापना ब्लॉक आमावा में उनकी पत्नी एवं पुत्री वर्तमान विधायक श्रीमती अदिति सिंह द्वारा कराया गया। मूर्ति के अनावरण के समय उनकी पत्नी श्रीमती वैशाली सिंह ,ब्लॉक प्रमुख अमावा एवं उनकी पुत्री सदर विधायक श्रीमती अदिति सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय जनता उमड़ पड़ी । स्वर्गीय विधायक की मूर्ति पर माल्यार्पण करने के लिए माननीय श्री राकेश सचान, मयंकेश्वर शरण सिंह, प्रतिभा शुक्ला ,मंत्री गण उत्तर प्रदेश सरकार के साथ वर्तमान विधायक अशोक कोरी,पूर्व विधायक रामलाल अकेला, पूर्व विधायक राजा राकेश प्रताप सिंह ,पूर्व विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह, प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र चौधरी ,बुद्धिलाल पासी जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के लाभान्वित व्यक्तियों को डेमो चेक, आवंटित आवासों की चाबी, एवं साइकिल का वितरण किया गया साथ ही निशुल्क आंखों की जांच एवं लगभग ढाई हजार चश्मे वितरित किए गए । मूर्ति अनावरण में सभी व्यक्तियों द्वारा स्वर्गीय अखिलेश सिंह के संबंध में उनके प्रभाव का वर्णन किया गया। अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं व्यापक स्तर पर प्रसाद वितरण का कार्य किया जिसे लाखों लोगों ने ग्रहण किया ।यहां यह उल्लेख कर देना आवश्यक है कि स्वर्गीय अखिलेश सिंह को क्षेत्रीय जनता एक मसीहा के रूप में देखती थी ।उनके द्वारा गरीबों के हित में किए गए कार्यों के कारण ही क्षेत्रीय जनता ने उन्हें लगातार 5 बार विधायक बनाया और स्वास्थ्य के चलते उन्होंने अपनी पुत्री अदिति सिंह को अपना उत्तराधिकारी बनाया और उन्हें भी दो बार भी विधायक बनवाया।पूरा कार्यक्रम देर रात्रि तक चलता रहा।

गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार से अखंड ज्योति कलश यात्रा का आगमन कल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज के मार्गदर्शन मे अखंड दीप एवं माता भगवती देवी के जन्म के 100वर्ष 1926 मे पूर्ण होने के उपलक्ष्य मे विदेश और देश के विभिन्न क्षेत्रो मे ज्योति कलश यात्रा निकल रही है। उसी क्रम मे जनपद सोनभद्र मे कल दिनांक 22 अगस्त को यात्रा का आगमन हो रहा है। यह यात्रा मिर्ज़ापुर जनपद के राजगढ़ (शाहगंज)मोड़ से घोरावल तहसील मे प्रवेश करेंगी। गायत्री परिवार के जिला समन्वयक राजकुमार तरुण ने बताया है कि ज्योति कलश यात्रा भ्रमण का उद्देश्य युग निर्माण योजना विचार क्रांति गायत्री यज्ञ संस्कार परम्परा का प्रचार प्रसार करना है! इस क्रम मे जन जन मे परम पूज्य गुरुदेव आचार्य राम शर्मा द्वारा रचित युग निर्माण योजना सतसंकल्प, युग साहित्य का वितरण और ज्योति कलश यात्रा विश्राम स्थान पर दीप यज्ञ गोष्ठी का कार्यक्रम होगा! ज्योति कलश जनपद सोनभद्र के समस्त विकास खण्डो के प्रमुख बाजार देवालय होते हुए 01सितम्बर को सुकृत(मधुपुर) से चंदौली जनपद को प्रस्थान करेंगी। बतादें कि जिले के विभिन्न प्रज्ञा मंडलों में सहित अन्य स्थानों पर गायत्री परिजनों में कार्यक्रम को लेकर उत्साह है और जोरो शोरों से तैयारी की जा रही है।

प्रो वॉलीबॉल लीगः बृहस्पतिवार को फाइनल के लिए भिड़ेंगे मुजफ़्फ़र नगर लायंस और मथुरा योद्धास

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शहीद विजय सिंह पथिक

खेल परिसर में चल रही उत्तर प्रदेश प्रो वॉलीबॉल लीग का फाइनल बृहस्पतिवार को खेला जाएगा। 7 अगस्त को शुरू हुई वॉलीबॉल लीग में उत्तर प्रदेश के आठ टीमों लखनऊ टाइगर्स,गोरखपुर जॉइंट्स,नोएडा थंडर्स,मथुरा योद्धाज,अयोध्या सुपरकिंग्स, मुरादाबाद बुल्स,काशी वॉरियर्स और मुजफ़्फ़र लायंस ने हिस्सा लिया था,अपने शानदार खेल की बदौलत मुजफ़्फ़र नगर लायंस और मथुरा योद्धास लीग मुकाबलों की अंकतालिका में भी पहले और दूसरे स्थान पर रहीं थीं ,वहीँ प्लेऑफ मुकाबलों में भी दोनों टीमों से शानदार खेल दिखाते हुए फ़ाइनल में अपनी जगह बनाई है,प्रो वॉलीबॉल लीग के संस्थापक कुलवंत बालियान ने जानकारी देते हुए बताया की बृहस्पतिवार को दोपहर 3.30 से मुजफ़्फ़र नगर लायंस और मथुरा योद्धास के बीच फाइनल मैच खेला जाएगा,जिसके बाद पहली बार हो रही उत्तर प्रदेश प्रो वॉलीबॉल लीग के पहले विजेता का फैसला होगा। कुलवंत बालियान ने बताया की विजेता टीम को 21 लाख का नक़द पुरस्कार और उपविजेता टीम को 10 लाख का नक़द पुरस्कार दिया जाएगा। उन्होंने बताया की पहली बार हो रही इस प्रो वॉलीबॉल लीग को दर्शकों का भी बेहद समर्थन मिला,हर मैच को देखने काफ़ी संख्या में दर्शक खेल परिसर में मौजूद रहे।

'कुश्ती केवल खेल नहीं, यह हिंदुस्तान की संस्कृति और संस्कारों का प्रतीक है', दनकौर के द्रोणाचार्य मंदिर प्रांगण में कुश्ती प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने फीता काटकर प्रतियोगिता की विधिवत शुरुआत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। दनकौर स्थित ऐतिहासिक

द्रोणाचार्य मंदिर प्रांगण में आयोजित कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारंभ जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने फीता काटकर किया। इस मौके पर जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि 'कुश्ती न केवल एक प्राचीन भारतीय खेल है, बल्कि यह युवाओं में शारीरिक क्षमता, मानसिक दृढ़ता, आत्म-विश्वास, धैर्य और अनुशासन भी विकसित करती है। ऐसे आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्रों में छुपी हुई प्रतिभाओं को मंच मिलता है।' जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने आगे कहा आगे कहा कि 'द्रोणाचार्य मंदिर का इतिहास स्वयं प्रेरणा का स्रोत है और यहां कुश्ती के आयोजन से यह स्थान न केवल धर्म और संस्कृति, बल्कि खेल की भावना से भी जुड़ा हुआ है।' जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने अंत में कुश्ती खिलाड़ियों और क्षेत्र के उपस्थित नौजवानों से आह्वान करते हुए कहा कि 'आप खेलों को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार आपके भविष्य को संवारने के लिए कृत संकल्पित है।' जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने मंच पर कई प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया।

एवियर कॉलेज में दो दिवसीय दीक्षारंभ समारोह सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-62 स्थित एवियर

कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय दीक्षारंभ समारोह 2025 का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्थान की शैक्षणिक संरचना, संसाधनों और विभिन्न अवसरों से परिचित कराना तथा उनके व्यक्तित्व विकास की दिशा में मार्गदर्शन देना था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर कॉलेज के डायरेक्टर जनरल एस. के. शुक्ला, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अमरेश कुमार एवं डीन डॉ. अभिषेक स्वामी ने विद्यार्थियों को संस्थान की दृष्टि, मिशन और उपलब्धियों से अवगत कराते हुए उन्हें लक्ष्य-केन्द्रित और सक्रिय रहने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर कॉलेज की प्रबंध निदेशक कनिका सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन तक सीमित नहीं, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण और अवसरों का अधिकतम उपयोग करने की प्रक्रिया है। उन्होंने छात्रों को शैक्षणिक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया। दो दिवसीय कार्यक्रम में विभागाध्यक्षों ने पाठ्यक्रम, अकादमिक कैलेंडर, मूल्य संवर्धन कार्यक्रम, औद्योगिक भ्रमण और क्लब गतिविधियों की जानकारी साझा की। साथ ही आईस-ब्रेकिंग सेशन, प्लेसमेंट एवं इंटर्नशिप गाइडेंस, पुस्तकालय और खेल गतिविधियों का परिचय तथा कॉलेज कैंपस विज़िट का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और अपने अनुभव साझा किए।

समाजवादी महिला सभा ने डीएम को सौप पत्र किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। समाजवादी महिला

सभा जिला अध्यक्ष गीता गौर ने बताया कि मुख्य चुनाव आयुक्त भारत निर्वाचन आयोग के खिलाफ कलेक्ट्रेट पर विरोध जताते हुए गुरुवार को जिलाधिकारी को सौंपा गया पत्र। वहीं जिला अध्यक्ष गीता गौर ने बताया समाजवादी पार्टी द्वारा उत्तर प्रदेश की विधान सभाओं में मतदाता सूची से पिछड़ी जातियों, यादव मुस्लिम, मौर्या प्रजापति, बघेल आदि के नाम बड़ी संख्या में काटे जाने की लिखित शिकायत की थी और समाजवादी पार्टी द्वारा शपथ पत्र सहित मतदाताओं के 18000 वोट काटे जाने की लिखित शिकायत शपथ पत्र देकर किया गया था, परन्तु उस पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है,समाजवादी पार्टी समर्थक मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से काटा जा रहा हैं जिससे मतदाता सूची की शुद्धता पर सवाल खड़े हो रहे है। ज्ञापन के माध्यम से आपसे मांग की जा रही हैं कि समाजवादी पार्टी द्वारा 18000 मतदाताओं के काटे गए नामों की शपथ पत्र सूचित की गई शिकायत को संज्ञान में लेकर दोषी अधिकारियों को तत्काल दंडित किया जाए, जिससे कि भविष्य में किसी भी वैध मतदाता का नाम अवैध ढंग से हटाया न जा सके।। इस मौके पर प्रदीप यादव सोनम सिंघानिया सुशीला लालू कुमार बनवारी भारती सहित आदि लोग मौजूद रहे।

फ़ोटो प्रदर्शनी के दौरान हुआ कवि सम्मेलन का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। नोएडा मीडिया क्लब में चल रही फोटो प्रदर्शनी का बुद्धवार को दूसरा दिन रहा, तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी को देखने के लिए काफी संख्या में शहरवासी और संभ्रांत लोग पहुंचे जिन्होंने फोटो जर्नलिस्ट द्वारा विभिन्न मुद्दों और पहलुओं पर खीचीं गयी तस्वीरों का अवलोकन किया। सभी से फोटो गैलरी में लगी तस्वीरों की सराहना की और मीडिया क्लब के इस आयोजन को सफ़ल बनाया ,गौरतलब है की मीडिया क्लब द्वारा प्रत्येक वर्ष विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है जिसमें नोएडा ,ग्रेटर नोएडा समेत दिल्ली एनसीआर के फोटो जर्नलिस्ट द्वारा अपने कैमरे में कैद की गयी तस्वीरें प्रदर्शित की जाती हैं ,वहीं फ़ोटो प्रदर्शनी के दूसरे दिन मीडिया क्लब

में कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया जिसमें कवयित्री श्रीमति शिखा दीप्ति ,कवयित्री डॉ उर्वी उदल,कवि डॉ संजय जैन और कवि मुकेश शर्मा की उपस्थिति रही जिनके द्वारा विभिन्न कविताओं का पाठ किया गया,जिन्हे सुनकर श्रोतागण बेहद भाव विभोर हो गए ,कार्यक्रम में आये सभी अतिथियों का मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ,महसचिव जेपी सिंह और सचिव जगदीश शर्मा द्वारा पुष्प गुच्छ और प्रतिक चिन्ह देकर सम्मान किया गया। कवि सम्मेलन का सफल संचालन अरुणा त्यागी द्वारा किया गया। प्रदर्शनी के दूसरे दिन भाजपा नेता रवि कांत शर्मा,सपा नेता बबलू चौहान, किसान नेता अशोक चौहान, समाजसेवी त्रिलोक शर्मा और कांग्रेस प्रवक्ता पवन शर्मा समेत गणमान्य शहरवासी मौजूद रहे।

कृषकों के बुढ़ापे की आर्थिक सुरक्षा कवच है, प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ होते है। उनके

उत्थान, सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा के लिए देश के मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कई योजनायें संचालित की है। जिनमें प्रमुख रूप से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना है, जिसके अंतर्गत किसानों को वार्षिक रु0 6000/- देते हुए किसानों को आर्थिक सम्बल प्रदान किया है। उसी तरह केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना आरम्भ किया है। जिसके अंतर्गत किसानों को 60 वर्ष के बाद रु0 3000/- मासिक, 36 हजार रूपये सालाना पेंशन दी जाती है। केन्द्र सरकार की इस योजना को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश में लागू कर किसानों को लाभान्वित कर रहे हैं। किसानों को वृद्धावस्था में किसी के सामने रूपयों के लिए हाथ न फैलाना पड़े, वे आत्मनिर्भर रहे, उनका मान-सम्मान बना रहे, सरकार ने इस पर विशेष ध्यान दिया है। प्रदेश में प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना के तहत प्रदेश के सभी किसान लाभ ले सकते हैं। जिन किसानों की आयु 18 से 40 वर्ष तक है वे किसान इस योजना के अंतर्गत पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण के बाद किसान को प्रत्येक माह प्रीमियम जमा करना होगा। 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले किसान को प्रतिमाह 55 रूपये एवं 40 वर्ष की आयु के किसान को रू0 200/- महीना प्रीमियम जमा करना होता है। इस योजना के तहत 50 प्रतिशत प्रीमियम का भुगतान किसान द्वारा एवं 50 प्रतिशत प्रीमियम का भुगतान सरकार द्वारा किया जाता है। यदि प्रदेश का कोई किसान स्वैच्छिक रूप से प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना का लाभ लेना चाहता है और वह प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभार्थी है तो उसके रजिस्ट्रेशन के लिए किसी तरह के कागजी कार्यवाही की जरूरत नहीं पड़ती, क्योंकि उसके सभी कागजाद प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में संलग्न है। प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना में रजिस्ट्रेशन कराने के लिए किसान अपने नजदीकी जनसेवा केन्द्र पर जाकर पंजीकरण करवा सकते हैं। प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना प्रदेश के लघु एवं सीमान्त कृषकों सहित सभी किसानों को सामाजिक सुरक्षा कवच उपलब्ध कराने एवं वृद्धावस्था में उनकी आजीविका के साधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वैच्छिक रूप से पुरुष व महिला दोनों के लिए 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर रू0 3000 प्रति माह दिये जाने की एक सुनिश्चित मासिक पेंशन योजना है। यह एक स्वैच्छिक एवं अंशदायी पेंशन योजना है। प्रदेश में इस योजनान्तर्गत जून 2025 तक 2.52 लाख से अधिक किसान लाभार्थियों को कार्ड उपलब्ध कराया जा चुका है। प्रदेश सरकार अधिक से अधिक कृषकों को इस योजना से लाभान्वित कराने के लिए तत्पर है।

जियो और जीने दो,, अहिंसा परमो धर्म सुनाए भजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जैन साधना भवन में

जैन परिवारों के साथ जैन पावन पर्युषण पर्व का शुभारंभ बुधवार को किया गया। वही दिल्ली से पधारे स्वाध्ययी नंदकिशोर जैन एवं सुनील जैन द्वारा जिनवाणी का महत्त्व समझाया गया,और जैन आगम,,के बारे में जैन समाज के उपस्थित महिला पुरुष एवं बच्चों को जियो और जीने दो,, अहिंसा परमो धर्म को भजनों व, जैन धर्म ग्रन्थों के प्रेरक तत्वो का उल्लेख करते हुए उसकी महत्वता को समझाया और उसका अनुसरण करने का अनुरोध किया ,जैन साधना भवन में चल रहे पर्यूषण पर्व के पहले दिन जैन समाज की महिलाएं पुरुष एवं बच्चों के बच्चों की उपस्थिति रही वही पवन कुमार जैन ने बताया कि पर्यूषण पर्व, जैन समाज का एक महत्वपूर्ण पर्व है। जैन धर्मावलंबी भाद्रपद मास में पर्यूषण पर्व मनाते हैं। ये पर्यूषण पर्व 10 दिन चलते हैं। 12 वें दिन जैन धर्म के लोगों का महत्वपूर्ण त्यौहार संवत्सरी पर्व मनाया जाता है। इस दिन यथा शक्ति उपवास रखा जाता है। पर्यूषण पर्व की समाप्ति पर संवत्सरी (क्षमायाचना) पर्व मनाया जाता है। जिसमें प्रमुख रूप से देवराज जैन,पवन कुमार जैन, धर्मराज जैन हर्ष अग्रवाल , पवन जैन,मनोज जैन,विजय जैन रोहित जैन , धर्मचन्द जैन ,काजू जैन, अनील जैन के साथ उपस्थिति रही,और जैन परिवारों द्वारा जाप और व्रत रखने के संकल्प लिया गया,यह कार्यक्रम का 28/8/ को होगा समापन।

जीएसटी के 5फीसदी और 18फीसदी स्लैब को जीओएम की मंजूरी,12फीसदी, और 28फीसदी वाले स्लैब खत्म होंगे, इससे रोजाना इस्तेमाल की चीजें सस्ती होंगी

नयी दिल्ली। जीएसटी काउंसिल के मंत्रियों के समूह ने जीएसटी के 5फीसदी और 18फीसदी के स्लैब को मंजूरी दे दी है। लग्जरी आइटम्स 40फीसदी के दायरे में आएंगे। ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स (जीओएम) के संयोजक सम्राट चौधरी ने इसकी जानकारी दी। अभी जीएसटी के 4 स्लैब 5फीसदी, 12फीसदी, 18फीसदी, और 28फीसदी होते हैं। जीओएम की बैठक पर इसके संयोजक सम्राट चौधरी ने कहा- हमने केंद्र सरकार के प्रस्ताव का समर्थन किया है, जिसमें 12फीसदी और 28फीसदी के जीएसटी स्लैब को खत्म करने की बात है। सभी ने केंद्र के प्रस्तावों पर अपने सुझाव दिए। कुछ राज्यों ने कुछ आपत्तियां भी जताईं। इसे जीएसटी काउंसिल के पास भेजा गया है जो इस पर फैसला लेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से कहा था कि इस साल दिवाली में बड़ा तोहफा मिलने वाला है। हम नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स लेकर आ रहे हैं। सामान्य लोगों के लिए टैक्स कम कर देंगे, रोजमर्रा की चीजें सस्ती हो जाएगी, लोगों को बहुत फायदा होगा।एक्सपर्ट के मुताबिक सूखे मेवे, ब्रांडेड नमकीन, टूथ पाउडर, टूथपेस्ट, साबुन, हेयर ऑयल, सामान्य एंटीबायोटिक्स, पेनकिलर दवाएं, प्रोसेस्ड फूड, स्नैक्स, फ्रोजन सब्जियां, कंडेंस्ड मिल्क, कुछ मोबाइल, कुछ कंप्यूटर, सिलाई मशीन, प्रेशर कुकर, गीजर जैसी चीजें सस्ती होंगी। इनके अलावा बिना बिजली वाले पानी के फिल्टर, इलेक्ट्रिक आयरन, वैक्यूम क्लीनर, 1000 रुपए से ज्यादा के रेडीमेड कपड़े, 500-1000 रुपए की रेंज वाले जूते, ज्यादातर वैक्सीन, एचआईवी/टीबी डायग्नोस्टिक किट, साइकिल, बर्तन पर भी कम टैक्स लगेगा। ज्योमेट्री बॉक्स, नक्शे, ग्लोब, ग्लेज्ड टाइल्स, प्री-फैब्रिकेटेड बिल्डिंग, वेंडिंग मशीन, पब्लिक ट्रांसपोर्ट वाहन, कृषि मशीनरी, सोलर वॉटर हीटर जैसे प्रोडक्ट भी 12फीसदी के टैक्स स्लैब में आते हैं। दो स्लैब की मंजूरी के बाद इन पर 5फीसदी टैक्स लगेगा। सीमेंट, ब्यूटी प्रोडक्ट, चॉकलेट, रेडी-मिक्स कंक्रीट, टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, एसी, डिशवॉशर, निजी विमान, प्रोटीन कॉन्सेंट्रेट, चीनी सिरप, कॉफी कॉन्सेंट्रेट, प्लास्टिक प्रोडक्ट, रबर टायर, एल्युमिनियम फॉयल, टेम्पर्ड ग्लास, प्रिंटर, रेजर, मैनिक्योर किट, डेंटल फ्लॉस।जीएसटी काउंसिल की बैठकें आमतौर पर हर कुछ महीनों में होती हैं। चूंकि यह प्रस्ताव बड़ा है और जीओएम ने पहले ही समर्थन दे दिया है, अगली बैठक शायद सितंबर या अक्टूबर 2025 में हो सकती है। अगर मंजूरी मिलती है, तो नई दरें 2026 की शुरुआत तक लागू हो सकती हैं।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण एवं 02 पीपीपी संस्थान में गैर चयनित अभ्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र, रायबरेली के प्रधानाचार्य विवेक तिवारी द्वारा सूचित किया गया है कि राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद उत्तर प्रदेश के पत्र संख्या 930/एससीवीटी/ईटी-004/ प्रवेश प्रक्रिया-2025/ चतुर्थ चरण निर्देश/ 1298/85 दिनांक 19.8.2025 के द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में जनपद स्थित पांच राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान एवं दो पीपीपी संस्थान में प्रवेश हेतु गैर चयनित अभ्यर्थी से आवेदन पत्र आमंत्रित है। इच्छुक अभ्यर्थी प्रवेश हेतु अपना रैंक लेटर वेबसाइट www.scvt.in से निकाल कर दिनांक 24 8.2025 सुबह 11:00 बजे तक नोडल संस्थान राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गोरा बाजार रायबरेली में जमा कर दे, रैंक के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों की सूची दिनांक 25.08.2025 को नोडल प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गोरा बाजार रायबरेली के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दी जाएगी। सभी इच्छुक अभ्यर्थी तत्काल अंतिम तिथि 25.08.2025 तक प्रत्येक दशा में अपना प्रवेश लेना सुनिश्चित करें। निर्धारित अंतिम तिथि के उपरांत किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश अनुमन्य नहीं किया जाएगा। रैंक पत्र जमा करने पर ही प्रवेश हेतु विचार किया जाएगा। अधिक जानकारी हेतु नोडल प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गोरा बाजार रायबरेली कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में संपर्क किया जा सकता है

कढ़ी-चावल भोग के साथ!भगवान श्री कृष्ण की छठी महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाई गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)नोएडा। गाजियाबाद गोविंदपुरम बाबा मार्केट अंकित डेरी विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के तत्वाधान में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया था,

अब उनकी छठी मनाई गई। इस शुभ अवसर पर संस्था के जिला अध्यक्ष पंडित अंकित शर्मा परिवार द्वारा कढ़ी चावल का विशाल भंडारे का आयोजन किया गया संस्था के पीठाधीश्वर ब्रह्मऋषि विभूति बीके शर्मा हनुमान ने बताया कि हिंदू धर्म में बच्चे के जन्म के 6 दिन बाद छठी मनाई जाती है, यही परंपरा भगवान श्रीकृष्ण के अवतरण के 6 दिन बाद निभाई जाती है। जिसे बाल गोपाल की छठी या लड्डू गोपाल की छठी के नाम से जाना जाता है। भगवान कृष्ण की छठी घर के साथ मंदिरों में भी धूमधाम से मनाई जाती है। कान्हा जी की छठी पूजन में सबसे पहले बाल गोपाल को स्नान कराया गया. तत्पश्चात वस्त्र, मोरपंख, बांसुरी, और आभूषण आदि से विशेष श्रृंगार किया. फिर इसके बाद अपने लड्डू गोपाल को चंदन, केसर, हल्दी, फल, फूल, धूप, दीप, अर्पित किया. फिर उनका नाम करण करने के लिए जिस नाम से उन्हें आप पूजते हों, वह नाम बुलाएं और पूरे साल उनकी उसी नाम से साधना करें. कढ़ी चावल, पेड़ा,माखन मिश्री का भोग लगाएं दही, बेसन सात्विक भोजन की श्रेणी में आते हैं. इसके साथ ही भगवान कृष्ण को दही, काफी प्रिय है. कहते हैं कि इस सात्विक भोजन से शीतलता मिलती है और यह पचाने में आसान होता है और पौष्टिक होता है. इसलिए छठी वाले दिन कढ़ी चावल का भोग जरुर चढ़ाया जाता है. इस पंडित राजेश शर्मा सुनील शर्मा अंकित शर्मा संचित शर्मा अंकित शर्मा चंचल शर्मा प्रशांत शर्मा शानू चौधरी अतुल गोयल मौजूद थे।

भगवान श्री कृष्ण की छठ उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। आज दिनांक 21 अगस्त

2025 को बाबा जगमोहनेश्वर धाम चंदापुर मंदिर प्रांगण में प्राण भगवान जगन्नाथ जी के दरबार में लड्डू गोपाल जी की 5252 वा छठी का पर्व बड़े धूमधाम से एवं श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया गया सर्वप्रथम राज परिवार के लड्डू गोपाल को शंख ध्वनि, ढोल नगाड़ा एवं घंटा की ध्वनिके साथ लाया गया और भगवान जगन्नाथ जी के दरबार में आचार्य पंडित श्रवण कुमार द्विवेदी आचार्य पंडित योगेश मिश्रा द्वारा पंचामृत से स्नान कराया गया इसके बाद रोली चंदन एवं पुष्प हार पहनाया गया। तदुपरांत बाबा की आरती एवं आरती कुंज बिहारी की संपन्न की गई । इस अवसर पर हजारों भक्त मंदिर प्रांगण में उपस्थित थे आरती के उपरांत कढ़ी चावल एवं उड़द की दाल का बड़ा का भोग लगाया गया और भक्तों में प्रसाद का वितरण किया गया। पूरे मंदिर परिसर की भव्य सजावट कराई गई थी इस अवसर पर हरसेंद्र सिंह, ममता सिंह, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, राजू दीक्षित, मंटू शुक्ला, आशीष सविता की उपस्थिति विशेष रूप से थी।

देश मे सूचना क्रांति और विकास की नई इबारत लिखी:उषा चौबे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। देश के पूर्व प्रधानमंत्री

भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की जयंती पर महिला कॉग्रेस कार्यकर्ताओं ने महिला कॉग्रेस जिलाध्यक्ष ऊषा चौबे की अगुवाई मे नारी स्वास्थ्य संकल्प प्रियदर्शनी उड़ान (सेनेटरी नैपकिन) वितरण का आयोजन जिला महिला कार्यालय पर किया गया, जिसमें बढ़ौली,बउवार, चुर्क, गोरारी सहित कई गाव की सैकड़ों महिलाओं को सेनेटरी वितरण किया गया.इस दौरान जिलाध्यक्ष ऊषा चौबे ने कहा की अखिल भारतीय महिला कॉग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्का लाम्बा और महिला कॉग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष के आह्वान पर महिलाओं को सेनेटरी पैड का वितरण किया जा रहा है। देश के सबसे कम उम्र मे प्रधानमंत्री के रूप मे राजीव गाँधी के कार्य काल मे इस देश मे सूचना क्रांति और विकास की नई इबारत लिखी गई। राजीव सूचना क्रांति के जरिये भारत को आधुनिकता की तरफ ले गए। आज जिस डिजिटल इंडिया की चर्चा है ,उसकी संकल्पना राजीव गाँधी अपने जमाने मे कर चुके थे। कम्प्यूटर क्रांति राजीव गाँधी का मानना था की देश की युवा पीढ़ी को आगे ले जाने उसके लिए कम्प्यूटर और विज्ञान की शिक्षा बहुत जरूरी है.वोट देने की सीमा 21 वर्ष से घटाकर 18 कर दिया। जवाहर नवोदय विद्यालय मौजूदा समय देश मे खुले 551 विद्याल यो मे 1.8 लाख से अधिक छात्र पढ़ाई कर रहे है त गाव के बच्चों को उत्कृष्ठ शिक्षा मिले इस सोच के साथ राजीव गाँधी ने जवाहर नवोदय विद्यालयो की स्थापना की। उन्होंने कहा की पंचायतीराज गाव को सशक्त बनाने और लोकतंत्र मे जन जन की भागीदारी सुनिश्चित करने लिए पंचायतो को अधिकार दिये गए। महिलाओं को 33फीसदी आरक्षण का अधिकार दिया, राजीव गाँधी मानना था की लोकतंत्र मे सबकी भागीदारी सुनिश्चित होगी तभी देश का विकास होगा। इस लिए उन्होंने महिलाओं को चुनाव मे 33फीसदी आरक्षण दिया। युवा नायक राजीव गाँधी ने भारत के सपनों को उड़ान दी, जो आज दुनिया पूरी होते देख रही है त बहुत कम समय मे राजीव गाँधी भारत माता की सेवा मे आपने प्राणों की आहुति दे दी,यह देश हमेशा उनका ऋणी रहेगा। उक्त मौके पर रमवन्ती देवी, रीता देवी, मुन्नी देवी, राजकुमारी, तेतरी देवी, संगीता देवी, चम्पा देवी, सरोज देवी, प्रभावती, सोमरी, ऊषा, विद्या, सहित तमाम महिलाये उपस्थित रही।

गौ माता की सेवा करना भगवान कृष्ण के प्रति सच्ची भक्ति है- वंदना वर्मा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। इनरव्हील क्लब आर्य

रावटसगंज के सदस्यों द्वारा बुधवार को नगर स्थित गौशाला में जन्माष्टमी के उपलक्ष में गौ माता की सेवा करते हुए गौ खाद्य सामग्री दिया गया। आर्य क्लब की अध्यक्ष वंदना वर्मा ने बताया कि इस जन्माष्टमी पर गोशाला में गायों की सेवा करना भगवान कृष्ण के प्रति सच्ची भक्ति है।' 'जन्माष्टमी पर गोशाला में गोसेवा भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव का एक पवित्र तरीका है।' 'जन्माष्टमी हमें याद दिलाती है कि गोसेवा ईश्वरीय सेवा है। वहीं सदस्य द्वारा गायों की सेवा करना स्वयं श्री कृष्ण की सेवा करने के समान है।' मौजूद आसपास के रहवासियों महिलाओं को गौ सेवा के लिए किया जागरूक इस मौके पर वर्तमान सदस्य उपाध्यक्ष रितु अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सीमा अग्रवाल, मोनाली अग्रवाल,शिल्पी केशरी,शालिनी चौरसिया,निधि गुप्ता,प्रकाश कौर आदि लोग मौजूद रहे।

थाना रायपुर पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 25000/- रूपये के इनामिया अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। थाना रायपुर पर पंजीकृत

मु0अ0सं0-65/2025 धारा- 3/5ए/ 8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशुक्रुरता अधिनियम से सम्बन्धित अभियुक्त अमीरुद्दीन अंसारी पुत्र इमामुद्दीन अंसारी निवासी ग्राम टोड़ी थाना भगवानपुर भभुआ (कैमूर) बिहार उम्र करीब 30 वर्ष लगातार फरार चल रहा था जिसकी शीघ्र गिरफ्तारी हेतु श्री अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा 25000/- रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया था । उपरोक्त अभियुक्ता की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा पुलिस टीम को विशेष निर्देश दिये गये । जिसके क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में आज दिनांक-21.08.2025 को थाना रायपुर पुलिस व थाना पन्नूगंज पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर सुअरसोत बॉर्डर के पास से वांछित/फरार 25000/- रुपये के पुरस्कार घोषित अभियुक्त अमीरुद्दीन अंसारी को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- अमीरुद्दीन अंसारी पुत्र इमामुद्दीन अंसारी निवासी ग्राम टोड़ी थाना भगवानपुर भभुआ (कैमूर) बिहार उम्र करीब 30 वर्ष। **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीमः**- 1.प्रभारी निरीक्षक दिनेश प्रकाश पाण्डेय, थाना पन्नूगंज, सोनभद्र। 2.थानाध्यक्ष रामदरश राम, थाना रायपुर जनपद सोनभद्र। 3.व0उ0नि0 सूबेदार यादव, थाना रायपुर जनपद सोनभद्र। 4.उ0नि0 उदयभान राव, थाना रायपुर जनपद सोनभद्र। 5.का0 अखिलेश कुमार, थाना रायपुर जनपद सोनभद्र। 6.का0 ओमप्रकाश यादव, थाना पन्नूगंज, सोनभद्र।

पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह जी कि चतुर्थ पुण्यतिथि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आज उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री पद्म

विभूषण परमभक्त श्रद्धेय श्री कल्याण सिंह बाबू जी कि चतुर्थ पुण्यतिथि एवं तृतीय हिन्दू गौरव दिवस के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री भूपेश चौबे,भाजपा जिला अध्यक्ष नन्द लाल गुप्ता जी ने श्रद्धेय कल्याण सिंह जी के स्मृतियों पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा किए गए शिक्षकों के लिए विशेष कार्यों के बारे में भी चर्चा किया गया मुख्य मंत्री रहते हुए कार्य सेवकों के द्वारा किए गए कार्यों का उनके शासन प्रशासन से संबंधित योगदान को याद किया गया इस अवसर पर शिक्षकों द्वारा विशेष कार्य किए गए शिक्षकों को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक जय राम सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनन्द पाण्डेय, खण्ड शिक्षा अधिकारी महेन्द्र मौर्य हिंदुस्तान समाचार के संपादक राकेश तिवारी ,वरुण कुमार त्रिपाठी, आनन्द प्रकाश,कमलेश सिंह, संदीप पांडेय,सिम्मी ,वंदना अन्य शिक्षक व शिक्षिका उपस्थित रही।

भाजपाइयों ने किया रक्तदान आम जन को दिया संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ओबरा। भारतीय जनता पार्टी

ओबरा मण्डल के मण्डल अध्यक्ष शिव नाथ जायसवाल की अध्यक्षता में और भारतीय जनता पार्टी के सौजन्य से बुधवार को क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप सिंह पटेल के अवतरण दिवस के अवसर पर राम मन्दिर के प्रांगण में ' रक्त दान शिविर ' का आयोजन किया गया। इस शिविर में भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी द्वारा जिला सोनभद्र को भेंट की गई ' रक्त संग्रह और परिवहन वैन 'की सहायता से रक्त दान शिविर का आयोजन सम्भव हो सका। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष नन्द लाल गुप्ता और विशिष्ठ अतिथि पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अमरेश पटेल ने रक्त दान शिविर का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के संयोजक अमित अग्रवाल (रिक्की) और रोहित पटेल को जिला अध्यक्ष ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। इस शिविर में ओबरा नगर के 45 लोगों ने अपना रक्त दान जैसा महा दान कर समाज कल्याण में अपना सहयोग दिया और सच्चे देश भक्त होने का परिचय दिया। जिसमें अपने मण्डल की मण्डल मंत्री सरिता सिंह ने अपने दोनों पुत्र और पुत्री के साथ रक्त दान किया। रक्त दान करने वाले सभी डोनेटरों को प्रमाण पत्र से नवाजा गया। इस अवसर पर संतोष शुक्ला,राम निवास तोमर, बृजेश पाण्डेय,उमेश सिंह पटेल, रंजना सिंह, सतीश कुमार पाण्डेय, सुनीता पाण्डेय,अरविन्द सोनी, अनुज त्रिपाठी,आशीष तिवारी,हेमलता, शिशिर शर्मा, सुनील सिंह, वेद प्रकाश मौर्या, ओ पी सिंह, नित्यानंद दूबे, संदीप सिंह, विपुल शुक्ला,पवन कुमार मिश्रा, सुशील कुशवाहा, मोहित पटेल, राज कुमार यादव, पंकज गौतम, नीलू सभासद इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

थाना ओबरा पुलिस को मिली बड़ी सफलता ,काफी दिनों से फरार चल रहे 03 नफर वारण्टियों को ओबरा पुलिस ने किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम में फरार चल रहे व

पुरस्कार घोषित अपराधियों तथा वांछित वारण्टियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आज दिनांक 21.08.2025 को काफी समय से फरार चल रहे वारण्टी/अभियुक्तगण सम्बन्धित मु0नं0-3701/23 धारा 379, 411 भादवि से सम्बन्धित अभियुक्त छोटू कुमार पुत्र रामनिवास निवासी बिल्ली तीन हटवा टोला, थाना ओबरा जनपद सोनभद्र, मु0नं0-96/2014 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्त आफताफ आलम पुत्र बेचन अली निवासी चोपन रोड बैरियर के पास थाना ओबरा जनपद सोनभद्र व मु0नं0 696/2023 धारा 307 भादवि व 3/ 25 आर्म एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्त बादल पुत्र राजेन्द्र साहनी निवासी मालवीय नगर झरियानाला थाना ओबरा जनपद सोनभद्र मा0न्यायालय में उपस्थित नही हो रहा था जिसके सम्बन्ध में माननीय न्यायालय द्वारा एनबीडब्लू निर्गत की गयी थी जिसकी कई दिनों से पुलिस द्वारा तलाश की जा रही थी कि आज दिनांक 21.08.2025 को मुखबिर की सूचना पर भिन्न-भिन्न स्थानो व भिन्न-भिन्न समय पर थाना ओबरा पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर अभियुक्तगण को मा0 न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण- 1.छोटू कुमार पुत्र रामनिवास निवासी बिल्ली तीन हटवा टोला थाना ओबरा जनपद सोनभद्र। 2.आफताफ आलम पुत्र बेचन अली निवासी चोपन रोड बैरियर के पास थाना ओबरा जनपद सोनभद्र।3.बादल पुत्र राजेन्द्र साहनी निवासी मालवीय नगर झरियानाला थाना ओबरा जनपद सोनभद्र। गिरफ्तार करने वाली टीम-1.उ0नि0 विष्णु प्रभा सिंह, चौकी प्रभारी कस्बा ओबरा,थाना ओबरा जनपद सोनभद्र। 2.उ0नि0 रामसिंह यादव, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र। 3.मु0आ0 संतोष कुमार पटेल, थाना ओबरा, जनपदो सोनभद्र। 4.का0 प्रवीण कुमार राय, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र।

थाना अनपरा पुलिस ने 01 किग्रा 500 ग्राम गांजा के साथ एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अशोक

कुमार मीणा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने हेतु व मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त गिरोह के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आज दिनांक 21.08.2025 को थाना अनपरा पुलिस ने बैंकट मोड़ रेनूसागर के पास से अभियुक्त लालबाबू पुत्र राजेंद्र गुप्ता निवासी बिना रोड परासी थाना अनपरा सोनभद्र के कब्जे से 01 किग्रा 500 ग्राम गांजा बरामद कर गिरफ्तार किया गया । इस बरामदगी एवं गिरफ्तारी के सम्बन्ध में थाना अनपरा पर मु0अ0सं0 133/25 धारा 8/ 20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। अभियुक्त का आपराधिक इतिहासः- 1. मु0अ0सं0-31/2025 धारा 8/ 20 एनडीपीएस एक्ट थाना अनपरा, सोनभद्र। 2. मु0अ0सं0-66/2022 धारा 411, 414 भादवि थाना अनपरा, सोनभद्र। 3. मु0अ0सं0-86/2023 धारा 3/ 25 आर्म्स एक्ट थाना अनपरा, सोनभद्र। 4. मु0अ0सं0- 92/ 2023 धारा 457, 380, 411 भादवि थाना अनपरा, सोनभद्र। 5. मु0अ0सं0- 93/ 2019 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना अनपरा, सोनभद्र। 6. मु0अ0सं0 102/2020 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट थाना अनपरा, सोनभद्र। 7. मु0अ0सं0-108/2024 धारा 379, 411 भादवि थाना अनपरा, सोनभद्र। 8. मु0अ0सं0- 195/2019 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट थाना अनपरा, सोनभद्र। **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम-** 1.उ0नि0 श्री राजेश कुमार सिंह, चौकी प्रभारी रेनूसागर, थाना अनपरा, सोनभद्र। 2.का0 संजय कुमार पाल चौकी रेनूसागर थाना अनपरा, सोनभद्र।3.का0 पवन कुमार सरोज चौकी रेनूसागर थाना अनपरा, सोनभद्र।

मांगों को लेकर उप माध्यमिक शिक्षक संघ ने किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ सोनभद्र की इकाई के

द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर बुधवार को केंद्रीय नेतृत्व में धरना का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश के शिक्षक अपनी 31 सूत्री मांगों जैसे पुरानी पेंशन की बहाली, वित्तविहीन विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को समान वेतन ,तदर्थ शिक्षकों की विनियमितीकरण ,निशुल्क चिकित्सा सुविधा प्रणाली, चयन बोर्ड अधिनियम की धारा 12 ,18 व 21 की व्यवस्थाओं को यथावत अधिनियमित रूप से माध्यमिक शिक्षा अधिनियम 1921 में समाहित किया जाए ,साथ ही विद्यालय व छात्र हित में उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग 2023 विधयक की धारा 11(6) को विलुप्त किया जाए इसकी अतिरिक्त विभिन्न मांगों को ज्ञापन की माध्यम से जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह के द्वारा मुख्यमंत्री नामित ज्ञापन जिला मंत्री संतोष कुमार मौर्य , जिला अध्यक्ष सुरेश चंद्र कनौजिया, कोषाध्यक्ष राकेश चंद्र शुक्ला तथा सभी शिक्षकों द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक को सौपा गया। धरना पर पूर्व जिला अध्यक्ष सुनील कुमार राव जिला क्रीड़ा सचिव एवं प्रवक्ता , यशवंत सिंह व शैलेश कुमार पाल , महिला उपाध्यक्ष डॉ मंजू सिंह, शिवमनी, रिंकी, आशुतोष कुमार सिंह, संदीप कुमार सिंह, दिनेश कुमार सिंह, विनीत कुमार, वरुण चतुर्वेदी , परमानंद सिंह यादव , अनुपम कुमार सिंह, मुन्ना लाल जायसवाल , अनिल कुमार पासवान , राजेश कुमार सिंह , सुखपाल सिंह यादव आदि शिक्षक भाइयों एवं बहनों उपस्थित रहकर धारणा को सफल बनाएं। धरना दोपहर से प्रारंभ होकर सायं तक रहा वहीं जिला विद्यालय निरीक्षक को ज्ञापन सौंपा गया। जिला विद्यालय निरीक्षक स्वयं धरना स्थल पर बैठकर शिक्षकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर धारणा को सफल अंजाम दिए। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ सोनभद्र जिला विद्यालय शिक्षको का आभार व्यक्त किया गया।

सोनभद्र का नेहरू युवा केंद्र अपने हाल पर बहा रहा है आंसु, तीनों पद पड़े हैं खाली नहीं हो रही है नियुक्ति भगवान भरोसे चल रहा आफिस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोनभद्र में नेहरू युवा केन्द्र सोनभद्र उ. प्र. रावर्टशगज

कार्यालय अपने हाल पर बहा रहा है आंसु आपको बताते चलें कि इतने बड़े ज़िले में स्थापित कार्यालय में आपको एक भी अधिकार एवं कर्मचारी उपलब्ध नहीं मिलेंगे। नेहरू युवा केन्द्र सोनभद्र में जिला युवा अधिकारी तक कि कुर्सी खाली पड़ीं है कोई अधिकारी कि नियुक्ति नहीं हुई है। आपको बात दे कि नेहरू युवा केन्द्र में कुल तीन पद होते हैं और मज़े कि बात ए है कि तीनों पद रिक्त हैं किसी कि भी यहां पोस्टीग नहीं हुई है। तीनो पद इस प्रकार है- (1) जिला युवा अधिकारी (2)लेखा कार्य एवं कार्यक्रम सहायक (3)मल्टी टास। जिसमे से एक भी पर किसी कि भी नियुक्ति नहीं हुई है तीनों कुर्सियां खाली पड़ी हुई है. इतना ही नहीं 23 से वो भी खाली पड़ी है भर्ती नहीं कि गयी जीनसे ब्लाक स्तर पर काम लिया जाता है। वर्तमान में जिला युवा अधिकारी रिक्त पद को प्रतिक साहु द्वारा सम्भाला जारहा है प्रतिक साहु वर्तमान में मिर्जापुर के वर्तमान युवा अधिकारी हैं। मिर्जापुर से महिने के दस दिन आना जाना करते हैं इनकी ही निगरानी में पुरा आफिस चंल रहा है। बडी बात तो ए है कि इस बीच में अगर आम जनता एवं लाभार्थी आते हैं तो मायूस ही लौटना पड़ेगा आप में कोई मिलेगा ही नहीं शिवा। महिला स्वीपर (चपरासी) के जो स्वीकृति पद पर नहीं है आऊट आफ सोर्स पर कार्य करतीं हैं जो आफिस कि देखभाल एवं रख रखाव का कार्य करतीं हैं

निकाली गई सोशल आडिट जन जागरुकता रैली

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र।विकास खण्ड रावर्ट्सगंज के ग्राम पंचायतों में सोशल आडिट निदेशालय उत्तर प्रदेश द्वारा दिए

गए निर्देश के क्रम में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना के अन्तर्गत वर्ष 2024-25 में हुए कार्यों व प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत लाभार्थियों को दिए गए आवास को लेकर हो रही सोशल आडिट को लेकर जन जागरुकता रैली ग्राम पंचायत महुआवं कला में निकाली गई, वही कार्यक्रम के दस्त कर रही मीनू चौबे ने बताया कि रैली के दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों द्वारा सोशल ऑडिट करना है पारदर्शिता लाना है, हर हाथ को कम दो काम का पूरा दम दो, सोशल ऑडिट वाले आए हैं नई रोशनी लाए हैं, ग्राम सभा में जाना है सोशल आडिट करना है, 100 दिन का काम मिलेगा मजदूरी नहीं तो भत्ता मिलेगा, हमारा पैसा हमारा हिसाब, जन-जन का नारा है सोशल ऑडिट करना है, जहां-जहां काम चलेगा पानी छाया दवा मिलेगा जैसे नारों के साथ लोगों को जागरूक किया गया, सोशल ऑडिट जन जागरूकता रैली के दौरान लोकपाल मनरेगा छोटक प्रसाद जिला सोशल ऑडिट कोऑर्डिनेटर राजेंद्र प्रसाद ग्राम प्रधान राम आसरे विजय शंकर मौर्या राजेन्द्र प्रसाद ब्लॉक कोऑर्डिनेटर आशुतोष कुमार बीआरपी शिव प्रसाद रामचंद्र पांडेय सोशल आडिट टीम के अरुण कुमार पांडे मुरलीधर उमेश शुक्ला नरेंद्र समेत बड़ी संख्या में महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

स्प्राउट्स खाने से हो सकता है नुकसानःये 7 बातें ध्यान रखें, डाइटीशियन से जानें किन लोगों को नहीं खाना चाहिए

नयी दिल्ली। जो लोग अपनी फिटनेस का खास ध्यान रखते हैं, उनके लिए स्प्राउट्स (अंकुरित) एक बेहतरीन सुपरफूड है। यह प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होता है, जिससे न सिर्फ शरीर को पर्याप्त एनर्जी मिलती है, बल्कि इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है। यही वजह है कि हेल्थ कॉन्शियस लोग इसे डाइट में शामिल करते हैं। हालांकि डाइट में शामिल करते समय कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। कई बार थोड़ी सी भी लापरवाही सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकती है। स्प्राउट्स हमारी सेहत के लिए कब नुकसानदायक हो सकते हैं? किन लोगों को स्प्राउटस खाने से परहेज करना चाहिए?

एक्सपर्ट- अनु अग्रवाल, डाइटीशियन और 'वनडाइटटुडे' की फाउंडर बताएंगी सवाल जवाब के माध्यम से- पहला सवाल- स्प्राउट्स क्या है? जवाब- स्प्राउट्स वे बीज होते हैं, जो कुछ घंटों या दिनों तक पानी में भिगोने और उचित नमी और तापमान में रखने के बाद अंकुरित होने लगते हैं। ये पोषण से भरपूर होते हैं और इन्हें सलाद, सैंडविच, सब्जियों, या अन्य खाने की चीजों में इस्तेमाल किया जाता है। सवाल- कौन-कौन से बीज और दालें स्प्राउट किए जा सकते हैं? जवाब- मूंग दाल, मसूर दाल, चना (काला और सफेद), मेथी दाना, गेहूं, रागी, सोयाबीन, राजमा, मटर या लोबिया के बीज और सूरजमुखी के बीज स्प्राउट किए जा सकते हैं। ये सभी पोषण से भरपूर होते हैं और पाचन के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। सवाल- कच्चे स्प्राउट्स को खाने से क्या जोखिम हो सकता है? जवाब- डाइटीशियन अनु अग्रवाल बताती हैं कि अगर स्प्राउट्स को अच्छी तरह से धोया या सही तरीके से स्टोर नहीं किया जाए तो उनमें बैक्टीरिया संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। स्प्राउट्स के अंकुरण के लिए गर्म और नम वातावरण चाहिए होता है, जो साल्मोनेला, ई. कोलाई और लिस्टीरिया जैसे हानिकारक बैक्टीरिया के पनपने के लिए आदर्श स्थिति बनाता है। सवाल- स्प्राउट्स हमारी सेहत के लिए नुकसानदायक कैसे हो सकते हैं? जवाब- डाइटीशियन अनु अग्रवाल बताती हैं कि स्प्राउट्स पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं, लेकिन इन्हें खाने से पहले सही तरीके से स्टोर और साफ करना जरूरी है। स्प्राउट्स गर्म और नम वातावरण में उगते हैं, जहां साल्मोनेला और ई. कोलाई जैसे हानिकारक बैक्टीरिया आसानी से पनप सकते हैं। अगर इन्हें अच्छी तरह न धोया जाए या गलत तरीके से स्टोर किया जाए तो यह फूड पॉइजनिंग, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इन्फेक्शन और अन्य पाचन संबंधी समस्याओं का कारण बन सकते हैं। सवाल- स्प्राउट्स खाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- स्प्राउट्स का सेवन हेल्दी है, लेकिन इन्हें सुरक्षित बनाने के लिए कुछ जरूरी सावधानियां बरतनी चाहिए। सही तरीके से धोना, पकाना और स्टोर करना साल्मोनेला या ई. कोलाई जैसे बैक्टीरिया से बचा सकता है।सवाल- स्प्राउट्स खाने का सबसे सही समय कौन सा है? जवाब- डाइटीशियन अनु अग्रवाल के अनुसार, स्प्राउट्स खाने का सबसे अच्छा समय सुबह नाश्ते में या दोपहर के खाने से पहले है। इस समय शरीर इन्हें आसानी से पचा लेता है और इनके पोषक तत्वों का बेहतर उपयोग कर पाता है। वहीं रात में कच्चे स्प्राउट्स खाने से बचना चाहिए क्योंकि इनमें मौजूद अधिक फाइबर और एंजाइम धीमे पाचन के दौरान गैस, पेट फूलना या अपच जैसी समस्याएं पैदा कर सकते हैं। सवाल- क्या स्प्राउट्स वजन घटाने में मददगार हैं? जवाब- हां, स्प्राउट्स वजन घटाने में मददगार हो सकते हैं। इनमें कैलोरी कम और फाइबर अधिक होता है, जो लंबे समय तक पेट भरा महसूस कराता है और ओवरईटिंग से बचाता है। साथ ही इनमें मौजूद प्रोटीन मसल्स बनाने और फैट बर्न करने में सहायक होता है। हालांकि बेहतर परिणाम के लिए इन्हें संतुलित मात्रा में और संतुलित डाइट के साथ ही शामिल करना चाहिए।सवाल- क्या स्प्राउट्स को पकाकर खाने से उनके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं? जवाब- हां, स्प्राउट्स को ज्यादा पकाने पर विटामिन सी और बी जैसे कुछ हीट-सेंसिटिव पोषक तत्व कम हो सकते हैं। हालांकि हल्का स्टीम करना या थोड़ा उबालना बेहतर विकल्प है। इससे बैक्टीरिया का खतरा घटता है और अधिकांश पोषक तत्व भी सुरक्षित रहते हैं। सवाल- क्या पैकेज्ड या मार्केट से खरीदे स्प्राउट्स सुरक्षित होते हैं? जवाब- जरूरी नहीं कि पैकेज्ड या बाजार से खरीदे गए स्प्राउट्स हमेशा सुरक्षित हों। अगर उनकी स्टोरेज या हैंडलिंग सही तरीके से न हुई हो तो उनमें बैक्टीरिया संक्रमण का खतरा बना रहता है। इसलिए खरीदते समय एक्सपायरी डेट जांचें, पैकिंग में बदबू, नमी या फफूंदी के लक्षण न हों और घर लाने के बाद इन्हें अच्छी तरह धोकर ही इस्तेमाल करें। सवाल- स्प्राउट्स को खराब होने से कैसे बचाएं? जवाब- स्प्राउट्स को खराब होने से बचाने के लिए उन्हें हमेशा एयरटाइट कंटेनर में रखकर फ्रिज में स्टोर करें और 2-3 दिन के भीतर इस्तेमाल कर लें। नमी और गर्मी में ये जल्दी खराब हो सकते हैं। हल्का उबालने या स्टीम करने से इनकी शेल्फ लाइफ थोड़ी बढ़ सकती है। अगर इनमें बदबू, चिपचिपापन या रंग बदलने के संकेत दिखें तो इन्हें तुरंत फेंक दें। सवाल- बच्चों को स्प्राउट्स कब और कैसे देने चाहिए? जवाब- छोटे बच्चों (1-5 वर्ष) को कच्चे स्प्राउट्स देने से बचना चाहिए, क्योंकि उनका पाचन और इम्यून सिस्टम पूरी तरह विकसित नहीं होता है। 6 वर्ष से ऊपर के बच्चों को स्प्राउट्स धीरे-धीरे और डॉक्टर या डाइटीशियन की सलाह से शुरू कर सकते हैं।

क्या पाकिस्तान से खेलना भारत की मजबूरी, बीसीसीआई ने बताए न खेलने के 4 नुकसान, एशिया कप में 3 भारत-पाक मुकाबले संभव

नयी दिल्ली। पाकिस्तान से आए आतंकियों ने भारत पर बड़ा हमला किया था। इस घटना के कुछ ही महीनों बाद भारत को पाकिस्तान से क्रिकेट सीरीज खेलनी थी। विपक्षी दलों ने सरकार को घेरना शुरू किया।

वे पूछते - जो पाकिस्तान हमारा खून बहा रहा है उसके साथ हम क्रिकेट क्यों खेलना चाहते हैं? इसके बाद प्रधानमंत्री कार्यालय से खेल मंत्रालय को निर्देश आता है कि वे बीसीसीआई को कह दें कि भारतीय टीम पाकिस्तान के साथ मैच नहीं खेलेगी। यह वाकया 2008 का है। पाकिस्तान से आए आतंकियों ने 26 नवंबर को मुंबई में बड़ा हमला किया था। इसके बाद दिसंबर में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने पाकिस्तान के साथ किसी भी द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज पर रोक लगा दी थी। अब सीधा 2025 में लौटते हैं। पाकिस्तान अब भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया है। पिछले 22 अप्रैल को वहां से आए आतंकियों ने कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोषों की धर्म पूछकर हत्या कर दी। इसके बाद मांग उठने लगी है कि भारत को अब न सिर्फ द्विपक्षीय सीरीज बल्कि एशिया कप और वर्ल्ड कप जैसे मल्टी नेशनल इवेंट में भी पाकिस्तान का बायकॉट करना चाहिए। 9 सितंबर से यूएई में एशिया कप होना है। भारतीय टीम घोषित हो गई है और इस टूर्नामेंट में तीन भारत-पाकिस्तान मैच संभव हैं। पाकिस्तान से खेलने या न खेलने पर सरकार की ओर से अब तक कोई बयान नहीं आया है। हालांकि, बीसीसीआई नहीं चाहता कि भारत एशिया कप में पाकिस्तान का बायकॉट करे। इस मुद्दे पर बीसीसीआई के दो शीर्ष अधिकारियों से इसकी वजह पूछी। दोनों ने नाम सार्वजनिक न करने की शर्त पर 4 ऐसे कारण बताए जिनकी वजह से बीसीसीआई अब भी चाहता है कि एशिया कप हो और इसमें भारत-पाकिस्तान मुकाबले भी खेले जाएं..1. पहला कारणः पाकिस्तान को फ्री पॉइंट्स क्यों दिए जाएं- बीसीसीआई अधिकारियों का कहना है कि भारतीय टीम टूर्नामेंट खेलते हुए सिर्फ पाकिस्तान का बायकॉट कर सकती है, लेकिन ऐसा करने से पाकिस्तान को फ्री के पॉइंट्स मिलेंगे। पाकिस्तान इन पॉइंट्स की बदौलत फाइनल में भी जा सकता है और चैंपियन भी बन सकता है। हमें पाकिस्तान को फ्री पॉइंट्स क्यों देना चाहिए। 2. दूसरा कारणः एशियन ब्लॉक में भारत का दबदबा कमजोर हो सकता है- एशियन क्रिकेट काउंसिल में अब तक भारत का दबदबा रहा है। अगर भारतीय टीम पाकिस्तान का बायकॉट करती है तो टूर्नामेंट फ्लॉप होगा। इससे टूर्नामेंट की कमाई पर भी असर पड़ेगा। ऐसा होने से एसीसी में भारत का रुतबा कमजोर हो सकता है और पाकिस्तान बाकी देशों को भारत के खिलाफ करने की मुहिम चला सकता है। 3. तीसरा कारणः आईसीसी की राजनीति में भी बीसीसीआई कमजोर पड़ सकता है एशियन ब्लॉक की एकजुटता की बदौलत बीसीसीआई इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की राजनीति में भी मजबूत स्थिति में है। किसी मुद्दे पर अगर वोटिंग की जरूरत पड़ती है तो सभी एशियाई देश ज्यादातर मुद्दों पर बीसीसीआई का साथ देते हैं। इनमें पाकिस्तान भी शामिल है। जय शाह को आईसीसी चेयरमैन बनाने के मामले में भी पाकिस्तानी बोर्ड ने बीसीसीआई का साथ दिया था। इससे पहले बड़े आईसीसी टूर्नामेंट की होस्टिंग के लिए भारत और पाकिस्तान एक खेमे में रहते हुए वोट डालते आए हैं। अगर भारतीय टीम पाकिस्तान का बायकॉट करती है तो एशियन ब्लॉक की एकजुटता कम होगी और आईसीसी की राजनीति में भी बीसीसीआई की पोजिशन कुछ कमजोर हो सकती है। 4. चौथा कारणः ब्रॉडकास्टर की नाराजगी नहीं झेलना चाहते- बीसीसीआई अधिकारी ने बताया कि 2024 में ही अगले चार एशिया कप के ब्रॉडकास्ट राइट्स 170 मिलियन डॉलर (करीब 1500 करोड़ रुपए) में बेचे जा चुके हैं। एशिया कप के राइट्स को इतनी कीमत सिर्फ भारत-पाकिस्तान मुकाबलों की वजह से मिली है। भारत-पाकिस्तान मैच के विज्ञापन स्लॉट हर 10 सेकेंड के लिए 25 से 30 लाख रुपए में बिकते हैं। वहीं, भारत के अन्य मुकाबलों के लिए यह रकम आधी से कम हो जाती है। अगर भारतीय टीम पाकिस्तान से नहीं खेलती है तो ब्रॉडकास्टर ये स्लॉट अच्छी कीमत पर नहीं बेच पाएंगे और ब्रॉडकास्टर्स को भारी नुकसान होगा। ऐसे में आगे चल कर ब्रॉडकास्टर्स नजर में बीसीसीआई की विश्वसनीयता कम होगी। तो क्या एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच होना पक्का है- नहीं। बीसीसीआई भले ही चाहता हो कि भारत-पाकिस्तान मैच हो, लेकिन इस मुद्दे पर आखिरी फैसला सरकार को लेना है। बोर्ड अधिकारियों ने कहा कि अगर सरकार हमें निर्देश देती है कि पाकिस्तान से नहीं खेलना है तो फिर हम कुछ नहीं कर सकते। फिर हमें पाकिस्तान का बायकॉट करना ही होगा। हालांकि, सरकार ने अब तक किसी मल्टी नेशनल टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से बीसीसीआई को नहीं रोका है।मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि अभी तक सरकार की ओर से कोई निर्देश नहीं आया है। एशिया कप सितंबर में होना है। उस समय तक बिहार चुनाव का प्रचार तेज हो जाएगा और सरकार पर दबाव बढ़ेगा कि वह भारत-पाकिस्तान मैच न होने दे। मुमकिन है कि भारतीय टीम एशिया कप खेलने जाए और ऐन मौके पर पाकिस्तान का बायकॉट कर दे। हालांकि, अभी इस पर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

अंकुरित आलू में टॉक्सिक कंपाउंड,खाने से हो सकती हैं 6 हेल्थ प्रॉब्लम्स, जानें आलू को स्टोर करने का सही तरीका

नयी दिल्ली। यूनाइटेड नेशन फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक, आलू दुनियाभर में सबसे ज्यादा खाई जाने वाली सब्जियों में से एक है। ये कई सारे जरूरी पोषक तत्वों

से भरपूर होता है। लेकिन अगर आलू अंकुरित हो जाते हैं तो इसे खाने से कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। अंकुरित आलू वे होते हैं, जिनमें अंकुर यानी 'आंखें' उगने लगती हैं। ये अक्सर तब होता है, जब उन्हें लंबे समय तक स्टोर किया जाता है। अक्सर वे क्लोरोफिल के कारण हरे रंग के हो जाते हैं, जो प्रकाश के संपर्क में आने पर बनता है। नेशनल कैपिटल पॉइजन सेंटर मुताबिक, अंकुरित आलू सेहत के लिए सही नहीं होते हैं। इसमें सोलेनाइन और चाकोनाइन जैसे कुछ टॉक्सिक तत्?व होते हैं। इसकी टॉक्सिसिटी से कई हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। जानेंगे कि- सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्टः डॉ. पूनम तिवारी, सीनियर डाइटीशियन, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ जी से साथ ही साथ क्या अंकुरित आलू खाने से किस तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं? आलू को स्टोर करने का सही तरीका क्या है? सवाल- किन वजहों से आलू जल्दी अंकुरित होते हैं? जवाब- आलू जमीन के नीचे उगने वाली सब्जी है, जिसमें नमी और स्टार्च की मात्रा ज्यादा होती है। यही कारण है कि यह जल्दी अंकुरित हो जाता है। गर्म और नमी वाली जगह पर रखे आलू तेजी से अंकुरित होने लगते हैं। इसी तरह जब आलू पर रोशनी पड़ती है तो उनमें क्लोरोफिल बनने लगता है और अंकुर निकल आते हैं। अगर आलू को ऐसी जगह रखा जाए, जहां हवा न मिले तो वे जल्दी पसीज जाते हैं और अंकुरण शुरू हो जाता है। लंबे समय तक रखने पर आलू अपनी नेचुरल प्रोसिजर से भी अंकुरित होने लगते हैं। इसके अलावा प्याज-लहसुन जैसी सब्जियां इथिलीन गैस छोड़ती हैं, जो आलू के अंकुरण को तेज करती हैं। कुल मिलाकर यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। ये अंकुर वास्तव में नए आलू के पौधे होते हैं। सवाल- क्या अंकुरित आलू में न्यूट्रिशन की कमी हो जाती है? जवाब- जब आलू अंकुरित होने शुरू होते हैं तो यह नए अंकुरों के ग्रोथ के लिए अपने न्यूट्रिएंट्स का इस्तेमाल करते हैं। इससे आलू की न्यूट्रिशनल वैल्यू में कमी आ सकती है। आलू विटामिन सी का एक अच्छा स्रोत है, लेकिन अंकुरित होने पर इसकी मात्रा कम हो जाती है। अंकुरण की प्रक्रिया में आलू में मौजूद स्टार्च शुगर में परिवर्तित हो जाता है, जिससे उसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स बढ़ जाता है। इसके अलावा अंकुरित आलू में अन्य विटामिन और मिनरल्स जैसे पोटेशियम, विटामिन बी, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स की मात्रा भी कम हो जाती है। सवाल- अंकुरित आलू खाने से कौन सी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं? जवाब- अंकुरित आलू में सोलेनाइन और चाकोनाइन नामक टॉक्सिक ग्लाइकोएल्कलॉइड होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। इसकी ज्यादा मात्रा से मतली, उल्टी, दस्त और पेट

में ऐंठन हो सकती है। इसलिए अंकुरित आलू खाने से बचना चाहिए। अंकुरित आलू खाने से फूड पॉइजनिंग का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा कुछ और भी समस्याएं हो सकती हैं।सवाल- अंकुरित आलू खाना किन लोगों के लिए ज्यादा नुकसानदायक हो सकता है? जवाब- सीनियर डाइटीशियन डॉ. पूनम तिवारी बताती हैं कि ताजे आलू की तुलना में अंकुरित आलू ब्लड शुगर लेवल को तेजी से बढ़ा देता है। यही कारण है कि डायबिटिक मरीजों को इसे बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए। इसके अलावा कुछ और लोगों के लिए भी अंकुरित आलू स्वास्थ्य के लिहाज से खतरनाक साबित हो सकते हैं। जैसेकि- गर्भवती महिलाएं, छोटे बच्चे और बुजुर्ग। पाचन संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोग। न्यूरोलॉजिकल प्रॉब्लम वाले मरीज। कमजोर इम्यूनिटी वाले व्यक्ति। एलर्जी से पीड़ित लोग। इन सभी लोगों में अंकुरित आलू से होने वाले सोलनाइन टॉक्सिसिटी का खतरा ज्यादा होता है, जो पेट दर्द, उल्टी, सिरदर्द और चक्कर जैसी गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है। सवाल- आलू को कैसे स्टोर करें कि वह जल्दी अंकुरित न हो? जवाब- आलू को अंकुरित होने से बचाने के लिए उसे ठंडी, अंधेरी और हवादार जगह पर 45-50° (7-10°f) के बीच स्टोर करें। इन्हें कभी भी फ्रिज में स्टोर न करें क्योंकि ठंडक स्टार्च को शुगर में बदल देती है और आलू का स्वाद मीठा हो जाता है। आलू को प्याज या नमी वाली सब्जियों के पास न रखें। इन्हें जालीदार थैले या पेपर बैग में रखें ताकि हवा आती-जाती रहे। आलू को ज्यादा समय तक न रखें, समय-समय पर खराब या अंकुरित आलू को अलग करते रहें। इसके अलावा कुछ और बातों का ख्याल रखें।सवाल- अंकुरित आलू को फेंकने की बजाय और किस काम में लाया जा सकता है? जवाब- खाने या फेंकने की बजाय अंकुरित आलू का उपयोग कई अन्य कामों में किया जा सकता है। जैसेकि- अंकुरित आलू को छोटे टुकड़ों में काटकर कंपोस्ट बिन में डाल दें। सड़ने के बाद यह मिट्टी में पोषक तत्व बढ़ाकर पौधों की ग्रोथ के लिए फायदेमंद साबित होंगे। अंकुरित आलू को पीसकर उसका रस पौधों पर छिड़कें। यह एक नेचुरल पेस्टिसाइड की तरह काम करता है और छोटे कीड़ों को दूर रखने में मदद करता है। आलू का रस स्किन पर लगाने से टैनिंग और डार्क स्पॉट्स कम करने में मदद मिलती है। हालांकि इसे लगाने से पहले पैच टेस्ट करना जरूरी है। अंकुरित आलू को गमले या खेत की मिट्टी में लगा सकते हैं। इससे नए आलू के पौधे उग जाते हैं।

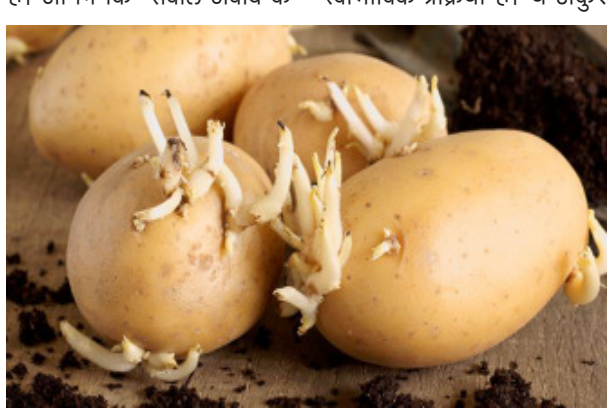

बीसीसीआई ने चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर का कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाया,जून 2026 तक बने रहेंगे, 2023 में पद संभाला था

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर का कॉन्ट्रैक्ट बढ़ा दिया है। रिपोर्ट के

मुताबिक, वे जून 2026 तक इस पद पर बने रहेंगे। हालांकि बीसीसीआई की ओर से अब तक इस मामले पर कोई बयान नहीं आया है। पूर्व तेज गेंदबाज अगरकर को जुलाई 2023 में टीम इंडिया की सिलेक्शन कमेटी का चेयरमैन बनाया गया था। अगरकर के कार्यकाल में टीम इंडिया 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप और इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। इसके अलावा, टीम इंडिया 2023 के वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भी पहुंची थी। जहां उसे ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार मिली थी। रिपोर्ट के मुताबिक, अगरकर का कॉन्ट्रैक्ट इंडियन प्रीमियर लीग 2025 से पहले रिन्यू किया गया था। एक बीसीसीआई अधिकारी ने बताया, उनके कार्यकाल में भारतीय टीम ने खिताब जीते और बदलाव (टेस्ट और टी-20 में) भी देखा।

बीसीसीआई ने उनका कॉन्ट्रैक्ट जून 2026 तक बढ़ा दिया था और उन्होंने कुछ महीने पहले इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया था। अगरकर करियर में 349 इंटरनेशनल विकेट ले चुके हैं। उन्होंने टेस्ट में 58, वनडे में 288 और टी-20 इंटरनेशनल में 3 विकेट लिए हैं।टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे : अजित अगरकर 2007 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम इंडिया का हिस्सा रहे। उन्होंने टूर्नामेंट के 2 मैचों में 15 रन बनाने के साथ एक विकेट भी लिया था। साउथ अफ्रीका में हुए टूर्नामेंट के फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता था।

वनडे में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले भारतीय : अजित अगरकर वनडे में सबसे तेज हाफ सेंचुरी जमाने वाले भारतीय बैटर हैं। उन्होंने साल 2000 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 21 बॉल पर अर्धशतक जमाया था।

सबसे तेज 50 विकेट लिए : अगरकर ने भारत के लिए वनडे में सबसे तेज 50 विकेट पूरे किए हैं। उन्होंने 23 मुकाबलों में यह कारनामा किया था। एस शरत को हटाया जा सकता है फिलहाल, सिलेक्शन कमेटी में अगरकर, एसएस दास, सुब्रतो बनर्जी, अजय रात्रा और एस शरत शामिल हैं।

लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि सितंबर में होने वाली एनुअल जरनल बॉडी मीटिंग के बाद सीनियर सिलेक्शन कमेटी में कुछ बदलाव देखने को मिलेंगे। शरत सितंबर 2021 में जूनियर सिलेक्शन कमेटी के अध्यक्ष थे और जनवरी 2023 में सीनियर सिलेक्शन कमेटी में प्रमोट हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, बोर्ड उनकी जगह किसी नए चेहरे को नियुक्त कर सकता है।

एथलेटिक्स के बाद महिला मुक्केबाजों के लिए जेंडर टेस्ट अनिवार्य

नयी दिल्ली। महिला मुक्केबाजों को भी जेंडर टेस्ट कराना होगा। यह टेस्ट 4 से 14 सितंबर के बीच

इंग्लैंड में होने जा रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप से लागू होगा। वर्ल्ड बॉक्सिंग ने गुरुवार को इसका ऐलान किया। इसके अनुसार- 'यह परीक्षण पॉलिमरेज चेन रिएक्शन टेस्ट या इसके समकक्ष जेनेटिक स्क्रीनिंग टेस्ट के जरिए होगा, जो जन्म के समय के लिंग को निर्धारित करने के लिए वाई क्रोमोसोम की मौजूदगी या अनुपस्थिति की जांच करेगा। वर्ल्ड बॉक्सिंग के अध्यक्ष बोरिस वैन डेर वोर्स्ट ने कहा- 'हम सभी व्यक्तियों की गरिमा का सम्मान करते हैं और चाहते हैं कि हमारा खेल यथासंभव समावेशी हो। लेकिन, मुक्केबाजी जैसे खेल में हमारा दायित्व है कि हम खिलाड़ियों की सुरक्षा और प्रतिस्पर्धा में निष्पक्षता बनाए रखें।'21 दिन पहले इसे एथलेटिक्स में लाया गया था। 30 जुलाई को वर्ल्ड एथलेटिक्स काउंसिल ने कहा था- 'जो खिलाड़ी इस टेस्ट से नहीं गुजरेगी, वह वर्ल्ड रैंकिंग प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले सकेगी।' एथलेटिक्स में नियम 1 सितंबर 2025 से लागू होगा। 13 सितंबर से टोक्यो में होने जा रही वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिला एथलीट्स इस टेस्ट को पास किए बिना भाग नहीं ले सकेंगी।पहला- अल्जीरिया की इमान खलीफ ने जून 2025 में नीदरलैंड में होने वाले वर्ल्ड बॉक्सिंग टूर्नामेंट में भाग लेने से इनकार कर दिया था, जब वर्ल्ड एथलेटिक्स ने पहली बार लिंग परीक्षण की योजना की घोषणा की थी। दूसरा- पेरिस ओलिंपिक 2024 में ताइवान की लिन यू टिंग (66 किग्रा) ने गोल्ड मेडल जीता था। जेंडर टेस्ट में फेल होने के बाद उन्हें इंटरनेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन ने 2023 में बैन कर दिया था।इन दोनों मुक्केबाजों को भारत में 2023 में आयोजित वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में फाइनल मैच खेलने से रोक दिया गया था।एक साल पहले पेरिस ओलिंपिक के दौरान बॉक्सिंग में भी जेंडर विवाद हुआ था। तब अल्जीरिया की मुक्केबाज इमान खलीफ पर पुरुष होने के आरोप लगे थे। उनकी प्रतिद्वंद्वी ने यह कहकर मुकाबला छोड़ दिया था कि मुझे पुरुषों से भिड़ा दिया गया है।

कोडिंग' की दाल में 'केयरिंग' का तड़का नौकरी की सही रेसिपी है

वह पोस्ट ग्रेजुएट है। उसने कई इंटर्नशिप भी की। फिर एक राजनेता के ऑफिस में काम किया, जहां वो उनके मतदाताओं से मिलती। वो स्मार्ट है। संचार में और वहां आने वाले लोगों को संभालने में कुशल है। चूंकि वो आम महिला-पुरुषों को अधिकारीगण आदि से मिलाने में मदद करती थीं, जिनके निर्णयों से जनता को लाभ होता है। ऐसे में उसने किसी व्यक्ति की समस्या को समाधान प्रदाता से मिलाने की कुशलता विकसित कर ली। लेकिन उसकी एक ही समस्या थी।

राजनेताओं के कामकाज का कोई समय नहीं होता। रोजाना लंबे समय तक काम करने से उसके बच्चे पर असर पड़ रहा था। इसीलिए उसने नौकरी बदलने का निर्णय किया। पिछली जनवरी में उसने एक बड़े अस्पताल में काम करने वाले मेरे एक परिचित से संपर्क किया, ताकि वह वहां नौकरी के लिए उनकी सिफारिश कर सके। और उसे नौकरी मिल गई।जाहिर तौर पर वह इसलिए चुनी गई, क्योंकि उसमें शिकायत करने वाले मरीजों को संभालने की क्षमता थी और जॉइन करने के पहले दिन से ही वह उन्हें शांत रखने लग गईं। 6 महीने का प्रोबेशन पूरे करने से पहले, महज एक महीने में ही उसने स्थायी नौकरी की मांग कर दी। और उसे वह भी मिल गई। उसका ख्याल मुझे तब आया जब मैं इस हफ्ते जारी पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे के डेटा पढ़ रहा था।इसमें बताया गया कि 15 से 29 साल के शहरी युवाओं में बेरोजगारी दर एक महीने में एक प्रतिशत बढ़ गई है। जून में ये 18.8फीसदी हो गई। कहीं ना कहीं यह दो बातों की ओर संकेत करती है। 1. अकेली शिक्षा अब रोजगार-स्थायित्व की गारंटी नहीं। 2. नियोक्ता चाहते हैं कि आप जॉइन करने के पहले दिन से ही रिजल्ट देने लगें। मुंबई में कुशल व शिक्षित युवाओं की एक पीढ़ी अभी भी बेरोजगार है।जी हां, ये वही शहर है, जहां गर्व से कहते थे कि 'मुंबई में कोई भूखा नहीं सोता।' लेकिन आज यह बात सच नहीं है। मुम्बई ऐसा अकेला शहर नहीं है। अमेरिका से लेकर यूके तक दुनियाभर में कॉलेज ग्रेजुएट्स और पोस्ट ग्रेजुएट युवाओं के बीच बेरोजगारी दर में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है।अमेरिका के भी ऐसे मासिक बेरोजगारी डेटा की पड़ताल करें तो पता चलता है कि अमेरिकी पुरुषों में भी बेरोजगारी तेजी से बढ़ी है। यह पांच प्रतिशत से कम थी, जो अब 7फीसदी से अधिक हो गई है। जबकि महिलाओं में बेरोजगारी घटी है। इस दावे का समर्थन करने वाले एक डेटा से पता चलता है कि पिछले एक वर्ष में युवा महिला ग्रेजुएट्स द्वारा भरी गई 1.35 लाख नौकरियों में से 50 हजार नौकरियां अमेरिका के हेल्थ केयर सेक्टर में थीं।स्पष्ट रूप से इसका कारण उम्रदराज आबादी की बढ़ती मांग के साथ ऑटोमेशन, घरों में एआई संचालित उपकरणों का प्रवेश और रोजमर्रा की चिकित्सा जरूरतें हैं। ये सब बताता है कि एआई मौजूदा व्यवस्था में महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी कारक है।इसका जवाब सही भी है और गलत भी। सही इसलिए, क्योंकि यह उतनी नौकरियां पैदा नहीं कर रहा, जितनी पुरानी नौकरियां खत्म कर रहा है। गलत इसलिए, क्योंकि एंट्री लेवल सॉफ्टवेयर डेवलपर्स के पदों पर भर्तियों में फिर उछाल देखा जा रहा है। इसलिए तकरीबन 30 वर्ष की उम्र के लोग, जो कम से कम 60 हजार रु. प्रतिमाह वाली नौकरी खोज रहे हैं, उन्हें उस स्थान की जनसांख्यिकी भी पढ़नी चाहिए, जहां नौकरी ढूंढ रहे हैं। और उन्हें कोडिंग से 'केयरिंग' की ओर रुख करना चाहिए। मुंबईकरों में नया नारा है, 'कोडिंग सीखने के साथ-साथ केयरिंग भी सीखो।' ऐसा इसलिए क्योंकि एक शहर के तौर पर मुंबई भी बूढ़ा हो रहा है। और उस आबादी को देखभाल चाहिए। यही कारण है कि शुरुआत में जिस लड़की का जिक्र मैंने किया, उसे हेल्थ सेक्टर में जल्दी नौकरी मिल गई। और वह पहले दिन से ही अपने नियोक्ता के लिए समस्याओं का समाधान करने वाली बन गई।फंडा यह है कि जैसे पैसा कंपनी के प्रदर्शन के पीछे भागता है, मेरा मतलब निवेशक निवेश से पहले कंपनी की परफॉर्मेंस देखते हैं, वैसे ही आपका प्रदर्शन करियर को आगे बढ़ाता है। हेल्थकेयर जैसा क्षेत्र चुनें, जो अभी फल-फूल रहा है। और यदि कोडिंग में 'केयरिंग' का तड़का लगा सकते हैं तो फिर देखिए कैसे आपकी 'रेसिपी' जायकेदार बन जाएगी। मेरा मतलब है आपकी सैलरी! (एन. रघुरामन)

सुंदरता हर तरफ है, इसलिए क्यों ना आज अपना 'बिन' निकालकर चलें

'अरे, यह तो ग्रे हेरॉन है, इसे जख्मी देखकर बहुत बुरा लग रहा है,' इस शुक्रवार को मैं अखबार हाथ में लिए चिल्लाया। पत्नी दौड़ती हुई आईं और पूछा, 'क्या हुआ?' मैंने उन्हें शुक्रवार के चार अखबार दिखाए, जिनमें अलग-अलग ऐसे पक्षियों की तस्वीरें थीं, जो या तो मारे गए थे या घायल हो गए थे। इसके साथ ही गुरुवार को मुंबई के समीप ठाणे में एक हाउसिंग सोसाइटी द्वारा पेड़ों की बेतहाशा छंटाई की खबर थी। 'क्या आपको यकीन है कि ये ग्रे हेरॉन है, इग्रेट नहीं?' उन्होंने पूछा तो मैं अपनी पुरानी डायरी ले आया और उन्हें समझाया कि कैसे हेरॉन लंबी टांगों और चौड़े पंखों वाले जलचर पक्षी होते हैं। हालांकि हेरॉन, इग्रेट और बिटर्न जैसे पक्षी एक ही आर्डीडे परिवार के सदस्य हैं, लेकिन इग्रेट आमतौर पर पूरी तरह से सफेद होते हैं, जबकि हेरॉन कई रंगों के हो सकते हैं। वहीं बिटर्न की खासियत उनके घने, हल्के पीले-भूरे रंग के पंख हैं, जिन पर गहरी धारियां होती हैं। अगर मैं पक्षियों के बारे में मुझे कुछ जानकारी देने का श्रेय किसी को देना चाहूं, तो वे हॉलीवुड अभिनेता ओवेन विल्सन, स्टीव मार्टिन और जैक ब्लैक होंगे, जो मेरे मुताबिक हास्य दृश्यों में सर्वश्रेष्ठ हैं। यही कारण था कि जब वे तीनों एक साथ एक फिल्म में आए- 2011 में प्रदर्शित 'द बिग ईयर'- तो मैं उसे देखने का अवसर नहीं छोड़ पाया। फिल्म तीन पक्षी प्रेमियों की कहानी सुनाती है, और उनमें से हर कोई वही कर रहा होता है, जिसे 'द बिग ईयर' कहा गया है। वे ठान लेते हैं कि इस साल अमेरिका में किसी भी अन्य व्यक्तियों से ज्यादा पक्षी देखेंगे। और उन तीन पक्षी प्रेमियों के साथ हम दर्शक भी फिल्म में सैकड़ों पक्षी देखते हैं, और हर एक की गिनती करते हैं। लेकिन फिल्म का मर्म एक अच्छे जीवन के अर्थ के बारे में है, इस बारे में कि किसी व्यक्ति के लिए सिर्फ बड़े होने, पैसे कमाने, परिवार बनाने वगैरह से बढ़कर एक अधिक मनुष्य बनने के लिए क्या जरूरी है। फिल्म के तीनों ही नायक अपने-अपने जीवन का अर्थ समझते हैं। वे अलग-अलग चुनाव करते हैं कि क्या मायने रखता है और क्या नहीं; कौन मायने रखता है और कौन नहीं; और जीवन का वास्तविक अर्थ क्या है और क्या नहीं। फिल्म देखने के बाद के वर्षों में मैंने पक्षियों के बारे में बहुत सीखा। मुझे पता नहीं था? पक्षियों के बारे में इतना कुछ जानने को है। पहली चीज जो मैंने सीखी, वह थी बर्ड-वॉचिंग के लिए जरूरी उपकरण। फिल्म देखते हुए किसी ने कहा 'हमें अपना 'बिन' खोजना होगा।' फिल्म समाप्त होने के बाद मैंने उनसे कहा, 'माफ कीजिए, पर मैंने आपको 'बिन' कहते सुना।

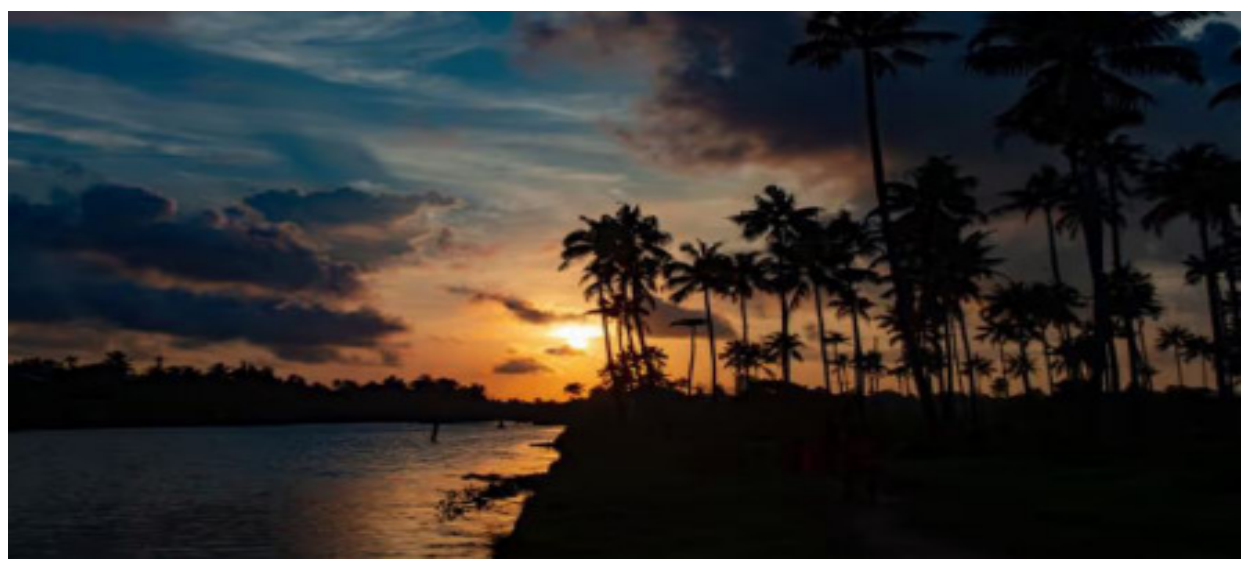

पक्षियों को देखने के लिए आपको 'बिन' की क्या जरूरत है?' मुझे लगा था बिन का मतलब डस्टबिन होगा। वे जोर से हंसे और कहा कि यह बाइनोकुलर (दूरबीन) का छोटा नाम है! इसके बाद मैंने सबसे पहला जो काम किया, वो ये था कि अपना 'बिन' निकाला, जो मुझे क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इस अखबार के लिए क्रिकेट को कवर करते समय उपहार में दिया था। बर्डिंग से हम प्रकृति में मौजूद विविधता के प्रति सजग हो पाते हैं। ज्यादातर पक्षी मूलतः एक जैसे ही हैं, खोखली हड्डियों, पंखों और पंजों से निर्मित। फिर भी प्रवास-मार्गों, भोजन के तरीकों और पंखों के संयोजन से उन्होंने जीवित रहने के अनगिनत तरीके खोज निकाले हैं। अलग-अलग तरह के घोंसले बनाने की उनकी क्षमता उनकी विशिष्ट रचनात्मकता को दर्शाती है, ठीक वैसे ही जैसे वास्तुकला का एक ही पाठ्यक्रम पढ़ने के बावजूद मनुष्य भवन-निर्माण में अलग-अलग प्रकार की सृजनात्मकता प्रदर्शित करते हैं। हालांकि मैं फिल्म के मुख्य पात्रों की तरह हर साल देखे जाने वाले पक्षियों की संख्या नहीं नोट करता, लेकिन पक्षियों के प्रति प्रेम मुझे अकसर घर से बाहर जाने को प्रेरित करता है, जिससे मुझे कम से कम बारिश के मौसम में हलका-फुलका व्यायाम करने का अवसर मिल जाता है। फंडा यह है कि हमारे चारों ओर चाहे जितनी लापरवाही क्यों न हो, दुनिया फिर भी बहुत सुंदर है। यह हमें चुनना है कि हमारे लिए क्या मायने रखता है और हमें किन लोगों से मिलना है। चूंकि आज वर्षा ऋतु का रविवार है, तो आप भी चयन करें और अपने 'बिन' के साथ घर से बाहर निकल पड़ें! एन. रघुरामन

दूध के पैकेट जैसी छोटी-सी चीज पर भी गौर करने का समय आ गया है

पिछले करीब एक माह से सुबह की कॉफी बनाना मेरी जिम्मेदारी थी, क्योंकि मोतियाबिंद की सर्जरी के बाद पत्नी का किचन स्टोव के पास आना मना था। लेकिन बीते इस समय में वह कभी भी यह पूछना नहीं भूलीं कि 'क्या आपने दूध की थैलियों को उनकी तय जगह पर रख दिया है?' यह प्लास्टिक को इकट्ठा करने का अलग बैग है, जो एसी यूनिट के पीछे रखा रहता है।रिसाइकल कचरा इकट्ठा करने वाले को यह हम देते हैं, जो कि कॉलोनी में महीने में एक बार आता है। मैं 'हां' कहता हूं और उन्हें कॉफी का कप देता हूं। एक महीने में मैंने देखा कि धीरे-धीरे इस प्लास्टिक की थैली की ऊंचाई बढ़ने लगी और अंततः ये एसी यूनिट के पार निकल गई। और तब मुझे एहसास हुआ कि किसी एक घर से कितना अधिक प्लास्टिक निकल सकता है। इसमें सर्वाधिक दूध की थैलियां थीं। इसी ने मुझे दूध की थै?लियों को लेकर कुछ तथ्य खोजने के लिए बाध्य किया। दूध की जिन ?थैलियों को हम इस्तेमाल के बाद फेंक देते हैं, वे प्लास्टिक की होती हैं और मिट्टी में नष्ट होने में बहुत वक्त लेती हैं। ये समय 20 से 500 वर्षों तक हो सकता है। प्लास्टिक ऐसा पदार्थ है, जिसका प्राकृतिक तरीके से क्षरण नहीं होता। ना ही ये जैविक पदार्थों की भांति अपघटित होता है। बल्कि यह सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आने पर माइक्रोप्लास्टिक में बंट जाता है। पर पूरी तरह गायब नहीं होता। अगर न्यूनतम आंकड़ों का अनुमान लगाएं, तो भी भारत में प्रति दिन ऐसी 20 करोड़ दूध के पैकेट की खपत होती है। 1946 में शुरू हुआ अमूल बड़े दुग्ध उत्पादक के नाते बड़ी संख्या में दूध की थैलियों का उपयोग करता है। सटीक आंकड़े भिन्न हैं, पर रिपोर्ट बताती हैं कि अमूल प्रतिदिन प्लास्टिक से बनी 2.6 करोड़ दूध की थैलियां बेचता है। मतलब, साल भर में करीब 949 करोड़ थैलियां। इसके अलावा कंपनी दही, छाछ जैसे अन्य दुग्ध उत्पाद भी प्लास्टिक की थैलियों में बेचती है, जिससे रोजाना काफी प्लास्टिक कचरा पैदा होता है। वर्ष 2020 में पंजाब विधानसभा में बताया गया कि पंजाब राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ द्वारा 1973 में शुरू किए गए 'मिल्कफैड' ने 2018-19 में दूध और अन्य डेयरी उत्पादों की पैकेजिंग में 80 करोड़ प्लास्टिक थैलियां काम में लीं। आज हम 2025 में हैं और अभी दूध की खपत करने वाले युवाओं के लिहाज से बड़ी आबादी वाले उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, ओडिशा और झारखंड जैसे राज्यों के संघों की बात तो की ही नहीं है। मुझे सोमवार को यह सब याद आया, जब मैंने जाना कि कैसे बेंगलुरु में नंदिनी मिल्क सप्लाई करने वाला कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) अपने लोकप्रिय ब्रांड के लिए इको-फ्रेंडली पैकेजिंग शुरू करने जा रहा है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत, वे रोजाना प्राकृतिक रूप से अपघटित हो सकने वाली 2 लाख ?थैलियों के उपयोग से बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग की ओर बढ़ रहे हैं। वे रोज लगभग 50 लाख लीटर दूध, 16 लाख लीटर दही बेच रहे हैं। नष्ट होने में कई सौ वर्ष लेने वाली पारंपरिक पॉलिथीन थैलियों के विपरीत ये इको फ्रेंडली विकल्प 90 दिन के भीतर प्राकृतिक रूप से विघटित हो जाते हैं।यहां तक कि इनको रासायनिक उर्वरक में भी बदला जा सकता है। केएमएफ की एक अन्य शाखा बेंगलोर मिल्क यूनियन लिमिटेड (बामूल) द्वारा हाल ही लॉन्च पायलट प्रोग्राम की सफलता के बाद अब ये नई पहल इसी वीकेंड शुरू होगी। ये परीक्षण उनके एक डेयरी फार्म में शुरू किया गया। वर्तमान में इसे चुनिंदा क्षेत्र में लागू किया जा रहा है, जिसमें इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया, रिसाव की शिकायत नहीं होने और दूध की गुणवत्ता से समझौता नहीं होने के पैमानों पर परखा जा चुका है। चूंकि ग्राहक संतुष्टि बेहतर थी, इसलिए वे नए इलाकों को कवर कर रहे हैं। जाहिर है कि जल्द ही राज्यभर में इसे शुरू किया जा सकता है। फंडा यह है कि समय आ गया है, प्लास्टिक की थैलियों में दूध ले रहे हम भारतीयों को उस मिट्टी और समुद्र को बचाने के लिए कोई री-साइकिलिंग योजना अपनानी पड़ेगी, जो हम हमारी पीढ़ियों के लिए छोड़कर जा रहे हैं। अपनी पसंद का कोई भी तरीका अपनाएं, जब तक कि हमारे शहर बायोडिग्रेडेबल थैलियों पर ना आ जाएं, पर कृपया इन्हें कचरे में ना फेंकें। (एन. रघुरामन)

एआई में यह एक गुण कभी नहीं आ सकेगा!

इस बार रक्षाबंधन पर 15 साल की अनामता ने 14 साल के शिवम को राखी बांधी। हमारे जैसे पाठकों के लिए इसमें कुछ भी नया नहीं है क्योंकि रक्षाबंधन पर राखी बांधी ही जाती है। लेकिन उस समय सिर्फ शिवम ही नहीं, लगभग सभी की आंखें नम हो गई थीं और शिवम के आंसू तो उसके हाथों पर गिरने लगे थे।उसने धीरे से उन्हें पोंछा, लेकिन जितना वह पोंछता, उसके आंसू उतने ही बहते जाते। वो आंसू तमाम आंसुओं की तरह थे- नम और कोमल। वो हाथ भी वही था, जिसे उसने पहले भी कई बार चूमा और सहलाया था, जब तक कि पिछले साल उसकी बहन की ब्रेन हैमरेज से मृत्यु नहीं हो गई। परिवार का कोई भी सदस्य शिवम की आंखें पोंछने या उसके सिर या कंधे पर हाथ रखकर उसे शांत करने को आगे नहीं बढ़ पाया, क्योंकि कोई भी अपने आंसुओं को रोक नहीं पा रहा था। वो जानते थे कि रिया अब वापस लौटकर नहीं आ सकती। लेकिन अनामता के शरीर में वह रिया का ही हाथ था, जो शिवम को इस साल राखी बांध रहा था। तीन साल पहले, उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एक रिश्तेदार के घर की छत पर लटके हाई-टेंशन तार की चपेट में आने से अनामता का दाहिना हाथ काटना पड़ा था। उधर वलसाड के मिस्त्री परिवार ने जब अपनी बेटी रिया के अंगदान का फैसला किया और उसका हाथ अनामता को मिला।अनामता कंधे के स्तर पर हाथ का प्रत्यारोपण पाने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की लड़की बनी थी। पिछले सितंबर में रिया को ब्रेन-डेड घोषित किए जाने के बाद अनामता को प्रत्यारोपण के लिए एक जटिल सर्जरी से गुजरना पड़ा था। मिस्त्री परिवार इतने महीनों से जिस दर्द को महसूस कर रहा था, वह तब उस लड़की के लिए गहरे स्नेह में बदल गया, जब वो उनके बेटे की कलाई पर राखी बांधने के लिए गुजरात तक आई थी। उन्हें लगा जैसे रिया किसी और शरीर में वापस लौट आई हो!मुझे बताइए कौन-सा एआई आपमें ये भावनाएं जगा सकता है? वो तो वह भी नहीं कर सकता, जो 9 वर्षीय प्रणव दास ने चेन्नई में अपने भाई माधव दास के लिए किया था!

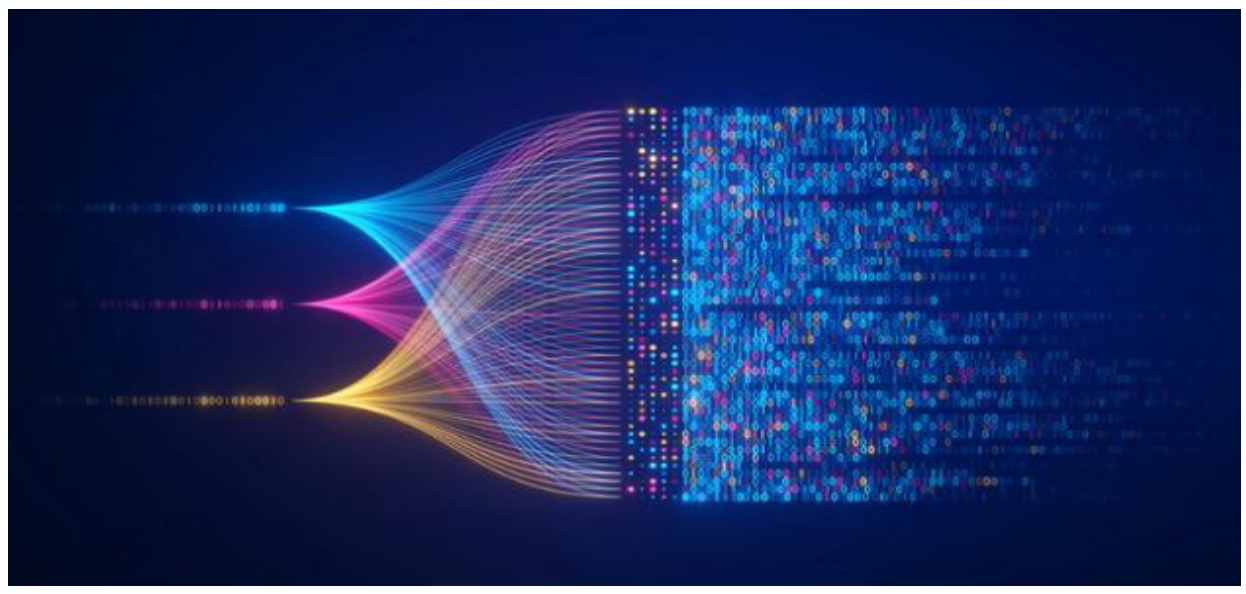

जब माधव गिर पड़ा और उसके सिर पर टांके लगाने पड़े तो उसका सिर मुंडवाया गया था। प्रणव ने भी अपने बाल कटवा लिए, ताकि माधव खुद को अलग-थलग महसूस न करे। कितने एआई ऐसा कर सकते हैं?आज ये दोनों बच्चे लंबे बालों के साथ स्कूल आते हैं। उनके बाल करीने से बंधे होते हैं! क्योंकि दोनों भाइयों को यह अहसास हो गया है कि जिन युवा कैंसर रोगियों को इलाज के लिए सिर मुंडवाना पड़ता है, वो क्या महसूस करते हैं। उन्होंने ऐसा करने के लिए अपने प्रिंसिपल से लिखित अनुमति ली है और वे ?ऐसे बच्चों के लिए मुफ्त विग बनाने के लिए अपने बाल दान करते हैं। उनके इस प्रयास का स्कूल में खासा प्रभाव पड़ा। दूसरे बच्चे भी इसके लिए अपने बाल बढ़ाने लगे और चेरियन फाउंडेशन को मदद करने लगे, जो कि वंचित समुदायों को स्वास्थ्य-सेवाएं प्रदान करने को समर्पित एक एनजीओ है। हाल ही में इसने भारत भर में आर्थिक रूप से कमजोर कैंसर पीड़ितों को दान दिए गए विगों की संख्या के 2,000 के पार होने पर जश्न मनाया था। इसे वे 'अपने बालों को गिफ्ट देकर आत्मविश्वास का उपहार देना' कहते हैं।यह लेख सेल्वा बृंदा का उल्लेख किए बिना पूरा नहीं हो सकता। वे एक ऐसी मां हैं, जिनका प्यार असीम है। तमिलनाडु के त्रिची जिले के कत्तूर की इस गृहणी ने 22 महीनों (अप्रैल 2023 से फरवरी 2025 तक) की अवधि में 300.17 लीटर से ज्यादा ब्रेस्ट-मिल्क का दान दिया, जिससे समय से पहले जन्मे और बीमार अनगिनत नवजात शिशुओं की जान बची और एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बना। उन्होंने कहा, एक छोटा-सा योगदान भी उस बच्चे को पोषण दे सकता है, जिसे इसकी सख्त जरूरत हो। यह विचार अपने आपमें लोगों को सक्रिय होने के लिए प्रेरित कर सकता है। उनकी कहानी हमें एक बार फिर यह याद दिलाती है कि करुणा कैसे कोमल जीवन को बदल सकती है। फंडा यह है कि एआई किसी फैक्टरी या दफ्तर में तो सब कुछ कर सकता है, लेकिन यकीन मानिए, वो वह सब कभी नहीं कर सकता, जो मानवीय करुणा कर सकती है। अगर आप वाकई एआई को हराना चाहते हैं, तो अपने अंदर करुणा के गुण को अलग-अलग तरह से जितना हो सके बढ़ाएं। एन. रघुरामन

संभावनाएं टटोली जा रही हैं एक युवा नेतृत्व के लिए

एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने एक बार अफसोस भरे स्वर में कहा था कि हम कांग्रेस वाले अपनी गुटबाजी सार्वजनिक रूप से जाहिर कर देते हैं, जबकि भाजपा ऐसा बंद दरवाजे के पीछे करती है। केरल में शशि थरूर के बगावती सुर हों या कर्नाटक में सिद्धारमैया बनाम डीके शिवकुमार का अनवरत पॉवर-ड्रामा- सार्वजनिक आरोप-प्रत्यारोपों के जरिए खुद पर ही निशाना साध बैठने की कांग्रेस की प्रवृत्ति के ये नवीनतम उदाहरण हैं। इसके विपरीत, भाजपा के भीतर जो सत्ता-संघर्ष हैं, उन पर शायद ही कभी ध्यान जाता है, क्योंकि यह सब गोपनीयता के आवरण में होता है। यही कारण है कि संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत की हालिया टिप्पणी ने सबको चौंकाया। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में काम करने वालों को 75 की उम्र में 'सेवानिवृत्त' होने की सलाह दी थी। तब विपक्ष ने भी संघ प्रमुख की इस टिप्पणी को तुरंत भुनाने की कोशिश की और दावा किया कि भगवा-बिरादरी के मुखिया भाजपा में एक 'उत्तराधिकार योजना' को तुरंत लागू करना चाहते हैं। 'मोदी के बाद कौन?'- यह टीवी स्टूडियो के लिए भले ही चर्चा का आकर्षक विषय हो, लेकिन हकीकत यही है कि मोदी कहीं नहीं जा रहे हैं। वे पीछे हटने वालों में से नहीं हैं, रिटायरमेंट की तो बात ही रहने दीजिए। संघ प्रमुख आमतौर पर शब्दों को तौलकर बोलते हैं। संघ का एक वर्ग भाजपा में पीढ़ीगत बदलाव का इच्छुक है, यह बात सत्ता के गलियारों में कुछ समय से चल रही है। यह भी याद रखें कि संघ व्यक्तिवादी राजनीति के प्रति असहज रहता है। गत सितंबर में भी भागवत ने कहा था कि कर्म से हर कोई व्यक्ति पूजनीय बन सकता है, लेकिन हम स्वयं उस स्तर तक पहुंचे हैं या नहीं, यह हम नहीं दूसरे ही तय करेंगे। और इस सबके बावजूद, संघ जानता है कि देश में अपना राजनीतिक और वैचारिक आधिपत्य बनाए रखने के लिए फिलहाल तो मोदी ही उसके लिए सबसे बेहतर विकल्प हैं। जैसा कि सीएसडीएस 2024 के चुनाव-उपरांत सर्वेक्षण से पता चलता है, मोदी की लोकप्रियता अभी भी भाजपा से काफी ऊपर है। भाजपा के हर चार में से एक मतदाता ने कहा था कि उन्होंने केवल प्रधानमंत्री के नेतृत्व के कारण ही पार्टी को वोट दिया था। 'मोदी फैक्टर' को हटा दें तो भाजपा राजनीतिक रूप से कमजोर दिखने लगती है। आज मोदी ही ब्रांड-हिंदुत्व के राजनीतिक शुभंकर और स्टार हैं। अयोध्या में राम मंदिर से लेकर जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के उन्मूलन और अब भाजपा-शासित राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू करने के प्रयासों तक, मोदी सरकार ने संघ के तमाम मूल एजेंडों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया है। (ये लेखक के अपने विचार हैं- राजदीप सरदेसाई)

दिल्ली सीएम अटैक केस- आरोपी 5 दिन की पुलिस रिमांड पर,सिक्योरिटी में तैनात होंगे सीआरपीएफ जवान

सूत्रों ने बताया कि आरोपी के मोबाइल फोन से जन सुनवाई कार्यक्रम के दो वीडियो भी मिले हैं। सीएम ऑफिस ने इस हमले को मुख्यमंत्री की हत्या की सुनियोजित साजिश का हिस्सा बताया है। वहीं, भाजपा विधायक हरीश खुराना ने घटना में आम आदमी पार्टी के शामिल होने का दावा किया है। उन्होंने एक्स पर गुजरात के आप विधायक गोपाल इटालिया के साथ आरोपी की फोटो शेयर की। आप की गुजरात यूनिट ने फोटो को एडिटेड बताया और आरोप लगाया कि भाजपा ने एआई के इस्तेमाल से गोपाल इटालिया के फोटो के साथ छेड़छाड़ की। इटालिया ने कहा कि उनके एक पुराने वीडियो से स्क्रीनशॉट्स लेकर उसे एडिट किया गया है। उन्होंने वीडियो का लिंक भी शेयर किया। रेखा गुप्ता ने हमले के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'जनसुनवाई के दौरान मेरे ऊपर हुआ हमला दिल्ली की सेवा और जनता की भलाई के संकल्प पर कायराना प्रयास है। हमले के बाद सदमे में थी। अब बेहतर महसूस कर रही हूं।' राजेशभाई खीमजीभाई सकरिया राजकोट के कोठारिया इलाके का रहने वाला है और रिक्शा चलाता है। आरोपी की मां भानुबेन सकरिया ने कहा, 'मेरा बेटा कुत्तों, गायों और पक्षियों से प्यार करता है। सुप्रीम कोर्ट के कुत्तों को पकड़ने के आदेश से वह परेशान था। इसलिए उसने दिल्ली जाकर विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की बात कही थी। किसी पार्टी से नहीं जुड़ा है। वह मानसिक रूप से अस्थिर है।'शैलेंद्र कुमार- मैं उत्तम नगर से सीवर की शिकायत लेकर आया था। जैसे ही सीएम आवास के गेट पर पहुंचा, वहां अफरा-तफरी मच गई, क्योंकि मुख्यमंत्री को थप्पड़ मारा गया। यह गलत हुआ। अंजली- अगर कोई फर्जी व्यक्ति मुख्यमंत्री को थप्पड़ मार सकता है, तो यह गंभीर बात है। वह व्यक्ति बात कर रहा था और अचानक उसने थप्पड़ मार दिया। पुलिस उसे पकड़कर ले गई है। दिल्ली बीजेपी के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूरः 35 साल का कोई व्यक्ति जनसुनवाई में आया था। उसने सीएम को कोई दस्तावेज दिया। इसके बाद कुछ कहासुनी हुई। उसने हमला करने की कोशिश की। यह किसी ऐसी पार्टी का हो सकता है, जो हताश हो चुकी है। दिल्ली कांग्रेस के प्रमुख देवेंद्र यादवः घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। रेखा गुप्ता पूरी दिल्ली की मुख्यमंत्री हैं। इस तरह की घटनाओं की जितनी निंदा की जाए, कम है। इस घटना ने महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था को उजागर कर दिया है। अगर दिल्ली की मुख्यमंत्री सुरक्षित नहीं हैं तो सामान्य पुरुष या महिला की सुरक्षा कैसे हो सकती है? दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता और आप नेता आतिशीः रेखा गुप्ता पर हुआ हमला बेहद निंदनीय है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध की जगह होती है, लेकिन हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। उम्मीद है कि दिल्ली पुलिस दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेगी। आशा है मुख्यमंत्री पूरी तरह सुरक्षित हैं।

पूर्व भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी- रेखा जी को जनता से मिलने से रोकने के लिए यह एक साजिश के तहत किया गया। प्रधानमंत्री ने सभी जनप्रतिनिधियों से जनता से जुड़ने को कहा है। इससे विपक्ष में हताशा है। मुझे 100फीसदी यकीन है कि जांच से पता चलेगा कि आरोपी कांग्रेस, आप या सीपीआई से जुड़ा कार्यकर्ता था।

20 फरवरी 2025 को रेखा गुप्ता दिल्ली की मुख्यमंत्री बनी थीं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में उन्होंने आप की वंदना कुमारी को 29,595 वोटों से हराया। रेखा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से लंबे समय से जुड़ी हैं। वे दिल्ली भाजपा की महासचिव और भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी रही हैं।

'द बंगाल फाइल्स' के विवाद पर मिथुन चक्रवर्ती बोलेःहमने फिल्म में सच्चाई दिखाई है, ट्रेलर लॉन्च के दौरान हंगामा पूर्व नियोजित था

कोलकाता। मिथुन चक्रवर्ती की अपकमिंग फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' रिलीज से पहले ही विवादों में आ गई है। हाल ही में बातचीत के दौरान मिथुन चक्रवर्ती ने फिल्म से जुड़े विवाद और अपने किरदार के बारे में बात की। एक्टर ने बताया कि इस फिल्म के माध्यम से हम लोग सच्चाई पेश कर रहे हैं। नोआखाली नरसंहार ऐसी घटना थी, जिसे आज की जनरेशन को जाननी चाहिए। पेश है बातचीत के कुछ और प्रमुख अंश- सवाल- फिल्म को लेकर जिस तरह से विवाद शुरू हुआ है, उस पर आप क्या कहना चाहेंगे? जवाब- विवाद तो सिर्फ बंगाल में शुरू हुआ है। 'द बंगाल फाइल्स' क्या है? इस फिल्म की कहानी मेरे जन्म से पहले की है, जब 1946 में दंगे हुए थे। इसकी कहानी नोआखाली नरसंहार की घटना पर आधारित है। हम सिर्फ यह जानते है कि नोआखाली में हत्याएं हुई थी। उसके बाद क्या हुआ था किसी को नहीं पता है। पूरी सच्चाई जाननी है तो फिल्म देखनी पड़ेगी। विवेक अग्निहोत्री ऐसे मेकर हैं, जो फेक फिल्में नहीं बनाते हैं। वो सही तथ्यों और सबूतों के आधार पर फिल्में बनाते हैं। सवाल- फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के समय जिस तरह की अड़चनें डाली गईं, उसे लेकर क्या कहना चाहेंगे? जवाब- ऐसा क्यों किया गया मुझे समझ में ही नहीं आया। लोगों ने ट्रेलर देखा तक नहीं और विवाद शुरू कर दिया। यह सब पूर्व नियोजित था। अगर ट्रेलर देखने के बाद किसी सीन पर आपत्ति होती तो मैं समझता कि उन लोगों का विरोध जायज है। ट्रेलर लॉन्च से पहले ही, बिना ट्रेलर देखे तोड़ फोड़ करना शुरू कर दिया। हिंदू को गाली दीजिए वहां स्वीकार है, लेकिन अगर कुछ और कहा तो वह स्वीकार नहीं है। बाकी आप समझ जाइए कि मैं क्या कहना चाहता हूं। सवाल- यह फिल्म सिर्फ बहस पैदा करेगी, या राजनीति और समाज में बदलाव भी ला सकती है? जवाब- यह पॉलिटिकल फिल्म नहीं है। हम सिनेमा के माध्यम से सच्चाई को पेश करना चाहते हैं। नोआखाली नरसंहार में क्या हुआ, आज के जनरेशन को पता ही नहीं है। इस फिल्म में काम करने से पहले मुझे खुद नहीं पता था। अब इस फिल्म के बाद सभी को पता चलेगा कि वाकई में हुआ क्या था? लोग अगर सच्चाई और इतिहास को नहीं जानना चाहते हैं, यह बहुत दुख की बात है। सवाल- इस समय बंगाल में हिंदुओं की जैसी स्थिति है, कुछ लोग इस फिल्म को उस नजरिए से जोड़कर देख रहे हैं। आप क्या कहना चाहेंगे? जवाब- जब यह फिल्म बन रही थी, तब तो वहां वैसी स्थिति नहीं थी। फिल्म बन गई तब बांग्लादेश में सब कुछ होने लगा। तब यह कैसे कह सकते हैं। अगर लोग उस घटना से जोड़ रहे हैं, तो जोड़ने दीजिए। सवाल- पश्चिम बंगाल में फिल्म को लेकर जिस तरह से विवेक अग्निहोत्री पर FIR दर्ज हुई है। उसे लेकर आप क्या कहना चाहेंगे? जवाब- वो लोग केस करेंगे, हम कोर्ट में जाएंगे। फिल्म जरूर रिलीज होगी। सच्चाई को लोग कब तक रोकेंगे। ट्रेलर लॉन्च इवेंट रोक दिया, लेकिन यूट्यूब पर ट्रेलर देखने से किसी को रोक पाए क्या? ट्रेलर लोगों ने खूब देखे और अच्छे व्यूज मिले। सवाल- गोपाल मुखर्जी के पोते ने कहा है कि उनके दादा जी को लेकर विवेक अग्निहोत्री की तरफ से गलत बयानबाजी की गई। फिल्म के पात्र भी गलत तरीके से दिखाए जा रहे हैं। इस पर आप क्या कहना चाहेंगे? जवाब- फिल्म देखने के बाद बोलिए कि गलत तरीके से दिखाया गया है कि नहीं। इससे पहले मैं इस तरह की कुछ भी बातें सुनने को तैयार नहीं हूं। क्योंकि इसमें किसी भी चीज को गलत तरीके से नहीं दिखाया गया है।सवाल- इस फिल्म में आपका किरदार किस तरह का है और वह नई सोच में क्या बदलाव लाएगा? जवाब- इस फिल्म में मेरे किरदार का नाम मैड मैन है, लेकिन वो असल में पागल नहीं है। जब वह सच्चाई की आवाज बुलंद करने खड़ा होता है तो उसकी जुबान जला दी जाती है। उसके पुरुषांग भी काट दिए जाते हैं, वह ठीक से बोल नहीं पाता है। जब फिल्म का अंत आता है, तब पता चलता है कि वो ही फिल्म की आत्मा है। सवाल- जब विवेक अग्निहोत्री ने आपके किरदार के बारे में बताया तब आप को सबसे अच्छी क्या बात लगी और आपका रिएक्शन क्या था? जवाब- इस फिल्म की सबसे अच्छी बात यह है कि विवेक ने इस फिल्म को सही तथ्यों और सबूतों के आधार पर बनाई है। इसके लिए उन्होंने पूरा रिसर्च किया है। मेरे किरदार के बारे में पहले ही कह दिया कि वह फिल्म की आत्मा है। विवेक की मुझे सबसे अच्छी बात यह लगती है कि वो बनावटी और फालतू चीजों को नहीं बनाते हैं।

रुद्रप्रयाग में लैंडस्लाइड, बद्रीनाथ-गंगोत्री हाईवे बंद,ताजमहल तक पहुंची यमुना, मथुरा में रास्ता बदला,हिमाचल में अब तक 145 मौतें

नयी दिल्ली। देश के पश्चिमी हिस्से महाराष्ट्र और गुजरात में बारिश के कारण जन-जीवन प्रभावित हुआ है। दोनों राज्यों में आज रेड अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश में यमुना के कारण कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। यमुना का पानी ताजमहल तक पहुंच गया है। 40 गांव अलर्ट पर हैं। मथुरा में यमुना नदी कटान के बाद अपना मूल रास्ता छोड़कर 2किमी दूर बह रही हैं। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में लैंडस्लाइड के कारण बद्रीनाथ हाईवे बंद हो गया है। गंगोत्री हाईवे धरासू पुराना थाना और सोनागढ़ के पास ब्लॉक है। यमुनात्री हाईवे भी नारदचट्टी के पास बंद है। कुथनौर में ट्रैफिक शुरू हो गया है। बाकी जगहों पर मलबा हटाने का काम जारी है।यूपी में आज से फिर मानसूनी बारिश तेज होगी। आज 50 जिलों में बारिश का अलर्ट है, जिनमें 8 जिलों में भारी बरसात की चेतावनी है। अब तक हुई बारिश के कारण मथुरा में यमुना नदी कटान के बाद अपना मूल रास्ता छोड़कर 2किमी दूर बह रही हैं। आगरा का हाल भी बुरा है, यहां तो यमुना का पानी ताजमहल तक पहुंच गया है। 40 गांवों में अलर्ट घोषित कर दिया गया है। फर्रुखाबाद में गंगा और रामगंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। 100 से ज्यादा गांव बाढ़ की चपेट में हैं। इधर, गुजरात के तटीय जिलों में बुधवार को भारी बारिश के बाद बाढ़ जैसे हालात बन गए। जूनागढ़ जिले में 12 घंटों में 331एमएम बारिश हुई। एनडीआरएफ ने पोरबंदर जिले के एक स्कूल में फंसे 46 बच्चों और 4 टीचर्स को बचाया। वहीं, महाराष्ट्र में तेज बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने बुधवार को राज्य के कुछ इलाकों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बीते दिन मुंबई में

107.4एमएम बारिश हुई। ठाणे जिले में पानी से भरी खदान में गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। हिमाचल प्रदेश में 20 जून से अब तक बारिश से जुड़े हादसों में 145 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य में बारिश के कारण हुए हादसों में 2281 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।नर्मदापुरम में तवा डैम के 13 गेटों में से 7 गेट आज भी खुले हुए हैं। कल बुधवार सुबह 6:30 बजे से डैम के 5 गेट खोले गए थे। उसके बाद 2 और गेट खोल दिए गए। रतलाम में केदारेश्वर महादेव मंदिर का झरना सीजन में तीसरी बार बह निकला। मंदिर परिसर में पानी ही पानी हो गया। डिंडौरी और शिवपुरी में भी सुबह से बारिश हो रही है।भीलवाड़ा में मूसलाधार बरसात के कारण गुरुवार सुबह शहर की सड़कों पर नदी की तरह पानी बहने लगा। लगातार बरसात से जलभराव, नदियों में फिर से उफान दिख रहा है। इससे पहले जयपुर में बुधवार शाम और देर तक झमाझम बरसात हुई है। जयपुर, डूंगरपुर, कोटा, भीलवाड़ा, पाली, जालोर सहित कई जिलों में सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही है।गुजरात के पोरबंदर में लगातार बारिश हो रही है। इसके चलते माधवपुर घेड में सोमनाथ कोस्टल एरिया के करीब हाईवे पर पानी भर गया।मुंबई में गुरुवार सुबह बारिश से राहत मिली और शहर के कुछ हिस्सों में लगभग एक हफ्ते बाद धूप खिली। बुधवार से महानगर में बारिश में कमी आई है और रात भर बारिश की कोई सूचना नहीं है। इधर नांदेड़ जिले में मंगलवार को भारी बारिश के बाद रावनगांव से 275 लोगों को बचाया गया है।किश्तवाड़ में बादल फटने से प्रभावित चसोटी गांव में आज लगातार आठवें दिन भी खोज और बचाव अभियान जारी रहेगा। मरने वालों की संख्या 65 हो गई है, 100 से ज्यादा लोग घायल हैं और 70 अभी भी लापता हैं।राजस्थान में मानसून फिर से एक्टिव हो गया है। गुरुवार को भी 28 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, बुधवार (20 अगस्त) जयपुर समेत कई जिलों में 2 इंच तक पानी बरसा। राजधानी और आसपास के इलाकों में बुधवार शाम से शुरू हुआ झमाझम बारिश का दौर गुरुवार को भी जारी है। तेज हवा के कारण शहर के कई इलाकों में पेड़ टूट गए। कई कॉलोनी में देर रात बिजली भी कट हो गई। वहीं, शहर के निचले इलाकों में पानी भरने से लोगों को परेशानी भी हुई है।मध्य प्रदेश से एक मानसून ट्रफ के गुजरने के चलते बुधवार को भी बारिश का दौर रहा। कई जिलों में पानी गिरा। वहीं, गुरुवार के लिए कुल 12 जिलों में भारी बारिश का यलो अलर्ट है। अब तक औसत 32.4 इंच बारिश हो चुकी है, जो मानसूनी कोटे की 87फीसदी है। इससे पहले बुधवार को रतलाम, दमोह में भारी बारिश हुई। इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर-उज्जैन समेत 30 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई।हरियाणा में आज किसी भी जिले में बारिश का अलर्ट नहीं है। हालांकि कई जिलों में हल्की बूंदाबांदी और बादल छाए रहने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले तीन दिनों तक झमाझम बारिश देखने को मिलेगी। कुरुक्षेत्र में मारकंडा नदी का जलस्तर 26 हजार क्यूसेक तक पहुंच गया है। बुधवार को इस्माइलाबाद के नैसी गांव के पास तटबंध टूटने से खेतों में पानी भर गया। वहीं, पंचकूला के मोरनी क्षेत्र से एक वीडियो सामने आया, जिसमें स्कूली बच्चों को बारिश के कारण उफान पर आए नाले को पार करवाया गया।पंजाब में आज बारिश को लेकर कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया। लेकिन कल से बारिश का नया दौर शुरू हो रहा है। जिसके बाद राज्य के तापमान में कमी देखने को मिलेगी। हालांकि अभी तक राज्य में कम बारिश रिपोर्ट हुई है, अनुमान है कि आने वाले दिनों में अच्छी बारिश देखने को मिलेगी। वहीं, हिमाचल में बारिश के कारण बांधों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।मौसम विभाग ने गुरुवार को बिहार के 18 जिलों के लिए बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 40 की रफ्तार से हवा चलने, बिजली गिरने के साथ ही बारिश और आंधी की आशंका जताई गई है। बिहार में आने वाले दिनों मानसूनी तेजी से एक्टिव होगा। मौसम विभाग के मुताबिक 22 से 26 अगस्त तक राज्य में भारी बारिश की संभावना है।महाराष्ट्र के बांधों में औसत जल भंडार बुधवार को 1135.04 टीएमसी (हजार मिलियन क्यूबिक फीट) रहा। यह राज्य की कुल क्षमता 1254.66 टीएमसी का 88.05फीसदी है। पिछले साल इसी दिन यह आंकड़ा 76.03फीसदी था। एक टीएमसी करीब 2831.68 करोड़ लीटर होता है। इधर, कोलकाता मेट्रो की दक्षिणेश्वर-शहीद खुदीराम रूट (ब्लू लाइन) सर्विस बुधवार को एक घंटे से ज्यादा समय तक बंद रही। शहर के दक्षिणी हिस्से में कालीघाट और नेताजी भवन स्टेशनों के बीच पटरियों में पानी भर गया था। अधिकारियों ने बताया कि सुबह करीब 11.20 बजे ब्लू लाइन के भूमिगत हिस्से में पटरियों पर पानी भरने के बाद ट्रेनों को रोक दिया गया। पानी निकालने के बाद सर्विस फिर से शुरू कर दी गई।

खबरे चलते फिरते

दिल्ली में 5 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, दो दिन पहले भी तीन स्कूलों में धमकी भरे मेल आए थे

नयी दिल्ली। प्रसाद नगर स्थित आंध्र एजुकेशन सोसाइटी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, द्वारका सेक्टर 5 स्थित बीजीएस इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, छावला स्थित राव मान सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल, द्वारका सेक्टर 1 स्थित मैक्सफोर्ट स्कूल और द्वारका सेक्टर 10 स्थित इंद्रप्रस्थ इंटरनेशनल स्कूल सहित छह स्कूलों को आज सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिली। दिल्ली पुलिस और अग्निशमन विभाग मौके पर मौजूद हैं। दो दिन पहले भी दिल्ली के 3 स्कूलों को इसी तरह की धमकी भरे मेल आए थे।

ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक को अस्पताल से छुट्टी, तीन दिन से एडमिट थे

ओडिशा। पूर्व मुख्यमंत्री और विधानसभा में विपक्ष के नेता नवीन पटनायक को तीन दिनों तक अस्पताल में रहने के बाद बुधवार रात छुट्टी मिल गई। बीजद प्रमुख को रविवार शाम डिहाइड्रेशन के कारण भुवनेश्वर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि उनकी हालत में सुधार हुआ है और वह अब स्थिर हैं। पटनायक ने अस्पताल से बाहर निकले के बाद मीडिया से कहा, 'मैं ओडिशा के लोगों को मेरे स्वास्थ्य के लिए उनकी प्रार्थनाओं और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।' बुधवार दिन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उनसे फोन पर बात की थी और उनका हाल जाना था। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने फोन कॉल के दौरान, पटनायक को कुछ समय आराम करने का सुझाव दिया था।

देशभर के बंदरगाहों से 5 साल में 11,310 करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को राज्यसभा में बताया कि 2020 से 2024 के बीच 5 साल में देश के विभिन्न बंदरगाहों से 11,310 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की नशीली दवाएं और मादक पदार्थ की जब्ती की गईं। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लिखित जवाब में यह जानकारी दी। आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक जब्ती गुजरात में हुई, जहां 7,350 करोड़ रुपए की ड्रग्स पकड़ी गईं। इसमें अडाणी पोर्ट एसईजेड, मुंद्रा से 3,063 किलो हेरोइन और 52 किलो कोकीन शामिल थे। महाराष्ट्र में मुंबई के जवाहरलाल नेहरू पोर्ट से 1,856 करोड़ रुपए की हेरोइन, 158 करोड़ की मेथामफेटामाइन और 295 करोड़ की कोकीन बरामद की गई। तमिलनाडु के तूतीकोरिन बंदरगाह से 1,515 करोड़ रुपए की कोकीन और पश्चिम बंगाल के कोलकाता पोर्ट से 78 करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त हुई। सभी मामलों की जांच संबंधित एजेंसियों द्वारा की जा रही है।

सीबीआई ने जम्मू-कश्मीर के 6 पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया, कस्टडी में जवान को प्रताड़ित करने का मामला

जम्मू। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने एक पुलिस कॉन्स्टेबल को कस्टडी में प्रताड़ित करने के मामले में बुधवार को जम्मू-कश्मीर के आठ पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार पुलिसकर्मियों में एक डीएसपी, एक इंस्पेक्टर और एक असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर शामिल हैं। आरोपी पुलिसकर्मियों को अपने हथियार और अन्य सरकारी सामान पुलिस लाइंस में जमा करने का निर्देश दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने 21 जुलाई को सीबीआई को जम्मू-कश्मीर में एक पुलिस कॉन्स्टेबल को हिरासत में क्रूर और अमानवीय यातना देने के मामले में एफआईआर दर्ज करने और केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर प्रशासन को पीड़ित को 50 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया था।

दिल्ली में युवक ने माता-पिता और भाई की हत्या की; खुद फरार, 12 साल से मानसिक बीमार था

नयी दिल्ली। मैदानगढ़ी इलाके में बुधवार को एक 22 साल के युवक ने अपने घर में माता-पिता और बड़े भाई की हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद से ही वह फरार है। आरोपी की पहचान सिद्धार्थ के रूप में हुई है। पुलिस को घर से कुछ दस्तावेज और दवाइयां मिली हैं जिनसे पता चलता है कि आरोपी पिछले 12 सालों से मानसिक बीमार था। उसका कई जगह इलाज चल रहा था। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान प्रेम सिंह (लगभग 45-50 साल), उनकी पत्नी रजनी (40-45 साल) और उनके बड़े बेटे ऋतिक (24 साल) के रूप में हुई है। पुलिस को दोपहर के आसपास घटना की सूचना पीसीआर को मिली। मैदानगढ़ी थाने की एक टीम मौके पर पहुंची तो घर में प्रेम और ऋतिक ग्राउंड फ्लोर पर खून से लथपथ मिले। रजनी का शव पहली मंजिल पर मिला।

पुतिन ने अलास्का में 2.2 करोड़ रुपए नकद देकर जेट में फ्यूल भरवाया; अमेरिकी पाबंदियां वजह बनीं

नयी दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को अमेरिका यात्रा से लौटते वक्त अलास्का में अपने विमानों में ईंधन भरवाने के लिए करीब 2.2 करोड़ रुपए नकद देने पड़े। यह जानकारी अमेरिकी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रुबियो ने दी। पुतिन 15 अगस्त को अलास्का पहुंचे थे। यहां उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात हुई। रेड कारपेट वेलकम मिला, लेकिन अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से उनकी टीम को कैश में पेमेंट करना पड़ा। रुबियो ने बताया कि रूसी विमान जब अलास्का में उतरे तो उन्हें ईंधन चाहिए था। लेकिन अमेरिकी बैंकिंग सिस्टम इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं है, इसलिए कैश देना पड़ा। रुबियो ने साफ किया कि रूस पर लगे सारे प्रतिबंध अब भी लागू हैं और उनके असर से रूस रोजाना जूझ रहा है। हालांकि, इसका असर यूक्रेन युद्ध रोकने पर नहीं पड़ा।पुतिन की टीम करीब 5 घंटे अलास्का में रही। ट्रम्प और पुतिन की मुलाकात लगभग 3 घंटे चली। इसमें यूक्रेन जंग खत्म करने पर कोई ठोस सहमति नहीं बनी।

'गंजी हो रही हो', यह बोलने पर फूट-फूटकर रोई थीःपति कहीं साथ लेकर नहीं जाते, विग पहनकर नकली रूप देखना अच्छा नहीं लगता

नयी दिल्ली। 'एक बार बेटी के स्कूल में पेरेंट्स मीटिंग थी। वहां उसकी एक दोस्त ने कह दिया कि आंटी आप तो गंजी हो। मेरी बेटी

रोने लगी, उसे लगा कि मेरी मां अच्छी नहीं हैं। उस दिन घर लौटकर मैं भी खूब रोई थी। पति अब कहीं साथ लेकर नहीं जाते। बाल थे तो सिर खुला रखकर चलती थी, अब ढंककर चलना पड़ता है। घर से बाहर जाने में शर्मिंदगी महसूस होती है। मन में यही चलता रहता है कि क्या फिर से पहले जैसी दिख पाऊंगी।' ब्लैकबोर्ड में इस बार कहानी उन महिलाओं की जो बाल झड़ने की वजह से डिप्रेशन में चली गईं और ट्रीटमेंट के बाद भी बाल वापस नहीं आए। 37 साल की कमलेश दिल्ली में रहती हैं। वो कहती हैं कि जिंदगी आगे बढ़ रही है, लेकिन हर रोज खुद से लड़ती हूं। बाल झड़ने के कारण बहुत ही तनाव में रहने लगी हूं। सिर की त्वचा दिखने लगी है, जिसे देखकर बहुत गंदा महसूस होता है। लोग कहते हैं, तुम्हारे बाल झड़ रहे हैं, तुम गंजी हो रही हो, ये सुनकर अंदर से टूट जाती हूं। पहले जब मैं कम बालों वाली लड़कियों को देखती, तो सोचती थी कि लोग इनके

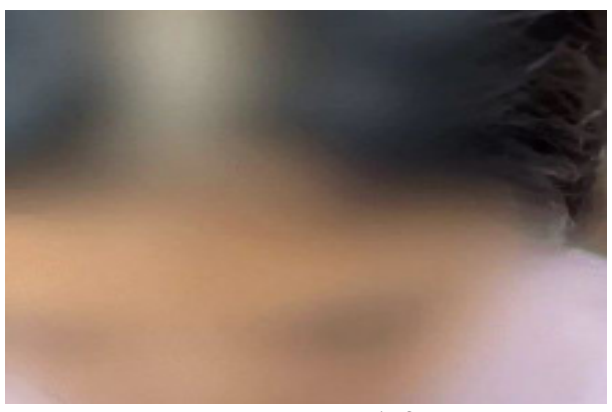

बारे में क्या सोचते होंगे। इनके लिए सजना-संवरना क्या रह गया होगा। अब वही सवाल मेरे सामने खड़े हो गए हैं। कितना भी तैयार हो लूं, कितने भी अच्छे कपड़े पहन लूं, कुछ भी अच्छा नहीं लगता। हर नुस्खा, हर इलाज आजमा चुकी हूं। नीम, करेला, आंवला खाया, दही, मेथी, शिकाकाई, रीठा लगाया, लेकिन कुछ नहीं हुआ। आज भी अगर कोई नुस्खा बताता है तो करती हूं। पति को अब मेरे साथ पार्टी वगैरह में जाना अच्छा नहीं लगता। वो कहते हैं–तुम कहीं जाने लायक नहीं रह गई हो। लोग तंज कसते हैं कि आपकी बीवी के तो बाल गिरते जा रहे हैं।बालों में उंगलियां फेरती हूं, तो ये टूटकर हाथ में आ जाते हैं। आईने में देखती हूं तो बालों के बिना सुंदरता अधूरी लगती है। एक बार मोहल्ले में पूजा थी। बहुत सी औरतें बैठी थीं। उनमें से एक ने सबके सामने मुझसे कहा कि तुम तो गंजी हो रही हो। मैं अपसेट हो गई और पूजा छोड़कर घर वापस चली आई। कभी मेरे बाल बहुत घने थे, लेकिन अब हालात ये हैं कि मेरे सिर की त्वचा दिखने लगी है। बालों के झड़ने के कारण मैं डिप्रेशन में रहने लगी हूं। अब दिन-रात मन में यही चलता है क्या मैं फिर से पहले जैसी दिख पाऊंगी। शुरू में ध्यान नहीं दिया, अब बहुत देर हो चुकी है। हेयर एक्सटेंशन करवाना चाहती हूं, लेकिन बहुत महंगा है। 50 हजार से 1 लाख तक खर्च आता है। यही नहीं, उसे हर महीने मेंटेन और रीफिल भी करवाना पड़ता है। मेरे पति बीमार पड़ गए, जिससे उनकी नौकरी कई महीने पहले चली गई। अब घर का सारा खर्च मैं ही उठा रही हूं। ऐसे में बालों के लिए भारी खर्च कैसे करूं। कई बार हसबैंड से हेयर एक्सटेंशन कराने की बात की, लेकिन उनका चेहरा उतर जाता है, फिर रुक जाती हूं। विग भी आजमाया, लेकिन साफ पता चल जाता है। विग पहनकर जब आईने में देखती हूं तो नकली रूप देखकर तकलीफ होती है। मैंने योग किया, जॉगिंग भी किया, लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ा। दिल्ली में पानी भी साफ नहीं आता। शायद ये भी एक वजह है, लेकिन बाल झड़ने की सबसे बड़ी वजह हार्मोनल इम्बैलेंस है। ससुराल वालों की टेंशन, बालों के झड़ने से बच्चों का चिंतित होना, इन सब से घिरी रहती हूं। दरअसल, लड़की होने के नाते बालों के बिना जीना आसान नहीं होता। मैं जॉब करती हूं। वहां काम की वजह से तनाव होता है। स्ट्रेस के कारण भी यह समस्या बढ़ जाती है। कमलेश की तरह 16 साल की माही भी बाल झड़ने से परेशान हैं। वो नोएडा में रहती हैं। कहती हैं- कुछ महीने पहले मेरे बाल बहुत टूट गए थे। इतने कि शीशे में खुद को देखने से कतराने लगी थी। कभी नहीं सोचा था कि बालों का गिरना मुझे डिप्रेशन में धकेल देगा, लेकिन ऐसा ही हुआ। मैं डिप्रेशन में चली गई। मेरे शरीर में विटामिंस की कमी हो गई थी। मैं हर वक्त चिड़चिड़ी रहने लगी थी। पढ़ाई में मन नहीं लगता था। खाना खाने का भी मन नहीं करता था।एक बार मैं एक फंक्शन में गई थी। वहां मेरी एक फ्रेंड और आंटी ने कहा कि तुम्हारे बाल बहुत झड़ गए हैं। क्या हुआ है तुम्हें। उस दिन बाहर से मुस्कुराई, लेकिन अंदर से मुझे खुद के बारे में सोचकर घबराहट होने लगी थी। जब किसी लड़की के बाल झड़ते हैं, तो केवल उसका हेयरस्टाइल नहीं बिगड़ता, पूरी पर्सनैलिटी और कॉन्फिडेंस ही बिगड़ जाता है। नोएडा का पानी बहुत खराब है। यहां कई लड़कियों को बाल झड़ने की समस्या है। एक बार ऑनलाइन एक ऑयल मंगाया, लेकिन उसे लगाने पर तो बाल और ज्यादा झड़ने लगे थे, फिर उसे मैंने फेंक दिया। मेरे साथ मेरे पेरेंट्स भी चिंतित होने लगे। मेरा रात में

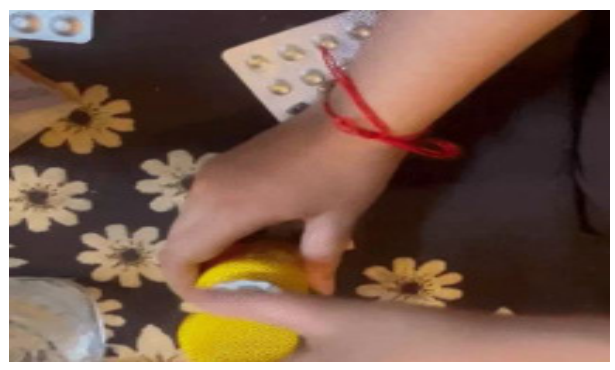

सोना मुश्किल होने लगा। नींद ही नहीं आती थी। एक दिन बाल धोकर जैसे ही कंघी चलाई, बालों का एक पूरा गुच्छा ही हाथ में आ गया। मैं फटी आंखों से देखती रह गई। कुछ पल तो मेरी सांस रुक गई। मैंने खुद को कमरे में बंद कर लिया। उसी दिन ट्रीटमेंट लेने की ठान ली। मेरे बड़े भैया मेरी फीलिंग समझते हैं। वो मेरा ट्रीटमेंट कराने हॉस्पिटल ले गए। अब धीरे-धीरे फर्क दिख रहा है और साथ ही उम्मीद भी जगी है कि मैं फिर से पहले जैसी हो जाऊंगी।माही की मां कहती हैं कि मेरी बेटी के बाल पहले बहुत घने और खूबसूरत थे, लेकिन अब इसके सिर को देखती हूं तो कांप जाती हूं। अब इसका ट्रीटमेंट करवा रही हूं। 25 साल की वर्षा भी नोएडा में रहती हैं। वह भी बाल झड़ने से परेशान हैं। वो कहती हैं कि बाल झड़ना सिर्फ मेडिकल प्रॉब्लम नहीं, एक इमोशनल लड़ाई भी है, जो हर रोज खुद से लड़नी पड़ती है। एक बार अपनी दोस्त की शादी के लिए अच्छे से तैयार हुई। वहां पहुंचने पर कुछ लोगों ने कहा कि तुम तो गंजी हो रही हो। ये सुनकर चेहरे की मुस्कान चली गई और अंदर डर समा गया। मेरे गांव की एक आंटी ने एक बार कहा- बाल तो तुम्हारे हैं नहीं, शादी कैसे होगी? उस दिन मैं पूरी रात रोई थी। आज बहुत आम हो गई है। इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। लड़कियों में बाल झड़ने की समस्या अक्सर उनमें हार्मोनल बदलाव होते हैं। पीरियड्स से जुड़ी गड़बड़ियां, थायरॉइड, पीसीओडी जैसे कंडीशंस सीधे तौर पर बालों पर असर डालते हैं। आज लोगों के खान-पान और लाइफस्टाइल में भी बड़ा बदलाव आया है, जो बालों के टूटने के लिए जिम्मेदार है। जंक फूड खाना, असंतुलित डाइट और नींद की कमी के कारण पोषण की कमी हो जाती है। इसका सबसे पहले असर बालों पर पड़ता है। वह कहती हैं कि बाल झड़ना शारीरिक समस्या नहीं, मानसिक भी है। युवा लड़के-लड़कियों का तो यह कॉन्फिडेंस कम कर देता है। डॉ. समीक्षा बताती हैं- ज्यादातर लड़कियां शुरुआत में बाल झड़ने को नजरअंदाज कर देती हैं, लेकिन जब सिर की त्वचा दिखने लगती है, तब वे घबरा जाती हैं और फिर बहुत देर हो चुकी होती है। वो कहती हैं कि कभी भी बाल झड़ने को हल्के में नहीं लेना चाहिए। जांच करवा कर तुरंत ट्रीटमेंट लेना चाहिए। अगर समय पर इलाज लिया जाए तो यह समस्या काफी हद तक काबू की जा सकती है।

रिलेशनशिप एडवाइज- पति बेरोजगार हैंःससुराल से मदद लेने में उनका इगो टकराता है, पति को कैसे समझाऊं, मदद लेना कमजोरी नहीं, साहस है

नयी दिल्ली। एक्सपर्टः द्युतिमा शर्मा, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट एंड ट्रॉमा थेरेपिस्ट, भोपाल से समझते हैं सवाल जवाब के माध्यम से. सवालः मेरी शादी को 3 साल हो गए हैं। मैं और मेरे पति आर्थिक तनाव से जूझ रहे हैं। हाल ही में उनकी नौकरी चली गई और अब हम मेरी आमदनी और कुछ बचत पर निर्भर हैं। मैं पैसे को लेकर सतर्क हूं, लेकिन वह खर्च करने में लापरवाह हैं, जिससे हमारे बीच बहस होती है। मैं उनकी नौकरी छूटने के दुख को बढ़ाना नहीं चाहती, लेकिन मुझे भविष्य की चिंता सता रही है। मेरे परिवार ने मदद की पेशकश की, पर उन्हें लगता है कि उनका आत्मसम्मान बिखर जाएगा। हम पैसे के मसले को रिश्ते पर हावी होने से कैसे रोकें? क्या मुझे सख्त बजट बनाना चाहिए या कोई और तरीका है? उनकी इमोशनल मदद कैसे करूं और हकीकत से कैसे निपटूं? उन्हें कैसे समझाऊं कि ससुराल से मदद लेने में कोई बुराई नहीं है? जवाबः शादी के 3 साल बाद, आपके पति की नौकरी छूटने से आर्थिक तनाव बढ़ गया है। आप अपनी इनकम और कुछ बचत पर निर्भर हैं और आपके अलग-अलग खर्च करने के तरीकों के कारण बहस हो रही है। आप भविष्य की चिंता में हैं, लेकिन अपने पति के दुख को बढ़ाना नहीं चाहती हैं। आपके परिवार ने मदद की पेशकश की है, लेकिन आपके पति को लगता है कि इससे उनका आत्मसम्मान कम होगा। आप पूछ रही हैं कि पैसे के मसले को रिश्ते पर हावी होने से कैसे रोका जाए, क्या सख्त बजट बनाना चाहिए, उनकी भावनात्मक मदद कैसे करें और उन्हें कैसे समझाएं कि ससुराल से मदद लेना ठीक है। सबकुछ एक-एक करके समझते हैं।पैसे के मसले को रिश्ते पर हावी होने से कैसे रोकें? पैसे के मसले को रिश्ते पर हावी होने से रोकने के लिए सबसे जरूरी

है खुलकर बातचीत और एकजुटता। अपने पति के साथ शांत माहौल में बैठें और अपनी चिंताओं को साझा करें। उदाहरण के लिए, आप उन्हें बताएं कि आप ये समझती हैं कि यह आप दोनों के लिए मुश्किल है, लेकिन अगर हम साथ मिलकर इसे संभालें, तो हमारा रिश्ता मजबूत रहेगा। बहस को समाधान की ओर मोड़ें।खुलकर बातचीत से आप दोनों के बीच विश्वास बढ़ेगा और पैसे का तनाव रिश्ते पर भारी नहीं पड़ेगा।हां, एक सख्त लेकिन लचीला बजट बनाना चाहिए। इसे दोनों आपसी सहमति से तैयार करें, ताकि कोई दबाव महसूस न करे। बजट आपकी आय और खर्चों को नियंत्रित करेगा और बहस को कम करेगा। साथ ही, साझा वित्तीय लक्ष्य बनाना भी जरूरी है।इस दौरान आप अपने पति की नौकरी खोजने में मदद करें। उनके रिज्यूम को अपडेट करने या जॉब पोर्टल्स पर आवेदन करने में मदद करें। बजट और लक्ष्य से आपको स्पष्टता मिलेगी और आप दोनों एक टीम की तरह काम करेंगे। उनकी भावनात्मक मदद कैसे करूं और हकीकत से कैसे निपटूं? नौकरी छूटने से आपके पति का आत्मसम्मान को नुकसान हुआ होगा। उनकी भावनात्मक मदद के लिए आपको संवेदनशीलता और धैर्य दिखाना होगा। हकीकत से निपटने के लिए व्यावहारिक कदम उठाएं। भावनात्मक रूप से साथ देने के तरीके- बातें सुनेंः उनकी बात बिना जज किए सुनें। अगर वे चिंता साझा करें, तो कहें, 'मैं समझती हूं कि यह तुम्हारे लिए कितना मुश्किल है।' सहानुभूति रखेंः उन्हें बताएं कि आप उनके साथ हैं। कैसी भी मुश्किल हो साथ मिलकर पार कर लेंगे। सकारात्मकता लाएंः साथ में वॉक पर जाएं, पुरानी यादें ताजा करें, या घर पर कोई सस्ता शौक शुरू करें। हिम्मत बंधाएंः उन्हें याद दिलाएं, 'यह अस्थायी है, तुम जल्द ही नई शुरुआत करोगे।' हकीकत से निपटने के लिए- उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए भी वित्तीय स्थिति पर स्पष्ट चर्चा करें।छोटे-छोटे कदम सुझाएं, जैसे नौकरी की तलाश में मदद करना या बजट का पालन करना। धैर्य रखें, लेकिन जरूरत पड़ने पर सख्ती भी दिखाएं, जैसे गैर-आवश्यक खर्च रोकना। भावनात्मक समर्थन से उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा, और हकीकत से निपटने में आप दोनों की भागीदारी रिश्ते को मजबूत करेगी।उन्हें कैसे समझाऊं कि ससुराल से मदद लेने में कोई बुराई नहीं है? आपके पति को लगता है कि ससुराल से मदद लेने से उनका आत्मसम्मान कम होगा, जो भारतीय संस्कृति में आम सोच है। इसे संवेदनशीलता से समझाएं। मदद को अस्थायी बताएंः उनसे कहें कि यह मदद सिर्फ इस मुश्किल वक्त को पार करने के लिए है। जब तुम्हारी नौकरी लग जाएगी, हम इसे लौटा देंगे। औपचारिक बनाएंः इसे कर्ज की तरह पेश करें और कहें, हम इसे लिखित रूप में रख सकते हैं, ताकि तुम्हें बोझ न लगे। प्यार और समर्थन पर जोर देंः उन्हें बताएं कि आपका परिवार हमारी मदद करना चाहता है क्योंकि वे हमसे प्यार करते हैं। इसमें शर्म की बात नहीं है। इससे जुड़े उदाहरण देंः अगर आपके परिवार ने पहले उनकी मदद की हो, तो उसे याद दिलाएं। उन्हें यह एहसास दिलाएं कि यह एक अस्थायी समाधान है और इससे उनकी गरिमा कम नहीं होगी।आर्थिक तनाव से निपटने के टिप्स खुलकर बात करेंः अपनी चिंताएं साझा करें और उनकी भावनाओं को समझें।

बजट और लक्ष्य बनाएंः सख्त लेकिन लचीला बजट बनाएं और साझा फाइनेंशियल टारगेट तय करें। इमोशनल सपोर्ट देंः उनका आत्मसम्मान बढ़ाएं और सकारात्मक रहें। परिवार से मदद लेंः इसे अस्थायी और सम्मानजनक तरीके से पेश करें। जरूरत पर पेशेवर मदद लेंः वित्तीय सलाहकार या काउंसलर से सहायता लें।

भूमिका चावला हुई 47 की, 'तेरे नाम' से मिली पहचान,दूसरे की गलती के चलते 'लगे रहो मुन्ना भाई' से हटाई गईं, तलाक की अफवाहों से हुईं परेशान

मुंबई। एक्ट्रेस भूमिका चावला का नाम सुनते ही सबसे पहले जेहन में सलमान खान के साथ उनकी फिल्म 'तेरे नाम' का किरदार याद आता है। फिल्म में 'निर्जरा' के रोल ने भूमिका को रातों-रात पहचान दिलाई और उन्होंने दर्शकों के दिलों में खास जगह

बनाई। इसके बाद उन्हें कई फिल्में ऑफर हुईं। हालांकि, करियर के पीक पर उन्हें कुछ फिल्मों से रिप्लेस कर दिया गया, जिनमें 'लगे रहो मुन्ना भाई' और 'जब वी मेट' जैसी फिल्में शामिल हैं। आज भूमिका चावला के बर्थडे के खास मौके पर आइए उनकी जिंदगी को करीब से छूते हैं- भूमिका चावला का जन्म 21 अगस्त 1978 को दिल्ली में एक पंजाबी हिंदू परिवार में हुआ। उनके पिता आर्मी ऑफिसर थे। परिवार में एक बड़ा भाई और एक बड़ी बहन हैं। भूमिका ने अपने करियर की शुरुआत एड फिल्मों और म्यूजिक वीडियो से की। इसके बाद उन्होंने जी टीवी के शो 'हिप हिप हुर्रे' और 'स्टार बेस्ट सेलर्स फुर्सत में' में काम किया।भूमिका ने फिल्मों में कदम तेलुगु इंडस्ट्री से रखा था। उनकी पहली फिल्म 'युवकुडु' (2000) थी, जिसमें वह एक्टर सुमंत के साथ दिखीं। दूसरी फिल्म 'खुशी' (2001) पवन कल्याण के साथ थी। यह फिल्म हिट रही थी।इसके बाद भूमिका ने 'ओक्काडु' (2003) और 'सिंहद्री' (2003) में काम किया। इस बीच उन्होंने तमिल फिल्मों में भी एंट्री की। उनकी पहली तमिल फिल्म 'बद्री' (2001) थी, जिसमें वह विजय के साथ नजर आईं। इसके बाद उन्होंने 'रोजा कूटम' (2002) में काम किया।साउथ की फिल्मों में एक्टिंग करने के बाद भूमिका ने बॉलीवुड में एंट्री की। उनकी पहली हिंदी फिल्म 'तेरे नाम' (2003) थी, जिसमें वह सलमान खान के साथ नजर आईं। यह फिल्म उस साल

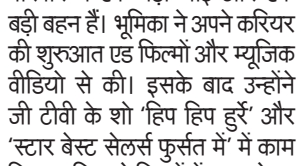

की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक रही।लहरें के यूट्यूब चैनल पर दिए इंटरव्यू में भूमिका चावला ने बताया था कि उन्होंने 'तेरे नाम' के प्रोड्यूसर सुनील मनचंदा के साथ एक एड फिल्म की थी। वहीं, फिल्म के डायरेक्टर सतीश कौशिक ने भूमिका की साउथ फिल्म 'खुशी' देखी और उनकी एक्टिंग पसंद आई। इसके बाद उन्होंने भूमिका को 'तेरे नाम' में लीड रोल के लिए अप्रोच किया। इसके बाद भूमिका ने हिंदी फिल्मों 'रन' (2004), 'दिल ने जिसे अपना कहा' (2004), 'सिलसिले' (2005) और 'दिल जो भी कहे' (2005) में काम किया। साथ ही तेलुगु फिल्मों 'ना ऑटोग्राफ' (2004) और 'जय चिरंजीवा' (2005) में भी नजर आईं।साल 2005 के बाद भूमिका कम फिल्मों में दिखीं। 2006 से 2015 के बीच वो ज्यादा फिल्मों में नजर नहीं आईं। फिर 2016 में उन्होंने फिल्म 'एम.एस. धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' में धोनी की बहन का रोल निभाया। फिल्म में अपनी परफॉर्मेंस से उन्होंने लोगों का ध्यान खींचा था। खास बात यह थी कि भूमिका ने यह रोल महेंद्र सिंह धोनी की बहन जयंती से बिना मिले प्ले किया था।बॉलीवुड हंगामा को दिए इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया था कि उन्होंने रोल के लिए कैसे तैयारी की, तो उन्होंने बताया था कि डायरेक्टर नीरज पांडे ने पूरी रिसर्च पहले ही कर ली थी। नीरज ने धोनी, उनकी बहन जयंती और पूरे परिवार से मुलाकात की थी। उन्होंने कई बार उनसे बातचीत की और सभी जरूरी जानकारियां इकट्ठा कीं। भूमिका ने कहा था कि उनके लिए जयंती का रोल निभाना मुश्किल नहीं था, क्योंकि

उन्होंने बस नीरज पांडे की गाइडलाइन को फॉलो किया था। इसके बाद भूमिका 'मिडिल क्लास अब्बायी', 'ऑपरेशन रोमियो' और 'सीटीमार' जैसे फिल्मों में नजर आईं।वहीं, भूमिका 2023 में सलमान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में दिखीं। कभी सलमान की हीरोइन बनी भूमिका ने इस फिल्म में सलमान की हीरोइन यानी पूजा हेगड़े की भाभी का किरदार निभाया है।भूमिका चावला ने कई बार कॉमर्शियल फिल्मों में एक्टर और एक्ट्रेस के लिए उनकी उम्र के अनुसार कास्टिंग पैटर्न पर बात की है। एबीपी न्यूज को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि कॉमर्शियल फिल्मों में एक बदलाव जरूरी है। स्क्रिप्ट के अनुसार 30-40 साल की महिला भी लीड करे, जिस तरह उसी उम्र के एक्टर्स लीड रोल करते हैं।वहीं, सिद्धार्थ कन्नन से बातचीत में उन्होंने कहा था कि इंडस्ट्री में ऐसा होता है कि हीरो अपनी आधी उम्र की हीरोइन संग रोमांस करता है। फिर उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा था कि अगर ऐसा है, तो फिर मुझे भी किसी बच्चे के साथ रोमांस करना चाहिए।'तेरे नाम' में सलमान की हीरोइन बनी भूमिका ने फिल्म के ऑडियो लॉन्च के दौरान स्टेज पर कह दिया था, 'मैं सलमान भाई के साथ काम करके बहुत खुश हूं,' जिसे सुनकर लोग शॉक्ड हो गए। वहीं सलमान ने कहा, 'ये क्या हो रहा

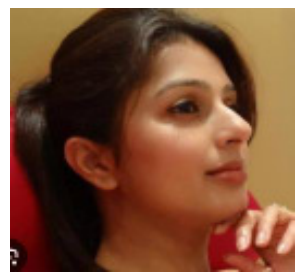

है?' वैसे, अक्सर इंटरव्यू में भूमिका सलमान को भाई या सर ही कहती हैं।भूमिका को फिल्म 'तेरे नाम' के बाद कई ऑफर मिले, लेकिन उन्होंने हमेशा चुनिंदा फिल्में ही कीं। उन्होंने एक बड़ी फिल्म साइन की थी, लेकिन प्रोडक्शन बदल गया, फिल्म का नाम बदल गया और हीरोइन भी बदल गई। इस वजह से वह फिल्म उनके हाथ से निकल गई। इसके लिए उन्होंने एक साल इंतजार किया और दूसरी कोई हिंदी फिल्म साइन नहीं की। बाद में एक और फिल्म साइन की, लेकिन वह भी नहीं बनी। फिल्मों से रिप्लेस किए जाने को लेकर भूमिका ने कहा था कि केवल एक बार उन्हें बुरा लगा था, जब फिल्म जब वी मेट से उनको हटा दिया गया। वह रोल बाद में करीना कपूर ने किया था। भूमिका ने बताया था- 'मुझे एक ही बार बुरा लगा, जब मैंने 'जब वी मेट' साइन की और वह नहीं हुई। मैं और बॉबी (बॉबी देओल) फिल्म में थे, तब फिल्म का नाम 'ट्रेन' था, तब फिल्म को एचएमवी बना रहा था, फिर अष्टविनायक ने फिल्म को लिया। फिर शाहिद (शाहिद कपूर) और मैं, फिर शाहिद और आयशा (आयशा टाकिया), फिर शाहिद और करीना (करीना कपूर) और इसी तरह चीजें हुईं। मुझे सिर्फ एक ही बार बुरा लगा; उसके बाद कभी बुरा नहीं लगा।' वहीं, फिल्म 'लगे रहो मुन्ना भाई' से भी उन्हें किसी और की गलती की वजह से हटा दिया गया था। वह रोल उन्हें करना था, जिसे बाद में विद्या बालन ने निभाया। 'लगे रहो मुन्ना भाई' न करने को लेकर भूमिका ने कहा था कि फिल्म में क्यों नहीं लिया गया, इसका कारण तो केवल डायरेक्टर राजू हिरानी ही बता सकते हैं। हालांकि राजू ने उनको बताया था कि तुम्हें किसी और की गलती की वजह से फिल्म से हटाया गया था।फिल्म 'तेरे नाम' की शूटिंग के दौरान सेट पर सलमान से भूमिका चावला बेहद कम बात करती थीं। सलमान ने बताया था कि भूमिका की बातचीत अक्सर सिर्फ औपचारिक शब्दों तक सीमित रहती थी -'हैलो सर, आप अच्छे हैं? लंच? नहीं... पैकअप... बाय।' सलमान ने हंसते हुए कहा था, 'शायद 'तेरे नाम' के मेरे किरदार से डरती थीं। लगता था ज्यादा बोलूंगी तो ये मेरे पीछे ही पड़ जाएगा।' फिल्म 'तेरे नाम' में सलमान का हेयरस्टाइल और लुक लोगों को बहुत पसंद आया था, लेकिन भूमिका को यह पसंद नहीं आया था। सलमान ने जब भूमिका से पूछा था कि उनका स्टाइल कैसा लग रहा है, तो भूमिका ने कहा था, 'मुझे नहीं लगता कि मुझे यह पसंद है।' इसके जवाब में सलमान ने कहा था, 'देखो, यह जल्द ही बहुत पॉपुलर हो जाएगा।' लेकिन भूमिका ने फिर भी कहा था, 'मुझे नहीं लगता।' 'रन' की शूटिंग के दौरान अजीब घटना से डर गई थीं भूमिका- भूमिका दिल्ली

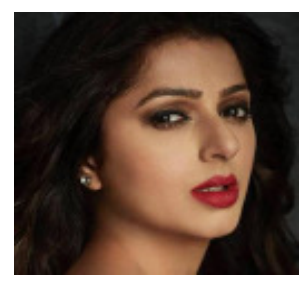

में फिल्म 'रन' की शूटिंग कर रही थीं, जिसमें उन्हें और अभिषेक बच्चन को बाइक पर एक्शन सीन करना था। एक अस्पताल के पास, एक आदमी स्ट्रेचर में आइवी बोतल के साथ उनके पास आया और पूछा, 'राधे कहां है?' वह काफी परेशान दिख रहा था। हालांकि कुछ देर वो आदमी वहां से चला गया।

आधुनिक समाचार विशेष साक्षात्कार,'सशक्त नारीः नए भारत की पहचान',अभिनेत्री कंचन अवस्थी से विशेष बातचीत

साक्षात्कारकर्ताः सुधांशु शर्मा, रेडियो हेड - आधुनिक समाचार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सुधांशु शर्माः- नमस्कार कंचन जी, आधुनिक समाचार में आपका स्वागत है। आज हम महिला सशक्तिकरण

सुधांशु शर्मा रेडियो प्रमुख आधुनिक समाचार

जैसे महत्वपूर्ण विषय पर आपसे बातचीत करना चाहेंगे। शुरुआत करते हैं इस सवाल से – **आपके लिए 'महिला सशक्तिकरण' का असली अर्थ क्या है?** कंचन अवस्थीः- नमस्कार सुधांशु जी। मेरे लिए महिला सशक्तिकरण का अर्थ है – एक महिला को अपनी पहचान बनाने, अपने फैसले खुद लेने, और अपने सपनों को साकार करने की पूरी आज़ादी देना। यह सिर्फ आर्थिक या शारीरिक स्वतंत्रता नहीं, मानसिक और सामाजिक स्वतंत्रता भी है। **सुधांशुः- क्या आपको लगता है कि फिल्म और मनोरंजन इंडस्ट्री में महिलाओं को अब ज्यादा सशक्त किरदार मिल रहे हैं?** कंचनः- बिल्कुल, पहले महिलाओं को मुख्यतः ग्लैमर तक सीमित कर दिया जाता था, लेकिन अब समय बदल रहा है। अब महिला किरदार कहानियों का केंद्र बिंदु बन रहे हैं। फिल्मों और वेब सीरीज में आजकल ऐसी कहानियाँ देखने को मिल रही हैं जो महिलाओं के संघर्ष, आत्मबल और सफलता को प्रमुखता देती हैं। **सुधांशुः- आपने खुद भी कई सशक्त महिला किरदार निभाए हैं। क्या कोई एक किरदार ऐसा है जिसने आपको व्यक्तिगत रूप से प्रेरित किया?** कंचनः- हाँ, मैंने समझा कि असली नायिका वही होती है जो अपने छोटे से क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाने का साहस रखती है। **सुधांशुः- आपको क्या लगता है – महिला सशक्तिकरण की राह में सबसे बड़ी रुकावट क्या है?** कंचनः- सबसे बड़ी रुकावट है – सोच। जब तक समाज महिलाओं को बराबरी की नजर से नहीं देखेगा, तब तक बदलाव अधूरा रहेगा। कई बार महिलाएं खुद भी अपनी क्षमताओं को नहीं पहचान पातीं, क्योंकि उन्हें बचपन से ही सीमाओं में रहना सिखाया जाता है। इस सोच को बदलना ज़रूरी है। **सुधांशुः- क्या आप किसी ऐसी महिला से प्रेरित हुई हैं जिनसे आपको सशक्त बनने की सीख मिली?** कंचनः- मेरी मां। उन्होंने हमेशा मुझे आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने सिखाया कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता, बस मेहनत ईमानदारी से होनी चाहिए। आज मैं जो कुछ भी हूं, उनकी दी गई सीखों का ही परिणाम है।**सुधांशुः- नई पीढ़ी की लड़कियों को आप**

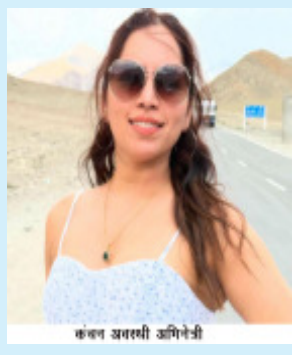

कंचन अवस्थी अभिनेत्री

क्या संदेश देना चाहेंगी? कंचनः- मैं यही कहना चाहूंगी कि अपने अंदर की शक्ति को पहचानिए। समाज क्या कहेगा, इससे डरिए मत। अपने आत्मविश्वास को अपना हथियार बनाइए। आप जो चाहे वो बन सकती हैं – बस खुद पर भरोसा रखिए। **सुधांशु शर्माः- बहुत ही प्रेरणादायक बातों के लिए आपका धन्यवाद कंचन जी। आधुनिक समाचार की ओर से आपको शुभकामनाएं और उम्मीद है कि आप आगे भी अपनी भूमिकाओं और विचारों से समाज को प्रेरित करती रहेंगी।** कंचन अवस्थीः- बहुत-बहुत धन्यवाद सुधांशु जी। इस मंच के माध्यम से अपनी बात कहने का अवसर मिला, इसके लिए मैं आभारी हूं।

कानूनी पचड़े में फंसी 'जॉली एलएलबी 3':फिल्म में न्यायपालिका का मजाक उड़ाने का आरोप

मुंबई। पुणे की एक

अदालत ने बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार और अरशद वारसी को उनकी आने वाली फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' को लेकर नोटिस भेजा है। न्यूज 18 की खबर के अनुसार, यह नोटिस वकील वाजिद खान बिदकर की शिकायत के बाद जारी किया गया। बिदकर ने दावा किया है कि फिल्म में लीगल सिस्टम और कोर्ट की कार्यवाही का मजाक उड़ाया गया है। अपनी याचिका में बिदकर ने कहा कि जॉली एलएलबी 3 में लीगल प्रोफेशन को अपमानजनक तरीके से दिखाया गया है और फिल्म कोर्ट का अपमान करती है। बिदकर ने फिल्म के एक सीन पर भी आपत्ति जताई, जिसमें जजों को 'मामू' कहा गया है।कोर्ट ने अक्षय कुमार और अरशद वारसी को 28 सितंबर को हाजिर होने के लिए कहा है।'जॉली एलएलबी 3' के खिलाफ यह पहली शिकायत नहीं है। पहले भी फिल्म कानूनी विवाद में फंसी थी।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।